रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-112 | कोलकाता, गुरुवार 20 जून 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

फडणवीस बने रहेंगे डिप्टी सीएम, नहीं देंगे इस्तीफा

- हाईकमान का भरोसा बरकरार, थमाया महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का भी टास्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस से अपने पद पर बने रहने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संगठन के लिए काम करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उनके इस्तीफे की पेशकश पर अटकलों का अंत हो गया है। मंगलवार को दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। भाजपा सूत्र का कहना है कि, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने एक बार फिर फडणवीस को सरकार में बने रहने के लिए कहा है। अपने सरकारी कर्तव्यों के साथ-साथ उन्हें पार्टी के लिए संगठनात्मक कार्य करने के लिए कहा गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा की गई। भाजपा ने विफलता के पीछे स्थानीय कारणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।

घाटी के बारामूला में सेना को मिली बड़ी सफलता

दो आतंकवादियों को कर दिया ढेर, सुरक्षाकर्मी भी हुआ घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को हुए एनकाउंटर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है। हालांकि, दो सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार सुबह बारामूला जिले के वाटरगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने आगे बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल पर दो शव देखे गए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें बरामद नहीं किया जा सका है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में दो सुरक्षाकर्मी - एक पुलिसकर्मी और एक सेना का जवान - घायल हो गए हैं। बता दें कि पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के रियासी सेक्टर में एक बस पर आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें नौ लोगों की जान चली गई थी। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं, जबकि 41 लोग घायल हो गए थे। गृह मंत्रालय ने आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। आतंकवादियों ने 53 सीटों वाली बस पर उस समय गोलीबारी की, जब यह शिव खोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में 9 जून को बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है।

असम में मौत बनी बारिश 26 ने गंवाई अपनी जिंदगी

1.61 लाख लोग प्रभावित, बाढ़ से बिगड़ी स्थिति

दिसपुर (एजेंसी)। एक तरफ उत्तर भारत में लोग मॉनसून की बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं पूर्वोत्तर भारत में बारिश की वजह लोगों की जान पर बन आई है। असम में 28 मई से बाढ़, बारिश और तूफान के कारण अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। एक सरकारी बुलेटिन में कहा गया है कि लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से स्थिति काफी बिगड़ गई है। बाढ़ के कारण मंगलवार को नए क्षेत्रों में पानी भर जाने से 15 जिलों में 1.61 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बुलेटिन में कहा गया है कि करीमगंज सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां 1,52,133 लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। कुल 1378.64 हेक्टेयर फसल क्षेत्र भी नष्ट हो गया है, जबकि 54,877 पशु प्रभावित हुए हैं। कुल मिलाकर 5114 प्रभावित लोगों ने 43 राहत शिविरों में शरण ली है।

नालंदा सिर्फ एक नाम नहीं पहचान है, एक सम्मान है

- पीएम बोले-किताबें भले जल जाएं,ज्ञान नहीं मिटता
- पीएम ने यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का किया उद्घाटन

नालंदा (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 1749 करोड़ रुपए से बने नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन किया। उन्होंने 21 मिनट तक कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का मौका मिला है। यह मेरा सौभाग्य तो है ही, मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। नालंदा केवल एक नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। कार्यक्रम में सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि पुरानी सरकार बात नहीं सुनती थी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के लिए कई बार उन्होंने अनुरोध किया था। इससे पहले प्रधानमंत्री ने करीब 15 मिनट तक 1600 साल पुराने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर का दौरा किया। खंडहर में प्रधानमंत्री 10.03 बजे पहुंचे।

बम जल्द ही फट जाएंगे, तुम सब मर जाओगे

- एयरपोर्ट के बाद मुंबई के 50 अस्पतालों को उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। जसलोक अस्पताल, रहेजा अस्पताल, सेवन हिल्स अस्पताल, कोहिनूर अस्पताल, केईएम अस्पताल, जेजे अस्पताल और सेंट जॉर्ज अस्पताल सहित मुंबई के 50 से ज्यादा अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं।

मुंबई पुलिस ने पुष्टि की है कि धमकी भरे ईमेल आईएस नेटवर्क का इस्तेमाल करके भेजे गए थे। पुलिस ने बताया कि धमकी भेजने वाले की पहचान और धमकी का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है।

एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स को भी उड़ाने की धमकी देने वाला एक फर्जी ईमेल संस्थान को मिला है।

तीन जुलाई तक तिहाड़ में बंद रहेंगे सीएम केजरीवाल

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिया झटका, बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट से बुधवार को अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। दरअसल कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को तीन जुलाई तक बढ़ा दिया है। जिसके बाद अब अरविंद केजरीवाल तीन जुलाई तक तिहाड़ जेल में बंद रहने वाले हैं। दरअसल आज अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी। इसलिए दोनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। जिसके बाद जज ने अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत को तीन जुलाई तक बढ़ाने का ऐलान कर दिया। बता दें कि सुनवाई के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वकील ने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका विरोध करते हुए कहा कि उनकी हिरासत बढ़ाने का कोई आधार नहीं है। वहीं ईडी के वकील ने कहा कि गोवा चुनाव के लिए अभिषेक बोइनपल्ली के माध्यम से के कविता के पीए से विनोद चौहान को 25 करोड़ रुपये मिले थे। बता दें कि विनोद चौहान को मई में गिरफ्तार किया गया था। वहीं अरविंद को होली से पहले 21 मार्च को दो घंटे तक पूछताछ करने के बाद ईडी ने गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस में वापसी को तैयार हैं प्रणब मुखर्जी के बेटे

बोले अभिजीत मुखर्जी-टीएमसी की कार्य संस्कृति ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश पूर्व राष्ट्रपति और दिग्गज कांग्रेसी रहे दिवंगत प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने कांग्रेस में वापसी की अपनी इच्छा प्रकट की है। इसके लिए उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी की कार्य संस्कृति पर भी सवाल उठाया है। आपको बता दें कि उन्होंने 2021 में कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए टीएमसी जॉइन कर ली थी। उन्होंने टीएमसी छोड़ने और कांग्रेस में वापसी की इच्छा प्रकट करते हुए कहा, टीएमसी की कार्य संस्कृति कांग्रेस से बिल्कुल मेल नहीं खाती है। मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। दिल्ली आने के बाद मैंने कांग्रेस आलाकमान से समय मांगा है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान मुझे तुरंत शामिल होने के लिए कहते हैं तो मैं शामिल हो जाऊंगा। मैं पूरी तरह से स्वतंत्र हूं और कांग्रेस पार्टी में अपना योगदान देने के लिए तैयार हूं। अभिजीत मुखर्जी ने कहा,2019 में मैं जिन कारणों से चुनाव हार गया, उनके बारे में जानता हूं। मैं खुलकर इसके बारे में नहीं कह पाऊंगा। आलाकमान भी इसके बारे में जानते हैं। 2.5 साल तक मैंने कांग्रेस द्वारा मुझे जो भी काम दिया गया उसे पूरा किया। लेकिन पार्टी ने मुझे पर्याप्त काम नहीं दिया। चाहे इसके जो भी कारण रहे हों। आपको बता दें कि उन्होंने 2019 में कांग्रेस के सिंबल पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। प्रणब दा के बेटे ने आगे कहा, मुझे धीरे-धीरे एक खास व्यक्ति और एक खास समूह द्वारा हाशिए पर डाल दिया गया। इसी दौरान ममता दीदी ने मुझे बुलाया। मैंने उनसे मिलने का समय मांगा था। उन्होंने मुझे टीएमसी शामिल होने का प्रस्ताव दिया। पार्टी में शामिल होने के बाद मुझे ऐसा कोई काम नहीं मिला। उनकी कार्य संस्कृति ने मुझे निराश नहीं किया, लेकिन कांग्रेस के साथ मेल नहीं खाती है।

54 साल के हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी

पार्टी अध्यक्ष समेत अन्य दिग्गज नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 19 जून को अपना 54वां जन्मदिन मनाया। उनके इस खास दिन पर पार्टी मुख्यालय के बाहर जगह- जगह पर राहुल गांधी को बधाई देते हुए पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। वहीं कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। इसके साथ ही कई जगहों पर मंदिरों में राहुल गांधी की दीर्घायु के लिए पूजा की जा रही है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा-राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भारत के संविधान के मूल्यों को प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और लाखों अनसुनी आवाजों के लिए आपकी करुणा, ऐसे गुण हैं जो आपको सबसे अलग बनाते हैं। मैं आपके सुखी जीवन की कामना करता हूं। वहीं दिल्ली कांग्रेस ने राहुल गांधी के इस खास को और भी खास बनाते हुए एक्स पर ट्वीट किया-मोहब्बत का पैगाम और न्याय का संदेश न्याय योद्धा राहुल के साथ है।

फ्लाइट में बम की झूठी धमकी देना अब सबको पड़ेगा भारी

बीसीएएस बोला-आरोपी 5 सालों तक नहीं कर सकेंगे प्लेन में सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों विमानों को बम से उड़ाने की धमकी भरे मैसेज काफी आ रहे हैं। जो बाद में महज एक अफवाह साबित होते हैं लेकिन इन फर्जी धमकियों की वजह से यात्रियों से लेकर एयरपोर्ट अधिकारी तक परेशान होते हैं। ऐसे में अब इन धमकियों को लेकर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने बड़ा फैसला लिया है। बीसीएएस डीजी जुल्फिकार हसन ने मंगलवार को कहा कि ऐसी घटनाओं की बढ़ती संख्या ने एजेंसी को इस मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और ऐसी झूठी धमकियां देने वाले को पांच साल के लिए नो फ्लाई सूची (पांच सालों तक वो हवाई जहाज में सफर नहीं कर सकेगा) में डाल दिया जाएगा। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के डीजी जुल्फिकार हसन ने बताया कि मंगलवार को भी बड़ी संख्या में हवाई अड्डों पर विस्फोटक छिपाए जाने की धमकी भरे संदेश मिले। हालांकि जब उन सभी विमानों की जांच की गई तो वो सभी फर्जी निकले। झूठी अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देशभर में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। डीजी जुल्फिकार हसन ने बताया कि अन्य मामलों की भी जांच जारी है।

सऊदी में गर्मी से एक हफ्ते में 577 हज यात्रियों की मौत

इनमें सबसे ज्यादा 323 मिस्र के, सऊदी के मक्का में तापमान 52 डिग्री पहुंचा

मक्का (एजेंसी)। सऊदी अरब के मक्का में गर्मी के कारण 12 जून से 19 जून के बीच 577 हज यात्रियों की मौत हुई है। पिछले साल यह आंकड़ा 240 था। 17 जून को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, मरने वालों में 323 नागरिक मिस्र के और 60 जॉर्डन के हैं। इसके अलावा ईरान, इंडोनेशिया और सेनेगल के हज यात्रियों की भी मौत हुई है। इनमें कोई भारतीय है या नहीं, यह साफ नहीं हो पाया है। सऊदी के 2 डिप्लोमैट्स ने बताया कि ज्यादातर मौतें गर्मी की वजह से बीमार पड़ने के चलते हुई हैं। मिस्र के विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा कि वे सऊदी के अधिकारियों के साथ मिलकर लापता लोगों को खोजने के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। सऊदी अरब ने बताया कि गर्मी की वजह से बीमार हुए करीब 2 हजार हज यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। 17 जून को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का में जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है। यहां हर 10 साल में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है। इससे पहले पिछले साल हज पर गए 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। सऊदी ने सभी यात्रियों को छाते इस्तेमाल करने की सलाह दी है। इसके अलावा उन्हें लगातार पानी पीने और धूप से बचने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि माउंट अराफात की इबादत के साथ हज के ज्यादातर रिवाज दिन में किए जाते हैं। इसके लिए हज यात्रियों को लंबे समय तक बाहर धूप में रहना पड़ता है। हज यात्रियों ने बताया कि हज के दौरान अक्सर उन्हें सड़क के किनारे बीमार यात्री नजर आते हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी होती है। हज के रास्ते पर लगातार एंबुलेंस का जमावड़ा लगा रहता है। इस साल करीब 18 लाख हज यात्री हज के लिए पहुंचे हैं। इनमें से 16 लाख लोग दूसरे देशों के हैं। हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं। मरने वालों में मिस्र के यात्रियों की तादाद ज्यादा है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अनंत महाराज के घर का दौरा किया

कोलकाता,एजेन्सी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को कूचबिहार के बोरोगिला गांव में भाजपा के राज्यसभा सांसद नागेन रॉय उर्फ अनंत महाराज के आवास पर पहुंचीं। ममता ने दौरे के बाद पत्रकारों से बात नहीं की। रॉय ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया।

रॉय ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा, मुख्यमंत्री मेरे घर आईं और मुझे एक शॉल भेंट की। वह मेरा घर देखकर अभिभूत थीं। हमने राजनीति या हाल के चुनावों पर चर्चा नहीं की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी। हालांकि, राजनीतिक दिग्गजों ने कहा कि रॉय ने कई बार खेमा बदला। 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रॉय से मुलाकात की, जो असम में एक नए कूचबिहार राज्य की मांग कर रहे ग्रेटर कूचबिहार पीपुल्स एसोसिएशन (जीसीपीए) के एक गुट के प्रमुख हैं। लेकिन चुनावों के बाद, रॉय ने तृणमूल का

साथ दिया और ममता को राजबंशी नेता चिला रॉय की जयंती पर आमंत्रित किया।

हालांकि, रॉय और तृणमूल के बीच दूरियां बढ़ गईं। पिछले साल उन्हें भाजपा ने राज्यसभा में सांसद के तौर पर मनोनीत किया था। तृणमूल के एक नेता ने दावा किया, पिछले कुछ महीनों में रॉय ने भगवा खेमे से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कूचबिहार को अलग राज्य बनाने की अपनी मांग को न मानने पर भाजपा के करीबी लोगों से निराशा जताई। लोकसभा चुनाव से पहले रॉय पार्टी के प्रचार में शामिल होने के बजाय घर पर ही रहे। उनके गुट के जीसीपीए समर्थक भाजपा के बड़े-बड़े प्रचार से दूर रहे और अपने समर्थकों को यह नहीं बताया कि किसे वोट देना है। एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा, यही एक कारण है कि भाजपा यहां हार गई। कूचबिहार में राजबंशी आबादी का करीब 40 फीसदी हिस्सा हैं और वे बड़े पैमाने पर चुनाव परिणाम तय करते हैं। पर्यवेक्षक ने कहा, सीताई में विधानसभा उपचुनाव होगा क्योंकि यहां के विधायक सांसद बन गए हैं। तृणमूल के लिए राजबंशी समर्थन होना बहुत जरूरी है। ममता का दौरा महत्वपूर्ण है।

भाजपा के बारे में रॉय ने मंगलवार को कहा, पार्टी ने मुझे राज्यसभा भेजा है और मैं अपना कार्यकाल पूरा करूंगा। लेकिन अब तक भाजपा नेताओं ने मुझे जिला पार्टी कार्यालय में कभी नहीं बुलाया। इसके बजाय, कुछ लोगों ने मेरे बारे में अपमानजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, मैं भाजपा में कभी सक्रिय नहीं था और मैंने जीसीपीए का प्रतिनिधित्व किया। रंगापानी स्टेशन के पास कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए सोमवार शाम को सिलीगुड़ी पहुंची ममता उसी रात कूचबिहार आईं। मंगलवार की सुबह उन्होंने टीएमसी नेताओं जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, कूचबिहार के नए टीएमसी सांसद उदयन गुहा, एनबी विकास मंत्री और पार्टी के जिला प्रमुख अविजित दे भौमिक से मुलाकात की। कूचबिहार में भाजपा के पास छह विधानसभा सीटें और टीएमसी के पास तीन सीटें हैं। पार्टी के एक नेता ने कहा, उन्होंने हमें साथ मिलकर काम करने और 2026 में जिले की सभी नौ विधानसभा सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। रॉय का दौरा करने से पहले ममता ने मदनमोहन मंदिर परिसर में पूजा भी की। उन्होंने कहा, मैंने मां, माटी, मानुष की भलाई के लिए पूजा की।

'होलोंग बंगले' में लगी आग, कोई हताहत नहीं

कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में स्थित प्रसिद्ध 'होलोंग बंगले' में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान के अंदर स्थित लोकप्रिय पर्यटन 'होलोंग बंगले' में मंगलवार की रात करीब नौ बजे आग लगी। घटना में किसी केहताहत होने की कोई खबर नहीं है। मुख्य वन्यजीव वार्डन देबल रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग बुझाने के लिए दो दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया है। घटना में कितनी संपत्ति को नुकसान हुआ, इसका फिलहाल पता नहीं चला है।रॉय ने कहा, जांच के बाद आग लगने के कारणों का पता लग सकेगा....हमें आस-पास के क्षेत्र में वन्यजीवों के घायल होने, मरने या तत्काल खतरे की कोई सूचना नहीं मिली है।

रंगापानी और चत्तरहाट स्टेशनों के बीच दुर्घटना प्रभावित पटरियों पर ट्रेनें वापस लौटीं

कोलकाता,एजेन्सी। दार्जिलिंग जिले के रंगपानी और चत्तरहाट स्टेशनों के बीच डाउन ट्रैक पर रेलवे यातायात मंगलवार सुबह फिर से शुरू हो गया। यह घटना एक मालगाड़ी के अगरतला-सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराने के 23 घंटे बाद हुई थी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7.30 बजे ट्रैक यातायात के लिए तैयार हो गया था। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया, पहली यात्री ट्रेन सुबह 10.42 बजे डाउन ट्रैक से गुजरी। अप लाइन पर यातायात कल शाम करीब 5.40 बजे फिर से शुरू हुआ था। हालाँकि, दुर्घटना-ग्रस्त ट्रैक को बहाल कर दिया गया था, लेकिन ट्रेनें धीमी गति से चल रही थीं। इसलिए, एनएफआर ने मंगलवार को पांच ट्रेनें रद्द कर दीं। वे एनजेपी और हावड़ा के बीच अप और डाउन शताब्दी एक्सप्रेस, सिलीगुड़ी जंक्शन और कटिहार के बीच अप और डाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस और सिलीगुड़ी-जोगबनी इंटरसिटी एक्सप्रेस हैं। एनएफआर के सूत्रों ने बताया कि बुधवार को उत्तर बंगाल और पूर्वोत्तर को जोड़ने वाली तीन और ट्रेनें रद्द कर दी गईं। डे ने कहा, पूर्वोत्तर से आने वाली दो लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है और एक राजधानी एक्सप्रेस सहित तीन अन्य ट्रेनों को एनजेपी-सिलीगुड़ी जंक्शन-अलुआबारी रोड मार्ग से भेजा गया है।

कांग्रेस ने बागदा और रायगंज में उम्मीदवार उतारे, दो सीटें माकपा के लिए छोड़ी

कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस ने मंगलवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज और उत्तर 24 परगना जिले के बागदा में 10 जुलाई को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी ने रायगंज से मोहित सेनगुप्ता को मैदान में उतारा है, जिन्होंने 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीती थी। बागदा में कांग्रेस ने अशोक हलधर को टिकट दिया है। कांग्रेस ने राज्य की शेष दो विधानसभा सीटों कोलकाता के मानिकतला और नादिया जिले के राणाघाट दक्षिण में होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है, जिससे ये सीटें उसकी सहयोगी माकपा के लिए छोड़ दी गई हैं।अब बागदा में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा, कांग्रेस और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा। रायगंज में मुकाबला तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और कांग्रेस के बीच है। मानिकतला और राणाघाट दक्षिण में भी तृणमूल, भाजपा और माकपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा।हालिया लोकसभा चुनावों के विधानसभावार परिणामों के अनुसार, जहां भाजपा रायगंज, बागदा और राणाघाट दक्षिण में मामूली रूप से आगे है, वहीं तृणमूल मानिकतला में थोड़ी आगे है।

गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट से कहा- केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं

कोलकाता,एजेन्सी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय को सूचित किया कि यदि स्थिति की मांग होती है तो पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाए जाने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के आरोपों के मद्देनजर। न्यायालय ने केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वे याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए चुनाव के बाद हुई हिंसा के आरोपों के बाद स्थिति का आकलन करें और 21 जून को अगली सुनवाई पर इनसे संबंधित सभी प्रासंगिक तथ्यों का खुलासा करें।

जिस ट्रेन को करते थे इतना पसंद उसी में गुजरा जिंदगी का आखिरी पल, कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे के बाद घर लौटा सफेद कपड़े में कफन

कोलकाता। कोलकाता के फूलबगान इलाके के शिवकृष्ण दां लेन के रहने वाले शंकर मोहन दास को कंचनजंघा एक्सप्रेस से विशेष लगाव था। रेलवे मेल सर्विसेज के कर्मचारी शंकर को यह ट्रेन इतनी पसंद थी कि वे इसी में ड्यूटी करना पसंद करते थे। परिवार के सदस्यों व परिचितों को अगर उत्तर बंगाल जाना होता था तो वे कंचनजंघा एक्सप्रेस से सफर करने की सलाह देते थे। शंकर मोहन को क्या पता था कि जिस ट्रेन को वे इतना पसंद करते हैं, उसी में उनकी जिंदगी का आखिरी सफर होने जा रहा है।

सफेद कपड़े में लिपटा शव पहुंचा घर

कंचनजंघा ट्रेन हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, शंकर मोहन उनमें से एक हैं। मंगलवार दोपहर जब सफेद कपड़े में लिपटा उनका शव घर पहुंचा तो पूरा मोहल्ला गमगीन हो उठा। स्वजनों ने बताया कि शंकर मोहन को ड्यूटी के बाबत लगभग हर सप्ताह जलपाईगुड़ी जाना पड़ता था।

सोमवार सुबह वे कंचनजंघा एक्सप्रेस से कोलकाता लौट रहे थे। वे ट्रेन के पार्सल वैन में

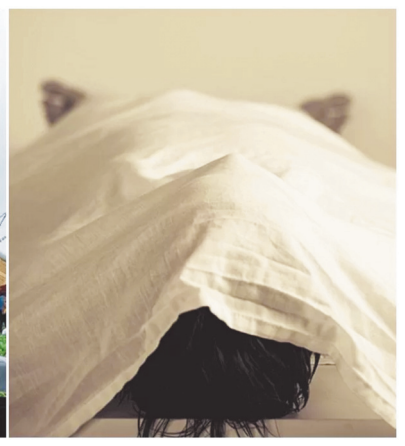

सवार थे। ट्रेन में चढ़ने के बाद उन्होंने घरवालों से फोन पर बातचीत की थी। उसके कुछ देर बाद ही हादसा हो गया। हादसे की खबर मिलने पर घरवालों ने उनसे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन विफल रहे। इसके बाद शंकर मोहन का छोटा बेटा सिलीगुड़ी पहुंचा और उत्तर बंगाल मेडिकल कालेज अस्पताल जाकर पिता के शव की शिनाख्त की। शंकर मोहन का शव लेकर कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम कोलकाता स्थित उनके घर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि शव को घर पहुंचाने के लिए रेलवे की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई। उनका कोई अधिकारी भी साथ में नहीं आया। राज्य सरकार के प्रयास से शव को लाया गया है।

दुर्घटना पर रेलवे अधिकारी का दावा, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल की की थी अनदेखी

कोलकाता,एजेन्सी। पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने दावा किया कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल की अनदेखी की, जिसके कारण कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना हुई। कौशिक मित्रा ने कहा, प्रथम दृष्ट्या कारण यह है कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल की अनदेखी की...उसे (लोको पायलट) दिन के समय सिग्नल पर एक मिनट के लिए रुकने का आदेश दिया गया था और उसे 10 या 15 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ना था, लेकिन वह 10 किमी प्रति घंटे की गति से आगे नहीं बढ़ रहा था...रेलवे सुरक्षा आयोग द्वारा जांच के बाद और कारण सामने आएंगे। सोमवार को सुबह 8.55 बजे उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस में 10 लोगों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में हुई। उल्लेखनीय है कि दुर्घटना के समय कंचनजंगा एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री ने मालगाड़ी के लोको पायलट और सह-लोको पायलट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

चिन्मय मजूमदार नामक यात्री ने अपनी शिकायत में बताया कि जब ट्रेन चल रही थी, तब अचानक झटका महसूस हुआ, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उसे चोटें आई हैं और कुछ सह-यात्रियों को भी गंभीर चोटें आई हैं। शिकायत में आगे कहा गया है, ट्रेन से उतरने के बाद उसने पाया कि एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके बाद मालगाड़ी का इंजन सहित कुछ हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना लोको पायलट और सह-लोको पायलट की जल्दबाजी और लापरवाही के कारण हुई। दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे की कथित लापरवाही को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला था, जबकि भारतीय जनता पार्टी के राज्य प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है। मजूमदार ने सोमवार को एएनआई से बात करते हुए कहा, यह राजनीति का समय नहीं है... एक सीएम होने के नाते, ममता बनर्जी का दावा है कि उन्होंने टक्कर रोधी उपकरण पेश किया है, जो पूरी तरह से हास्यास्पद है...

उन्होंने कहा, रेलवे विभाग ने सभी घायलों को 50,000 रुपये नकद दिए हैं और गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख रुपये दिए गए हैं... रेल मंत्री इतने मेहनती हैं कि हर बार जब ऐसी कोई घटना होती है, तो वे दुर्घटना स्थल का दौरा करते हैं... सोमवार को बनर्जी ने रेलवे के प्रति कथित लापरवाही को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे केवल वंदे भारत ट्रेनों के प्रचार में लगे हुए हैं। मैंने बहुत सी चीजें शुरू कीं, लेकिन वे केवल वंदे भारत ट्रेनों का प्रचार कर रहे हैं। दुरंतो एक्सप्रेस बंगाल में ट्रेन दुर्घटना मानवीय भूल या सिग्नल की विफलता थी कहां है? राजधानी एक्सप्रेस के बाद, दुरंतो सबसे तेज ट्रेन थी। चुनाव के समय, वे वंदे भारत का उद्घाटन करते हैं। यह काम नहीं करता है। आज, पूरा रेलवे विभाग सरकार की लापरवाही और लापरवाही का सामना कर रहा है। उन्हें उचित देखभाल करनी चाहिए, बनर्जी ने सोमवार को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि केंद्र सरकार मंत्रालय को पर्याप्त महत्व नहीं देती है और विभाग केवल परियोजनाओं के उद्घाटन के समय ही दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा था, अब, रेल विभाग केवल नाम के लिए ही मौजूद है। उन्होंने रेल बजट को खत्म कर दिया है। हालांकि मंत्रालय मौजूद है, लेकिन इसके बारे में पहले की आभा नष्ट हो गई है। रेलवे अभिभावकहीन हो गया है। आप रेलवे को केवल उद्घाटन के समय ही देख सकते हैं। (एएनआई)

विदेशों से कोलकाता में चोरी-छिपे हो रही थी सेमी कंडक्टरों की तस्करी, सीमा शुल्क विभाग ने किया पर्दाफाश

कोलकाता। विदेशों से कोलकाता में सेमी कंडक्टरों की तस्करी का सीमा शुल्क विभाग ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हुई हैं। मालूम हो कि सेमी कंडक्टरों का मुख्य रूप से इलेक्ट्रानिक चीजों के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है।

जांच में पता चला है कि कुल 210 करोड़ रुपये मूल्य के सेमी कंडक्टर कोलकाता में अवैध तरीके से मंगवाए गए, इसके एवज में करीब 100 बैंक खातों के माध्यम से रुपये विदेश भेजे गए। सीमा शुल्क विभाग के सूत्रों ने बताया कि जांच में पता चला है कि चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया व सिंगापुर से इसकी तस्करी हो रही थी।

राजभवन ने बंगाल सरकार पर लगाया राज्यपाल के निर्देशों की अनदेखी करने का आरोप, बनर्जी सरकार ने अब तक नहीं दिया कोई जवाब

कोलकाता,एजेन्सी। राजभवन और राज्य सचिवालय के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के उस पत्र पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिसमें उन्होंने कोलकाता पुलिस कर्मियों को सुरक्षा ड्यूटी से हटाने के लिए कहा है। राज्यपाल कार्यालय से मिले निर्देशों के संबंध में कोलकाता पुलिस की ओर से भी अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 14 जून को

राज्यपाल कार्यालय ने राजभवन में ड्यूटी पर तैनात कोलकाता पुलिस कर्मियों को तत्काल बदलने की मांग की थी। ऐसा विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के इस आरोप के मद्देनजर किया गया था कि पुलिस उन्हें और चुनाव बाद की हिंसा के पीड़ितों को बोस से मिलने नहीं दे रही है। राज्य सचिवालय से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर बोस ने 17 जून को नबान्न को एक पत्र भेजकर सरकार से राजभवन की सुरक्षा ड्यूटी से कोलकाता पुलिस को हटाने का अनुरोध किया। राजभवन सूत्रों ने बताया कि 17 जून को राज्यपाल के कर्मचारियों द्वारा राज्यपाल भवन परिसर में स्थित पुलिस चौकी पर उनके कब्जे वाले कमरों को खाली करने का नोटिस देने का प्रयास किया गया था। हालांकि, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को यह नोटिस नहीं मिला। इस बीच, उसी दोपहर बोस शहर से निकलकर दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। राजभवन के कर्मचारी बोस से अगले निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वहीं सत्ता के गलियारे में यह आशंका व्याप्त है कि आने वाले दिनों में राज्यपाल भवन और राज्य सचिवालय के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

ममता बनर्जी ने कहा- रेलवे बर्बाद और अभिभावकविहीन हो गया

कोलकाता,एजेन्सी। ममता बनर्जी ने सोमवार को दार्जिलिंग जिले में ट्रेन दुर्घटना की पृष्ठभूमि में नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार यात्रियों की सुरक्षा से ज्यादा रेलवे की दिखावटी परियोजनाओं पर ध्यान दे रही है। मुझे नहीं पता कि इस देश में क्या हो रहा है। अगर प्रशासन इतना लापरवाह है, तो इतनी परेशानी है... पूरा रेल विभाग (केंद्र) सरकार की लापरवाही का सामना कर रहा है, बंगाल की मुख्यमंत्री, जो सात बार सांसद रह चुकी हैं और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए और यूपीए ढुढु दोनों सरकारों के दौरान कई बार रेल मंत्री रह चुकी हैं, ने कहा। कोई अलग (रेलवे) बजट नहीं है। रेल मंत्रालय अभी भी मौजूद है। लेकिन रेलवे के अतीत के मधुरज्यो (सुंदरता या आकर्षण, या सुंदरता) ने इसे बर्बाद कर दिया है। रेलवे पूरी तरह से माता-पिताविहीन हो गया है, उन्होंने दोपहर में उत्तर बंगाल के लिए रवाना होते हुए कलकत्ता हवाई अड्डे पर कहा, सुबह 9 बजे से बचाव, राहत और बहाली कार्यों की दूर से निगरानी करने के बाद। अब आप रेलवे को केवल उद्घाटन के समय ही देख सकते हैं। इतने सारे मुद्दे, इतनी सारी बातें कही गईं... शब्दों को सुंदर बनाना, जैसे यह एक फैशन हो। लेकिन वे यात्री सुविधाओं का ध्यान नहीं रखते... केवल किराया बढ़ा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की

अध्यक्ष ने भगवा सरकार पर हर चीज पर चुनावी कदाचार को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, यह सरकार केवल चुनावों के बारे में इतने सारे उपाय करने के लिए सावधान है। हैकिंग कैसे करें... हेरफेर करें, चुनाव में धांधली करें... देश कहां जाएगा? क्या यह मजाक नहीं है? ममता ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें शासन के लिए अधिक समय देना चाहिए, न कि बयानबाजी के लिए। लोगों को आजकल रेलवे के बजाय बाइक या साइकिल का विकल्प चुनना पड़ता है। रेलवे को क्या हो गया है? ममता ने कलकत्ता और उत्तर बंगाल के लिए हवाई संपर्क कम होने पर भी केंद्र पर हमला किया और एंटी-कोलिजन सिस्टम के उचित कार्यान्वयन पर कथित रूप से टालमटोल करने पर जवाब मांगा, जो इस तरह की दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम कर सकता है। बार-बार दुर्घटनाएं... पुरी (बहानागा, पिछले साल जून में) के पास हुई एक दुर्घटना, मैं वहां गई थी। उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत सारे लावारिस, अज्ञात शव हैं, शायद वे एक ही बार में उनका अंतिम संस्कार कर देंगे, उन्होंने उस टक्कर का जिक्र किया जिसमें लगभग 300 लोगों की जान चली गई थी और 1,200 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

दुर्घटनाएँ हमेशा हो सकती हैं। कोई भी दुर्घटना को नियंत्रित नहीं कर सकता, यह एक तथ्य है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि मैंने अपने समय में टक्कर रोधी उपकरण तैयार किए थे। मेट्रो रेलवे से लेकर वंदे भारत तक... सब कुछ मेरे समय की नकल की जा रही है। कोई सुविधा नहीं, कोई सुरक्षा नहीं, किराया बढ़ रहा है, मुख्यमंत्री ने कहा। यह जगह एक काला धब्बा है। गैसल त्रासदी (1999 की) यहाँ से बहुत दूर नहीं हुई थी। आज यह और भी बुरा हो सकता था।

उन्होंने रेल भवन के शीर्ष पर अपने कार्यकाल में किए गए कुछ महत्वपूर्ण उन्नयन या बुनियादी ढाँचे के विकास पर विस्तार से बात की, जैसे सिग्नलिंग सिस्टम को उन्नत करना, टक्कर रोधी उपकरण (एसीडी) शुरू करना और पूरे भारत में सैकड़ों मानव रहित क्रॉसिंग को मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग में बदलना। तृणमूल प्रमुख ने सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनबीएमसीएच) के बाहर कहा, मेरे कार्यकाल में हमने प्रौद्योगिकी, दूरसंचार प्रणाली को उन्नत किया और एसीडी के उपयोग को अपनाया। वास्तव में, मैं व्यक्तिगत रूप से मडगांव गई थी और कोंकण रेलवे के अधिकारियों से मिली थी, जहां इन एसीडी के लिए परीक्षण किए गए थे। उन्होंने कहा, रेलवे में ये सभी उन्नयन मेरे समय, पिछली सरकारों के प्रयासों के कारण हुए हैं... वे उन्हें अलग-अलग नामों से बुलाना चाहते हैं... यह उनका मामला है। पहले लोगों को बचाओ, फिर बड़े-बड़े दावे करो... अब जो कुछ भी उद्घाटन किया गया है, कुछ भी नया नहीं है, सब कुछ रेलवे के लिए मेरे विजन 2020 का हिस्सा था, मैंने हर चीज के लिए धन निर्धारित किया था। उन्होंने कलकत्ता में यह स्पष्ट कर दिया था कि वह न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास घटनास्थल पर नहीं जा रही हैं, क्योंकि उनके निर्देशों और निगरानी में प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक बचाव, राहत और बहाली अभियान पहले ही शुरू कर दिए गए थे। तब तक रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रंगापानी में दुर्घटना स्थल का दौरा कर चुके थे। वैष्णव ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित लोगों से मुलाकात की और इस बात की सराहना की कि कैसे सभी ने त्वरित बचाव और बहाली के लिए एक साथ काम किया। उन्होंने कहा, जांच शुरू हो गई है, सभी डेटा पॉइंट, सभी डेटा लॉग की जांच की जा रही है। जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करना अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। ममता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहे जाने पर उन्होंने कहा- यह राजनीति का समय नहीं है। अब पूरा ध्यान बचाव और बहाली पर होना चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। मैं इस पर बाद में विस्तार से बात करूंगा, रेल मंत्री ने कहा।

उत्पाद विभाग की टीम पर शराब माफियाओं ने किया हमला

बांका, एजेंसी। बांका के फुल्लीडूमर थाना क्षेत्र में छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर मंगलवार की देर रात शराब माफियाओं ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में उत्पाद विभाग के 4 पुलिसकर्मी की जख्मी हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं उत्पाद विभाग के वाहन चालक को गंभीर अवस्था में भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना के बाद बांका डीएसपी विपिन बिहारी पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचकर जायजा ले रहे हैं। कुल उत्पाद विभाग के 10 पुलिसकर्मी छापेमारी में गए हुए थे। इस हमले में उत्पाद विभाग का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

हमले में पेड़ से टकराया वाहन

जानकारी के अनुसार बांका के फुल्लीडूमर थाना क्षेत्र अंतर्गत भितिया गांव के गोरायडीह गांव में उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर शराब को लेकर छापेमारी करने के लिए करीब 10 की संख्या में उत्पाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। छापेमारी के दौरान अचानक का शराब माफियाओं ने उत्पाद विभाग की टीम पर ईंट-पत्थर से हमला करने लगा।

भागने के क्रम में गोबरदहा गांव के पास शराब माफियाओं के झुंड ने उत्पाद विभाग टीम के वाहनों के आगे रास्ता ब्लॉक करते हुए फिर से हमला कर दिया। इसी दौरान चालक सुनील कुमार यादव को पत्थर लगने के बाद उत्पाद विभाग का वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। जिसमें वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

इस हमले में पांच उत्पाद विभाग टीम के पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। सभी को गंभीर अवस्था में बांका सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर सौरभ कुमार सुमन ने इलाज के बाद चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।

5 पुलिसकर्मी जख्मी

छापेमारी का नेतृत्व कर रहे एसआई गौरी शंकर ने बताया कि छापेमारी दल में कुल 10 पुलिसकर्मी शामिल थे। जिसमें से 4 पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं । जिसमें एसआई गौरी शंकर एवं सिपाही शिल्पा कुमारी,आरती और चंदन कुमार का इलाज सदर अस्पताल बांका में चल रहा है ।

छापेमारी के दौरान किया हमला

बांका डीएसपी विपिन बिहारी ने बताया कि शराब को लेकर उत्पाद विभाग की टीम छापेमारी करने के लिए गई हुई थी। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग के टीम पर हमला किया गया। जिसमें से उत्पाद विभाग के जवान जख्मी हुए हैं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं हमला करने वाले आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस उक्त गांव में छापेमारी कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दरभंगा ने रेस्ट ऑफ सेंटर जोन को हराया

दरभंगा, एजेंसी। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से भागलपुर सैंडिस कंपाउंड स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय रणधीर वर्मा अंतरजिला सुपर लीग अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को भासवान की शतकीय पारी की बदौलत दरभंगा ने रेस्ट ऑफ सेंटर जोन को 17 रनों से पराजित कर दिया। इस जीत के साथ दरभंगा ने छह महत्वपूर्ण अंक प्राप्त कर लिए। दूसरे दिन के खेल में दरभंगा की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 90 ओवरों में नौ विकेट के नुकसान पर 350 रनों का स्कोर खड़ा किया। भासवान ने 109 रन, अभिषेक ने 96 रन और जयशंकर ने नाबाद 50 रनों का योगदान दिया।

संक्षिप्त समाचार

केवीके में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन का किया गया सीधा प्रसारण

दरभंगा/जाले, एजेंसी। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त के तहत नौ करोड़ 26 लाख लाभार्थी किसानों के बैंक अकाउंट में 20 हजार करोड़ रुपए के सीधा ट्रांसफर और कृषि-पैरा विस्तार कार्यकर्ता के रूप में कृषि सखियों के प्रमाणीकरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम के संदर्भ की जानकारी देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. दिव्यांशु शेखर ने बताया कि इस मौके पर किसानों को अच्छी कृषि पद्धतियों, कृषि क्षेत्र में नई उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु अनुकूल कृषि आदि के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि कृषि सखियों को कृषि पैरा-विस्तार कार्यकर्ताओं के रूप में इसलिए चुना गया है, क्योंकि वे विश्वसनीय सामुदायिक संसाधन व्यक्ति और अनुभवी किसान होते हैं। कृषि सखियों को पहले से ही विभिन्न कृषि पद्धतियों में व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त है, जिससे वे साथी किसानों को प्रभावी ढंग से सहायता और मार्गदर्शन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वाराणसी में आयोजित उक्त कार्यक्रम का जाले प्रखंड प्रखंड की एक सौ से अधिक जीविका दीदियों एवं किसानों ने सीधा प्रसारण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। मौके पर उपस्थित जीविका दीदियों और किसानों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यक्रम से हम लोगों को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसके अलावा स्थानीय कृषि वैज्ञानिकों की ओर से भी हम लोगों को कई महत्पवूर्ण जानकारियां मिली हैं। आने वाले दिनों में हमें इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केविके में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होते रहने से किसानों को काफी फायदा होता है।

एसी कोच में जनरल टिकट लेकर सफर करने वाले 11 पकड़े गए

छपरा, एजेंसी। जनरल टिकट लेकर व एमएसटी बनवाकर अगर आप अपनी सहूलियत के लिए किसी भी ट्रेन के एसी कोच में चल रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट एस रामकृष्णन के निर्देश पर ट्रेनों की जांच की जा रही है। आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त मुकेश पवार के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। भारी संख्या में आरपीएफ के पदाधिकारी व जवानों को टीम में रखा गया है। मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन के थर्ड एसी से 11 लोगों को मंगलवार को पकड़ा गया। हटिया से गोरखपुर जा रही ट्रेन में ये लोग एसी कोच में सफर कर रहे थे जबकि एक दर्जन से अधिक के लोगों को महिला कोच में सफर करते हुए पकड़ा गया। छपरा जंक्शन पर सभी का टिकट जुर्माना के साथ बनाया गया। आरपीएफ के छपरा पोस्ट इंचार्ज मुकेश कुमार सिंह ने टीम के साथ छपरा जंक्शन से गुजरने वाली बिहार संपर्क क्रांति, सुपरफास्ट वैशाली एक्सप्रेस व सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों के एसी कोच की जांच कर रहे हैं। इस अभियान से एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों में हड़कंप मच गया है। टीम में सब इंस्पेक्टर विशाल, एएसआई आदित्य प्रकाश सिंह, और कई आरपीएफ व आरपीएसएफ के जवान शामिल थे। इसके अलावा अपराधियों की धर-पकड़ को लेकर भी प्लेटफार्म और रेल ट्रैकों पर पेट्रोलिंग की जा रही है।

वकील दोहरे हत्याकांड में परिजनों ने गिरफ्तारी के लिए एसपी से लगाई गुहार

छपरा , एजेंसी। शहर से सटे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव में गत दिनों वकील दोहरे हत्याकांड के मुख्य मुख्य? अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज परिजन व गांव के लोगों ने मंगलवार को एसपी से मिलकर गुहार लगाई है। हत्या के सात दिनों बाद भी मुख्य आरोपी पकड़ से बाहर हैं। थानाध्यक्ष पर आरोप लगाया गया है कि अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गयी। दर्जनों की संख्या में पहुंचे परिजन एसपी कुमार आशीष से मिले व मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी की मांग की। एसपी कुमार आशीष ने सुरक्षा में एक गार्ड देने के साथ जल्द ही मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी को लेकर आश्वस्त किया। मालूम हो कि हत्यारे खुलेआम धमकी देते हुए अंजाम भुगत लेने की सोशल मीडिया पर स्टोरी व स्टेट्स लगा रहा है। मृतक की पुत्री शिल्पी कुमारी ने बताया कि मेरे पापा व मेरे भाई की पिछले बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गयी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है ।

बीमा भारती रुपौली से लड़ेंगी उपचुनाव:राजद सुप्रीमो लालू ने दिया सिंबल, पप्पू यादव चाहते हैं कांग्रेस लड़े

पटना, एजेंसी। पूर्णिया की रुपौली विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में पूर्व विधायक बीमा भारती ने दावा ठोका है। मंगलवार सुबह बीमा भारती राबड़ी आवास पहुंचीं। उनके साथ पति अवधेश मंडल भी थे। दोनों ने लालू यादव से मुलाकात की। इस दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने बीमा भारती को सिंबल दिया। राबड़ी आवास के बाहर बीमा भारती ने कहा कि इस सीट से मैं ही चुनाव लड़ूंगी।

मंगलवार की रात सोशल मीडिया पर लालू प्रसाद के साथ सिंबल लिए फोटो शेयर करते हुए बीमा भारती ने लिखा- राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह समेत महागठबंधन के सभी वरिष्ठ नेताओं का ह्रदय से आभार व्यक्त करती हूं। इससे पहले बीमा भारती ने साफ कर दिया था कि रुपौली विधानसभा सीट से वो हीं चुनाव लड़ेंगी। बता दें कि वो 5 बार विधायक रह चुकी हैं। इधर, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के हस्तक्षेप के बाद दिलचस्प हो गया है। पप्पू यादव चाहते हैं कि यह सीट कांग्रेस को मिले। वहीं इस सीट पर सीपीआई की भी दावेदारी है। ऐसे में अब यहां महागठबंधन में कई तरह के पेंच दिख रहे हैं। इधर, जदयू ने यहां से कलाधर मंडल को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। बता दें कि रुपौली में नामांकन का अंतिम दिन 21 जून है। यहां उपचुनाव 10 जुलाई को होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले बीमा भारती ने दिया था इस्तीफा

रुपौली से जेडीयू की विधायक थीं बीमा भारती, जिन्होंने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इस्तीफा दिया और लालू यादव से मिले राजद के टिकट पर पूर्णिया संसदीय सीट से चुनाव लड़ा। फरवरी 2024 में जदयू विधायक बीमा भारती नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट के दिन सदन में देर से पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने फ्लोर टेस्ट में हिस्सा तो लिया, लेकिन उनके बागी होने की कोशिश का राज पहले ही खुल गया था। बीमा भारती अपने पति अवधेश मंडल के साथ पूर्णिया के रुपौली वापस लौट रही थीं।

तभी मोकामा पुलिस ने उनके पति अवधेश मंडल को गिरफ्तार कर लिया। वे बीमा भारती के साथ जा रहे थे। आरोप लगा कि अवधेश मंडल की गाड़ी में बिना लाइसेंस के हथियार थे। नीतीश सरकार की मंत्री लेसी सिंह से बीमा भारती की नाराजगी पहले से ही रही है। वे लेसी सिंह पर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। उसी समय से जेडीयू के साथ बीमा भारती के संबंध अच्छे नहीं है। वह आरजेडी के संपर्क में थी। आगे वह आरजेडी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ी और हार गई।

चुनाव में हार-जीत लगी रहती है- बीमा भारती

राबड़ी आवास से निकलने के बाद मीडिया से बात करते हुए बीमा भारती ने पूर्णिया लोकसभा में हुई अपनी हार पर कहा कि लोकसभा-विधानसभा में जमीन आसमान का अंतर होता है। समय बहुत कम मिला था। लोगों को संशय हो गया था। इस वजह से ज्यादा वोट दूसरे को मिला। हार-जीत तो लगी रहती है। उन्होंने दो टूक कहा कि चुनाव हम लड़ेंगे। किसी तरह की दिक्कत नहीं है। लालू प्रसाद से आशीर्वाद मिल गया है।

देश को विकसित करने में किसानों का विकास जरूरी : गिरिराज

मोतिहारी, एजेंसी। पिछले लोकसभा चुनाव में देशभर में संविधान बदलने के नाम पर अफवाह फैलाकर सनातनियों को कमजोर करने का काम किया गया। देश को विकसित करने में किसानों का विकास जरूरी है। उक्त बातें केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने स्थानीय केविके परिसर स्थित अटल सभागार में पीएम मोदी द्वारा बनारस से पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के नौ करोड़ 36 लाख लाभुक किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये का ट्रांसफर कार्यक्रम के सीधा प्रसारण कार्यक्रम के अवसर पर अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसानों की हितैषी है। जिसने अपने विगत 10 साल के कार्यकाल में सवा तीन लाख करोड़ रुपये किसानों के खाते में दिया है। मक्का का एमएसपी आठ रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये करने का काम किया है। किसानों को केसीसी के मामले में सात लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये करने का काम किया है। मोदी सरकार ने पंडित दीनदयाल के सपनों को पूरा किया है। कहा कि आप सभी जिस स्थान पर हैं वह आज कृषि धाम बन गया। यह सब देखकर मुझे अफसोस है कि मैं भी मोतिहारी का किसान होता। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम राजीव गांधी कहते थे कि मैं एक रुपया भेजता हूं तो नीचे तक मात्र 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं जबकि मोदी के कार्यकाल में सीधे लाभुकों के खाते सौ फीसदी राशि पहुंचती है।अध्यक्षता कर रहे पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि गांव, गरीब और किसान का विकास नरेंद्र मोदी की पहली प्राथमिकता है। आज सत्रहवीं क़िस्त में इस जिले के चार लाख 44 हजार 495 किसानों के खाते में 91.46 करोड़ सीधा उनके खाते में डाले जाएंगे। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह, कुलपति डा पीएस पांडेय, विधायक प्रमोद कुमार, श्यामबाबू यादव व केविके प्रमुख डा अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

वेतन निर्धारण के लिए समिति का गठन:कुलपति समेत अफसरों का होगा वेतन निर्धारण

मांगा गया पेंशन अभिलेख

दरभंगा, एजेंसी। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में कुलपति, वित्तीय सलाहकार और वित्त पदाधिकारी आदि के वेतन निर्धारण को लेकर शिक्षकों की एक समिति गठित की गई है। समिति की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय अपने पदाधिकारियों के वेतन का निर्धारण करेगा। पूर्व कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह से भी उनके लंबित वेतन के भुगतान के लिए 7वें वेतन आयोग के तहत निर्धारित पेंशन का अभिलेख मांगा गया है। इसके आलोक में समिति उनका वेतन निर्धारण कर भुगतान के संबंध में अनुशंसा करेगी। कुलसचिव डॉ. अजय कुमार पंडित के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के मुताबिक वित्त पदाधिकारी राज कुमार रंजन के संयोजन में गठित समिति में वरिष्ठ संकायाध्यक्ष प्रो. एके बच्चन, दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. एचके सिंह और अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. विजय कुमार यादव को सदस्य नामित किया गया है। उप कुलसचिव द्वितीय डॉ. दिव्या रानी हंसदा समिति को सहयोग करेगी। पेंशन भुगतान आदेश

विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएं कुलसचिव ने पूर्व कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह को विगत 15 जून को लिखे पत्र में कहा है कि वह अपना 7वें वेतन आयोग के तहत निर्धारित पेंशन भुगतान आदेश विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएं। जिससे कि उनका लंबित वेतन और अन्य भत्ते के शीघ्र भुगतान पर विचार किया जा सके। जबतक ऐसा नहीं किया जा सकता है, तब तक विश्वविद्यालय राज्य सरकार और राजभवन के 14 दिसंबर 2023 की अधिसूचना के अनुसार ही काम करेगा। राज्य सरकार और राजभवन दोनों ने विश्वविद्यालय को आदेश दिया था कि पदाधिकारियों को उनके वेतन का भुगतान यदि सेवानिवृत हैं तो पेंशन की राशि में से वेतन की राशि घटाकर भुगतान किया जाए। वित्तीय सलाहकार डॉ. दिलीप कुमार की सलाह पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. सुरेन्द्र प्रताप के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी थी। लाख प्रयास के बाद भी उनके विरमित होने तक लंबित भुगतान संभव नहीं हो सका। हालांकि कि वित्त सलाहकार और वित्त पदाधिकारी आदि का भी वेतन इसी चपेटे में आ गया था। अब विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन सभी मामलों के निष्पादन के लिए समिति का गठन किया है।

जाले बवाल मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

मधुबनी /लहेरियासराय , एजेंसी। मधुबनी लोस चुनाव के दौरान जाले के देवरा बंधौली के एक बूथ पर फर्जी मतदान करने के आरोप में चार आरोपितों की गिरफ्तारी की गयी थी। इसके बाद जाले थाने पर हंगामा कर चारों को पुलिस हिरासत से जबरन छुड़ा लिया गया था। इस मामले में आरोपितों की ओर से कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गयी थी। प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश ने मंगलवार को याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने इन सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर 18 जून तक रोक लगा रखी थी। सभी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद उन्हें खारिज कर दिया गया। इस मामले में फर्जी तरीके से वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर पंक्ति में खड़े लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर जाले थाने में कांड दर्ज किया गया। जाले थाने की हाजत से आरोपितों को जबरन छुड़ाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इस केस के 21 आरोपितों की गिरफ्तारी पर गत सप्ताह रोक लगाई गई थी जो मंगलवार के आदेश से हट गयी। न्यायालय ने जाले थाना कांड सख्या 103/2024 के अभियुक्त परवेज आलम के पुत्र सनाउल्लाह, मो. हसन की पुत्री सादिया शेख और मो. इजहार की पुत्री जनत परवीन की अग्रिम जमानत याचिका और जाले थाना कांड सख्या 104/24 में इन तीनों की अग्रिम जमानत याचिका संख्या 691/24 को खारिज कर दिया। वहीं, जाले थाना कांड 104/24 के अभियुक्त मो. इफ्तेखार, मो. अली, मो. सफिउल्लाह, मो. शादाब, मो. करनैन आलम, खादिम हुसैन, मुजर्तबा उर्फ आरजू, तपसिर इमाम उर्फ रिजवी, तारिक अनवर, मो. हुसैन, इबादुल्ला फैजी, मो. रियाज हुसैन, सैफुद्दीन, मो. जुबैर, मो. उमैर, जावेद इकबाल आरसी उर्फ आरसी इकबाल, फैसल अशरफ उर्फ मो. फैसल व निसार कुरैशी की अग्रिम जमानत याचिका संख्या 692/24 को भी खारिज कर दिया गया। पीपी नसरुद्दीन हैदर ने जमानत याचिका पर बहस करते हुए कहा कि अभियुक्त जमानत पाने के योग्य नहीं हैं।

लू लगने से किसान समेत दो लोगों की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के दो अलगङ्गअलग थाना क्षेत्रों में मंगलवार को लू लगने से दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव में लू-लगने के कारण एक युवा किसान की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। मृत किसान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव वासी स्व. दरोगा राय के 30 वर्षीय पुत्र राम दयाल यादव है। पेशे से किसान थे।

खेत में काम करने के दौरान तबीयत खराब

मृतक के छोटे भाई गोकुल राय ने बताया कि मंगलवार की सुबह खेत पटाने गए थे। जहां उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन इलाज के लिए आरा अस्पताल ले गए। जहां आरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाया। पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक युवा किसान की मौत लू-लगने के कारण हुई। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जाता है कि मृतक अपने छह भाई में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी चंचल देवी, दो पुत्री चांदनी, जूही और एक पुत्र आर्यन है।

तगादा करने गए बुजुर्ग की मौत

चौरी थाना क्षेत्र के चौरी गांव में मंगलवार को लू-लगने से पैसे का तगादा करने गए बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग चौरी थाना क्षेत्र के चौरी गांव वार्ड नंबर-12 निवासी स्व. गुलजार राम के 60 वर्ष के पुत्र लक्ष्मण राम हैं। पेशे से मवेशी खरीद-बिक्री का काम करते थे।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

मृतक बुजुर्ग के बेटे सुमेर राम ने बताया कि वह अंधारी गांव में पैसे का तगादा करने के गए थे। जहां पर वह अचानक गिर पड़े। जिससे उनकी मौत हो गई। लोगों ने सूचना उनके परिजन और स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना और परिजन पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक बुजुर्ग की मौत लू-लगने के कारण हुई। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी मुअना देवी व दो पुत्र सुमेर राम संतोष राम और एक पुत्री मुटुर देवी है।

मधुबनी मास्टर स्पोर्टिंग क्लब ने सेंट पीटर्स हिंदी मिडियम स्कूल को 11 रनों से हराया

पूर्णिया, एजेंसी। निः शुल्क डॉ एपीजे अब्दुल कलाम अंडर 14 आयु वर्ग समर ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता स्थानीय जिला स्कूल स्टेडियम खेल मैदान परिसर पूर्णिया में खेली जा रही है। मंगलवार को मधुबनी मास्टर स्पोर्टिंग क्लब बनाम सेंट पीटर्स हिन्दी मिडियम स्कूल के बीच मुकाबला खेला गया। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम अंडर 14 आयु वर्ग समर ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन जाने माने खेल प्रेमी व समाजसेवी रवि भूषण झा ने फीता काट कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विधिवत उद्घाटन की। बिहार अंडर 16 चयन समिति पूर्व सदस्य व पूर्व चेयरमैन ईस्ट जोन हरिओम झा ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी के खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ अपने देश के महान सपूत से परिचित करना और उनके द्वारा देश के लिए किए गए महान कार्य को बताना ही हम सबों का मुख्य उद्देश्य है। सेंट पीटर्स हिन्दी मीडियम स्कूल के कप्तान कृष ने टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मधुबनी मास्टर स्पोर्टिंग क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में आल आउट होकर 126 रन ही बना सकी। जिसमें यश कुमार ने 21 गेंदों में 4 चौके की मदद से 21 रन , कृष्ण नारायण ने 10 गेंदों में 2 चौके की मदद से 13 रन , प्रतीक ने 14 गेंदों 1 चौके की मदद से 14 रन एवं रौनक कुमार ने 19 गेंदों में 1 चौके की मदद से 10 रन का योगदान अपने क्लब के लिए दिया। सेंट पीटर्स हिन्दी मीडियम स्कूल की ओर से गेंदबाजी करते कप्तान कृष ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट प्राप्त किया।सेंट पीटर्स हिन्दी मीडियम स्कूल जीत के लिए 127 रनों का पीछा करते हुए 20 ओवर आल आउट 115 रन ही बना सकी। मधुबनी मास्टर स्पोर्टिंग क्लब ने यह मुकाबला 11 रनों से जीत हासिल कर ली।

नीरा यादव ने झुमरी तिलैया नगर परिषद में समस्याओं को लेकर की समीक्षात्मक बैठक

स्ट्रीट लाइट, नाली सफाई, सड़क, कचरा उठाव को लेकर आवश्यक की बैठक

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया बुधवार को नगर परिषद झुमरी तिलैया के कार्यालय में स्ट्रीट लाइट, नाली सफाई, सड़क निर्माण, कचरा उठाव, पार्क के रख रखाव, निर्मित शौचालय के रख रखाव को लेकर आवश्यक समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से कोडरमा विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री झारखंड सरकार डॉ नीरा यादव के साथ अधिकारी नगर प्रशासक हर्ष वर्धन, नगर प्रबंधक अरविंद बर्नवाल, सतीश कुमार, कनीय अभियंता दीपक कुमार, यादव लाल महतो, सफाई निरीक्षक राजू राम सहित अन्य कर्मी एवं अन्य स्थानीय उपस्थित थे। विधायक ने सारे समीक्षा के दौरान पूछे जाने पर कचरा उठाव की 11 गाड़ी उपयोग में होने की बात पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने कहा फिर कचरा उठाव तरीके से क्यों नहीं हो रहा है। सीएच स्कूल के पास हाइ मास्ट लाइट लगने के सात माह पश्चात भी अभी तक स्टार्ट क्यों नहीं हुआ। वहीं जिम खाने के कई समान टूटे जाने की शिकायत मिली । नीरा यादव ने कहा स्टेशन रोड़ को वन वे साथ जाम से निजात के लिए व्यवस्था दुरुस्त करे । केसरिया चौक से रघुराम जी के घर तक नाली सफाई करे, स्ट्रीट लाइटो को दुरुस्त

करें और उसके रख रखाव वाले संवेदक की जमानत राशि को जब्त करते हुए उनपर नियम संगत कार्यवाई करे। जिसपर विभाग द्वारा लगे 3500 स्ट्रीट लाइट में मात्र 1243 संख्या के चालू रहने की बात स्वीकारी गई। इसपर विधायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए लाइट प्रभारी सिटी मैनेजर सतीश कुमार को फटकार लगाते हुए तीन दिनों में सुधार करने की चेतावनी दी । प्रशासक द्वारा फंड की कमी बताए जाने पर विधायक ने अपने फंड को देने की बात कही। उन्होंने कहा झुमरी तिलैया नगर हमारी शान है, इसका जिक्र प्रधानमंत्री भी प्रशंसा के साथ कर चुके हैं, इसीलिए इसमें व्यवस्था दुरुस्त करना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशासक को कहा आप रोस्टर बना कर 28 वार्ड में एक एक कर्मी को नियुक्त करे और नियमित कचरा उठाव एवं नाली सफाई का काम करना आवश्यक समझें । पेयजलापूर्ति नहीं होने पर पानी की किल्लत वाले वार्डों में टैंकर से पानी देने का काम सुनिश्चित करें । विधायक ने कहा लोगन की शिकायतों के अनुसार ताराटांड़, पचीसिया गली, वार्ड 26 सावित्री नगर की नालियों की सफाई करें । रोड मैप तैयार कर रोस्टर के अनुसार व्यवस्था दुरुस्त रखें। नरेश नगर में पानी की सुविधा देने की बात कही। ब्लॉक मैदान स्थित पार्क में शौचालय को तुरंत दुरुस्त करने की हिदायत दिया। नगर प्रशासक ने विधायक को बताया कि जाम से निजात के लिए तीन वेंडिंग जोन बनाने की पहल की जा रही है । स्ट्रीट लाइट संवेदक पर कार्यवाई करने एवं उसके जगह पर दूसरे व्यवस्था पर विचार करने की बात कहे। प्रशासक द्वारा विधायक द्वारा कई अनुशंसित योजनाओं में शेष के जल्द निविदाएं निकालने की भी बात कहे गए । सारे सवालों के जवाब में प्रशासक ने विधायक को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी हरेक आदेशों का पूर्ण रूपेण पालन करने की कोशिश की जाएगी। मौके पर अधिकारियों के अलावे विशाल सिंह नीलू, अनुराग सिंह, मनीष पांडे, बलराम यादव, सबिता देवी, शंभू पासवान, बिनोद कुमार, रेखा भदानी, रीता लोहानी, दिनेश सिंह, सीमांत प्रसाद, बेबी देवी, संतोषी देवी, सोनू चंद्रवंशी, संजीव यादव, सुदीप्तो घोष आदि उपस्थित थे ।

निर्जला एकादशी पर श्री श्याम मित्र मंडल ने ज्योत के साथ किया भजनों का कार्यक्रम

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया – श्री श्याम मित्र मंडल का साप्ताहिक कीर्तन स्थानीय संकट मोचन मंदिर असनाबाद में निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर जोत के साथ बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया,साथ ही इत्र की वर्षा की गई। भक्तों द्वारा 56 भोग लगाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री गणेश वंदना से हुई कार्यक्रम का संचालन गिरधारी सोमानी ने किया। इस अवसर पर धीरज पांडे,साक्षी भदानी,संगीता जेठवा,अनुराधा,राजा चौरसिया,मनोज लड्ढा,दीपक बसंत,तन्मय लड्ढा आदि भक्तों ने मधुर भजन गाकर उपस्थित भक्त जनों को भाव विभोर कर दिया। इस कार्यक्रम में विवेक सहल,दीपेश जेठवा,बृजमोहन महेश्वरी,विष्णु खटोर,विमल पच्चीसिया,सुरेश पच्चीसिया,मनोज चौधरी,संजय सूद, संतोष सिंदुरिया,नीतिश गुप्ता,प्रमोद जयसवाल,श्याम चौधरी,पंकज तरवे, मंटू गुप्ता,रत्नेश जयसवाल,प्रवीण पटेल,रवि लोहानी,राजेंद्र वर्मा,अनिल लखपतिया,रंजीत श्रीवास्तव,जितेंद्र मालाकार,दिनेश कापसीमें के साथ-साथ शोभा खटोड़,मीना पटेल, सुधा पच्चीसिया,बबीता कापसीमें, रश्मि पच्चीसिया के अलावा काफी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। कीर्तन के अंत में उपस्थित सारे भक्त जनों के बीच आइसक्रीम का आनंद लिया गया।

आमजनों को उचित दर पर मिले बालू :-सईद नसीम

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा में बालू को लेकर आमजनों की समस्याओं के समाधान की दिशा में राज्य सरकार, जिला प्रशासन, स्थानीय सांसद और विधायक की कोई ठोस पहल नही देखने को मिल रहा है जिसके कारण कई दिनों से आमजनों को बालू की खरीदारी संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।पिछले कई दिनों से बालू की कमी और महंगी दर पर इसके बिकने की लगातार आम जनो की शिकायत आ रही है। उक्त बातें कांग्रेस नेता सईद नसीम ने कहा कि आम लोगों तक आसानी से बालू की उपलब्धता सुनिश्चित करने का मकसद वर्तमान राज्य सरकार व जिला प्रशासन की है। विभागीय उदासीनता के कारण शौचालय व गरीबों को मिले आबूवा आवास योजना के लाभुकों के साथ साथ आम जनों के लिए निर्माण में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है उठाव पर रोक होने से बालू की कालाबाज़ारी जगजाहिर है। ऊंचे मूल्य पर बालू खरीदी व बेची जा रही है। जिसका खामियाजा आमजनों को ऊंची कीमत पर बालू खरीद कर चुकानी पड़ रही है में समझता हूं कि खान व भूतत्व विभाग के अधिकारियों को बालू की समस्या पर काफी गंभीरता के साथ विचार- विमर्श की आवश्यकता है। साथ ही नसीम ने जिला प्रशासन एंव स्थानीय सांसद, विधायक से आग्रह पूर्वक कहा है की बालू की समस्या को दूर करने के लिए उचित व्यवस्था कराई जाय ताकि आमजन को उचित मूल्य पर बालू मिल सके आम जनता को राहत महसूस हो।

राहुल गांधी का 54 वॉ जन्मदिन मनाया गया

जननायक युवाओं के शान है सांसद राहुल गांधी- भागीरथ

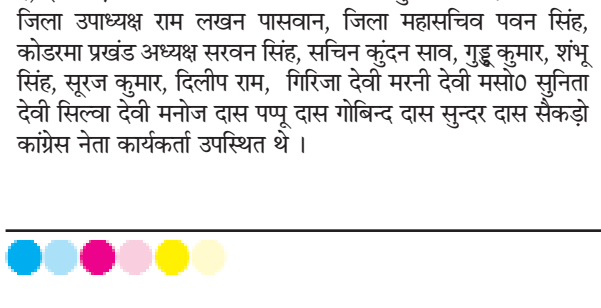

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान के नेतृत्व में कोडरमा प्रखंड के पथलडीहा पंचायत के दलित टोला में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सह वर्तमान सांसद राहुल गांधी का 54 वॉ. जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के के साथ मनाया गया है। उक्त कार्यक्रम में पार्टी नेता कार्यकर्ता गरीब जरुरतमंद के बीच फल, बिस्कुट, ब्रेड एवं गर्मी को देखते हुए तरल जूस वितरित किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष लीलावती मेहता मौजूद थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान ने कहा कि भारत के छठे प्रधानमंत्री स्वर्गीय भारत रत्न राजीव गांधी के पुत्र राहुल गांधी जी का 54 वॉ. जन्मदिन आज हम कांग्रेस जनो मना रहे हैं। आज ही के दिन यानी 19 जून 1970 में दिल्ली के एक निजी अस्पताल में राहुल गांधी जी का उनका जन्म हुआ था। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के जननायक राहुल गांधी युवाओं की शान है। वही जन्मदिन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लीलावती मेहता ने कहा कि कि आज राहुल गांधी जरूर पूरे देश में है जिस तरह देश में बेरोजगारी छाया हुआ है आम आदमी त्रस्त हैं, इसलिए कांग्रेस पार्टी की सरकार बनना बहुत जरूरी है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष राम लखन पासवान, जिला महासचिव पवन सिंह, कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष सरवन सिंह, सचिन कुंदन साव, गुड्डू कुमार, शंभू सिंह, सूरज कुमार, दिलीप राम, गिरिजा देवी मरनी देवी मसो0 सुनिता देवी सिल्वा देवी मनोज दास पप्पू दास गोबिन्द दास सुन्दर दास सैकड़ो कांग्रेस नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

ऑक्सब्रिज इंग्लिश क्लासेस झुमरी तिलैया के प्रांगण में किया गया नए बच्चों का स्वागत

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया – ऑक्सब्रिज इंग्लिश क्लासेस में हर बार की तरह नये बच्चों (473)के स्वागत के लिए फ्रेसर पार्टी का आयोजन बैच (472)के द्वारा किया गया। बच्चों ने बहुत ही शानदार तरीके से प्रोग्राम का आयोजन किया।कार्यक्रम में अर्चना कुमारी,कुमारी रिया रानी,अंतरा सिंह, सुमित कुमार,अंजना कुमारी,मनीष कुमार यादव एवं कुमार अभिनव ने मंच संचालन का कार्य भार शानदार तरीके से संभाला । कार्यक्रम में बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर एवं स्वागत गीत गाकर किया गया। सभी नए बच्चों ने एक-एक करके अपना अपना परिचय कुछ हंसाने वाले शब्दों के साथ दिए जिसने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। इसी कार्यक्रम मे संजना कुमारी एवं सममा प्रवीण ने ग्रुप सॉग,अदिति राज,आकृति राज ने ग्रुप डांस,अंशु कुमारी ने सोलो डांस, लक्ष्मी कुमारी ने सोलो डांस,सुचित्रा राणा ने सोलो डांस एवं नीतू बरनवाल ने सोलो सॉन्ग परफॉर्म किया। सभी नए बच्चों ने रैंप वॉक किया इस दौरान सभी बच्चों का आत्मविश्वास झलक कर सामने आया।सभी बच्चों ने अपने-अपने तरीके से रैंप वॉक किये। इसके बाद सभी बच्चों से कुछ सवाल पूछे गए। बच्चों ने बहुत ही सुझ - बुझ से जवाब दिए। इसके उपरांत, बच्चों के प्रदर्शन को देखते हुए जिन बच्चों ने बहुत ही बेहतरीन प्रदर्शन किया।उनमें मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर का खिताब दिया गया। इस कार्यक्रम में मिस फ्रेसर रहीं संजना कुमारी और मिस्टर फ्रेशर रहे कुणाल सक्सैना । इन दोनों बच्चों को ऑक्सब्रिज के संचालक सौरभ कुमार के द्वारा ताज पहनाया गया और पुरस्कृत किया गया। उसके बाद दूसरे बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए ऑक्सब्रिज के संचालक ने कहा हार नहीं मानना चाहिए चाहे वह काम पढ़ने लिखने का हो खेलकूद का या किसी भी क्षेत्र का हो हमेशा लगातार काम करते रहना चाहिए । इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए ऑक्सब्रिज की टीम मेंबर राज वर्मा,कस्तूरी भारद्वाज एवं प्रिया कुमारी ने अपना सहयोग दिया और इस तरह से कार्यक्रम को संपन्न किया गया।

अबुआ आवास योजना एवं अन्य विकास योजना की समीक्षा बैठक

रांची एक्सप्रेस संवाददाता जयनगर में प्रखण्ड प्रमुख अंजू देवी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में प्रखंड जयनगर अंतर्गत निम्न 12 पंचायत कटहाडीह, खरियोडीह,सतडीहा, नईटांड़ पिपचो, कटिया ,तेतरौन , तमाय, योगियाटिल्हा, तिलोकरी, रुपायडीह एवं करियावां ग्राम पंचायत में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं,15वें वित्त आयोग ,अबुआ आवास योजना एवं अन्य विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। विदित हो कि शेष 11 पंचायत की समीक्षा कल दिनांक 18-11-2023 को आयोजित की गई थी।

पंचायत में चल रही योजनाओं में पारदर्शिता एवं जनप्रतिनिधियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने के लिए ? बैठक में संबंधित पंचायत के पंचायत सचिव, मुखिया के अलावे पंचायत समिति सदस्य भी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रमुख अंजू देवी ने कहा कि झारखण्ड सरकार महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे अबुआ आवास योजना एवं सर्वजन पेंशन योजना आदि को लेकर काफी गंभीर है एवं निकट भविष्य में महिला सशक्तिकरण को लेकर अब 25 वर्ष से 49 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जा रही है। ऐसे में हम सभी जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ सरकार की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने में

अपनी भूमिका निभानी चाहिए ताकि जनता को सुलभता से योजनाओं लाभ मिल सके। प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव समाप्ति के बाद अब विकास को गति प्रदान करने के लिए सभी विभाग के कर्मियों को लगातार निदेशित किया जा रहा है एवं लगातार योजनाओं की समीक्षा की जा रही है अतः ऐसे में कर्मियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता होने पर कार्य की गति और तीव्र होगी और जनहितकारी योजनाएं धरातल पर उतर पाएंगी। बैठक में मुख्य रूप से प्रमुख अंजू देवी, उप प्रमुख राज नारायण सिंह, मुखिया गणपत यादव, सीमा कुमारी, सविता देवी, पंचायत समिति सदस्य बाजो दास, धनेशवर राणा , बाबू खान पंचायत सचिव शिवकुमार यादव, शिवानी कुमारी, रंजीत राणा, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी बिरेंद्र कुमार, प्रखंड समन्वयक रवि कुमार, विवेक कुमार सहित 12 पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जननायक राहुल गांधी का सदर अस्पताल में मरीजों के साथ मनाया जन्मदिन

हज़ारीबाग़ – भारतीय राजनीति के गौरवशाली परम्परा का निर्वहन कर रहे देश के लिए समर्पित, दिल में सेवा भाव,जिगर में तूफान, हथेली पर जान लेकर समर्पित भाव से काम कर रहे काँग्रेस नेता ,युवा हृदय सम्राट राहुल गांधी जी का 54 वा जन्म दिवस महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज नारायण भगत के अध्यक्षता में शेख बिहारी सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फल बिस्कुट बॉट कर मनाया । इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने राहुल गांधी के दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की कामना की । राहुल गांधी का जन्मदिन कांग्रेस ने मनाया । भारतीय राजनीति के गौरवशाली परम्परा का निर्वहन कर रहे देश के लिए समर्पित, दिल में सेवा भाव,जिगर में तूफान, हथेली पर जान लेकर समर्पित भाव से काम कर रहे काँग्रेस नेता ,युवा हृदय सम्राट राहुल गांधी का जन्म दिवस महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज नारायण भगत के अध्यक्षता में शेख भीखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हज़ारीबाग़ में मरीजों के बीच फल बिस्कुट बाट कर मनाया ।

युवा वर्ग को मादक पदार्थ के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता- उपायुक्त

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में मादक पदार्थों के रोक-थाम हेतु जागरूकता अभियान आयोजित करने को लेकर प्रेस वार्ता किया गया। उपायुक्त ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 19 जून से 26 जून 2024 तक नशा मुक्ति को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों का दुरुपयोग को कम करने, इसके व्यपार मे संलिप्त तस्करों तथा उपयोकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कानूनी कारवाई के साथ-साथ समाज को, विशेषकर किशोर तथा युवा वर्ग को इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम जिले में भी संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में

पत्रकार बंधुओं की भूमिका भी अहम है। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु संदेश लोगों तक पहुँचाना भी हमारा उद्देश्य है। उपायुक्त महोदया ने मादक पदार्थों के खिलाफ सभी विभागों एवं एजेन्सियों को आपसी समन्वय बनाकर जागरूकता अभियान संचालित करने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी इस महा अभियान का हिस्सा बनें। मादक पदार्थों के रोक-थाम हेतु जागरूकता लाने में सभी की सहभागिता अति आवश्यक है। समाज कल्याण, जनसम्पर्क कार्यालय जेएसएलपीएस की महिला संगठनों, पंचायती राज संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं समेत अन्य विभागों को अपने-अपने स्तर से कार्यक्रम आयोजित करें। साथ ही विभिन्न स्थानों पर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चला कर लोगों विशेष कर युवाओं को नशा के दुष्प्रभाव से अवगत कराना होगा, ताकि एक स्वास्थ्य समाज का निर्माण हो सके। मानव श्रृंखला /साईकिल रैली/चौपाल/नुक्कड़ नाटक/ मैराथन के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूक किया जाएगा उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि जागरूकता अभियान के दौरान ग्राम स्तर पर चौपाल आयोजित करने, जिला व प्रखंड स्तर पर कार्यशाला, विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जिसमें बाजार-हाट आदि में नुक्कड़ नाटक, जागरूकता कार्यक्रम सहित विद्यालय स्तर पर क्विज व निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, साइकिल रैली, शपथ पाठ आदि गतिविधियां संचालित की जाएगी। जिला में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को लेकर समुदाय एवं समाज को नशा मुक्त करने पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा। डोर टू डोर के दौरान ग्रामीणों को मादक पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभाव के विषय पर जागरूक किया जाएगा। सभी प्रखंड स्तर पर मानव श्रृंखला एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। मादक पदार्थों के वितरण एवं उपभोग से संबंधित हॉट स्पॉट पर सघन छापेमारी अभियान चलाया जायेगा। प्रेस वार्ता के दौरान डीएसपी दिवाकर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम , डीपीएम जेएसएलपीएस जेवियर एक्का, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत पत्रकारगण मौजूद रहे।

उपचुनाव: महाराष्ट्र-हरियाणा में सपा को सीटें देंगे, तभी यूपी में कांग्रेस के दावे पर विचार

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस-सपा का गठबंधन महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव पर निर्भर करेगा। अगर कांग्रेस इन दो राज्यों में सपा को सीट देने के लिए तैयार हुई, तभी सपा यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के किसी दावे पर विचार करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधानसभा सदस्य अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं ।सपा के चार विधायकों अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, लालजी वर्मा और जियाउर रहमान बर्क की सीटें उनके लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हो गई हैं। अखिलेश यादव वर्ष

2022 का विधानसभा चुनाव करहल, अवधेश प्रसाद मिल्कीपुर, लालजी वर्मा कटेहरी और जियाउर रहमान कुंदरकी से जीते थे। खैर से भाजपा विधायक अनूप प्रधान वाल्मीकि, गाजियाबाद से अतुल गर्ग और फूलपुर से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल के भी लोकसभा सदस्य चुने जाने से अब यह स्थान खाली हो गए हैं। मझवा (मिर्जापुर) से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद और मीरापुर से रालोद के विधायक चंदन चौहान भी अब सांसद हो गए हैं। इस तरह से शीघ्र ही चुनाव आयोग इन 10 रिक्त सीटों पर चुनाव कराएगा। कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत सपा से विधानसभा उपचुनाव में भी साझेदारी चाह रही है। हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा को सीट न दिए जाने से दोनों दलों के बीच रिश्तों में काफी खटास आ गई थी। इस साल अक्तूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। सपा सूत्रों का कहना है कि अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी को कुछ सीटें देने पर रजामंद हुई, तभी यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस को कोई सीट देने पर विचार किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में चुनाव जीतती रही है सपा

यहां बता दें कि महाराष्ट्र में वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में सपा के दो विधायक जीते थे। इससे पहले भी सपा वहां चुनाव जीतती रही है। इसी आधार पर सपा ने महाराष्ट्र में दावा करने का फैसला किया है।

हरियाणा की कई सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी- वहीं, हरियाणा की 20 सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी है, जिसे सपा अपने पक्ष में मानती है। इस बारे में सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, लेकिन उपचुनाव में सीटों के मामले में कोई भी निर्णय समय आने पर सपा नेतृत्व ही लेगा।

केजीएमयू: महंगी जांचों का 10 साल के लिए फिर दे दिया ठेका, कई जांचें निजी अस्पतालों से भी ज्यादा महंगी

, लखनऊ, एजेंसी। केजीएमयू में मरीजों को एक बार फिर महंगी जांचों का डोज दिया गया है। विवि में बिना टेंडर पीपीपी मॉडल पर दस साल से जांच करने वाली फर्म का ठेका 10 सालों के लिए बढ़ा दिया गया। इसके लिए न तो कोई टेंडर निकाला गया और न ही जांच दरों का परीक्षण किया गया। केजीएमयू एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां करीब साढ़े चार हजार बेड पर भर्ती की

व्यवस्था है। रोजाना छह से आठ हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। इस तरह रोजाना करीब पांच हजार मरीजों की खून संबंधी जांच करनी होती है। केजीएमयू के पास खुद की काफी मशीनें हैं। इसके बावजूद वर्ष 2015 में मशीन और बजट की कमी बताते हुए निजी फर्म को पीपीपी मॉडल पर जांच के लिए नियुक्त किया गया। केजीएमयू और एजेंसी के बीच करार के अनुसार मरीजों से मिलने वाली टेस्ट फीस में दोनों का हिस्सा बराबर-बराबर था। फर्म 50 फीसदी राशि लेकर ही मुनाफा कमा रही है।

मेरठ साउथ तक दौड़ने लगी नमो भारत

पीएम मोदी और सीएम योगी दिखा सकते हैं हरी झंडी, सात दिन में कर सकेंगे सफर

मेरठ , एजेंसी। यात्रीगण कृपया ध्यान दें, नमो भारत ट्रेन मेरठ साउथ (भूड़बराल) से चलकर मोदीनगर नॉर्थ के लिए रवाना हो रही है ...दरवाजों से सटकर न खड़े हों, अगला स्टेशन मोदीनगर साउथ है...परतापुर तिराहे के पास मेरठ साउथ स्टेशन पर ऐसा उद्घोष सुनाई देने लगा है। साहिबाबाद से मोदीनगर नॉर्थ तक ट्रेन का रोज सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक संचालन हो रहा है। ट्रेन मोदीनगर में यात्रियों को उतारकर मेरठ साउथ स्टेशन तक दौड़ रही है।

हर पंद्रह मिनट में मेरठ साउथ से साहिबाबाद तक ट्रेन चल रही है। लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन को 24 जून से चलाने की तैयारी है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाने आ सकते हैं। इसके बाद टिकट लेकर कीजिए अपनी नमो भारत ट्रेन में सफर। मेरठ साउथ स्टेशन बनकर तैयार हो चुका है। यह स्टेशन मेरठ के बॉर्डर पर है, जिसके चलते मोहिउद्दीनपुर, भूड़बराल, बहादुर, अमीनगर, छज्जुपूर, खरखौदा और कादराबाद समेत आसपास के अन्य इलाकों में रहने वाले लोगों समेत मेरठ से दिल्ली के बीच सफर करने वाले आठ लाख लोगों को इस ट्रेन का फायदा मिलने जा रहा है। रैपिड ट्रेन के चलने से मेरठ-गाजियाबाद और दिल्ली के बीच कारोबार बढ़ने के आसार हैं। ट्रेन के रूटों पर आने वाली प्रॉपर्टी के दामों में भी इजाफा होना तय है। एनसीआरटीसी की ओर से रैपिड कॉरिडोर के दिल्ली रोड और रुड़की रोड का जोनल प्लान का डिमांड सर्वे हो चुका है। अब इसे लागू करने की तैयारी है। मेरठ मेट्रो कॉरिडोर की लंबाई 23 किमी है, जिसमें 18 किमी का हिस्सा एलिवेटेड है और 5 किमी का सेक्शन भूमिगत है। मेरठ में कुल 13 स्टेशन हैं, जिनमें से 9 स्टेशन एलिवेटेड और 3 स्टेशन भूमिगत स्टेशन हैं। एक स्टेशन (डिपो स्टेशन) ग्राउंड लेवल पर होगा। अभी मेरठ नॉर्थ से साहिबाबाद तक नमो भारत ट्रेन हर पंद्रह मिनट में दौड़ रही है। नमो भारत जहां छह कोच की है तो वहीं मेट्रो तीन कोच की ट्रेन है।

चार स्टेशन पर रुकेगी रैपिड

नमो भारत रैपिड ट्रेन मेरठ साउथ, शताब्दीनगर, बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशनों पर रुकेगी। इन चार स्टेशनों के अलावा अन्य स्टेशनों पर सिर्फ मेट्रो सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। ऐसे में लोग लोग अपनी सुविधानुसार ट्रेन आगे जाने के लिए अपनी ट्रेन बदल सकेंगे। कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी मेट्रो की ओर से मेरठ साउथ तक ट्रेन संचालन के लिए हाल ही में एनसीआरटीसी को प्रमाणपत्र दिया जा चुका है।

शॉपिंग, खान-पान और बैंकिंग की मिलेगी सुविधा

मेरठ साउथ मेरठ का पहला स्टेशन होगा जहां रैपिड व मेट्रो दोनों की सेवा मिलेंगी। रैपिड के लिए दो ट्रैक व मेट्रो के लिए एक ट्रैक बनाया गया है। तीन ट्रैक और तीन ही प्लेटफार्म हैं। इसमें ग्राउंड, मैजनीन, कॉनकोर्स और प्लेटफार्म कुल तीन लेवल हैं। इस स्टेशन की लंबाई करीब 215 मीटर और चौड़ाई 36 मीटर व ऊंचाई 22 मीटर है। 13 हजार वर्ग मीटर में दो पार्किंग बनाई गई हैं। इनमें 1200 चौपहिया व दुपहिया वाहन खड़ा कर सकेंगे। इसमें भूतल पर पार्किंग के बाद ऊपरी तल पर पहुंचा जा सकता है। स्टेशन प्रभारी सिद्धार्थ कुमार सिंह, इंजीनियरिंग एसोसिएट्स श्रीकांत साहू व अवर अभियंता रितेश सोलंकी ने बताया कि पीडी (पब्लिक डेवलपमेंट) के तहत रेस्तरां, खानपान, आउटलेट्स, शॉपिंग आउटलेट्स, बैंकों और कार्यालयों जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थान रखा गया है। इसके ऊपरी तलब पर कॉनकोर्स क्षेत्र है जहां यात्री टिकट लेंगे और सामान की जांच होगी फिर सबसे ऊपर पहुंचकर ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे। इसके लिए तेजी से कार्य चल रहा है।

मेरठ में मेट्रो के स्टेशन और स्टॉपेज- मेरठ साउथ (एलिवेटेड), परतापुर (एलिवेटेड), रिठानी (एलिवेटेड), शताब्दी नगर (एलिवेटेड), ब्रह्मपुरी (एलिवेटेड), मेरठ सेंट्रल (भूमिगत), भैसाली (भूमिगत), बेगमपुल (भूमिगत), एमईएस कॉलोनी (एलिवेटेड), डौरली (एलिवेटेड), मेरठ नॉर्थ (एलिवेटेड), मोदीपुरम (एलिवेटेड) और मोदीपुरम डिपो (धरातल पर)। अभी आरआरटीएस का संचालन मोदीनगर नॉर्थ तक 34 किमी. में हो रहा है, मेरठ साउथ तक संचालन होते ही आठ किमी. का क्षेत्र और बढ़ जाएगा।

दो तरफ से होगा स्टेशन में प्रवेश- साउथ स्टेशन के दो प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। सीढ़ियों के साथ एस्केलेटर और लिफ्ट चालू हो गई हैं। टिकट लेने के बाद मेटल डिटेक्टर से सामान चेक किए जाने के बाद आपको कॉरिडोर में प्रवेश दिया जाएगा। यहां से तीसरी मंजिल पर जाकर आपको ट्रैक पर नमो भारत खड़ी मिलेगी। स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा रहेगी। यूपीएसएसफ जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षाकर्मियों की चेकिंग के बाद ही स्टेशन पर प्रवेश किया जा सकेगा।

सौ रुपये में पहुंच जाएंगे साहिबाबाद- अभी मोदीनगर नॉर्थ से साहिबाबाद तक ट्रेन का किराया साधारण 90 रुपये व प्रीमियम श्रेणी में 180 रुपये है। मेरठ साउथ से साहिबाबाद तक किराया साधारण श्रेणी में 100 रुपये व प्रीमियम श्रेणी में 200 रुपये होगा। महज आधे घंटे में ही यह सफर पूरा हो जाएगा। ट्रेन में न्यूनतम किराया 20 रुपये है। यानी अगर आप रैपिड में सफर का मजा लेना चाहते हैं तो 20 रुपये का टिकट लेकर साउथ स्टेशन से मोदीनगर तक जा सकते हैं।

एप डाउनलोड कर ऑनलाइन बुक कर सकते हैं टिकट

स्टेशन प्रभारी सिद्धार्थ कुमार सिंह व अवर अभियंता रितेश सोलंकी का कहना है कि 'आरआरटीएस कनेक्ट' एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड कर टिकट बुक कर सकते हैं। इसमें रूट के साथ ही किराए व यात्रा की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा यूपीआई, गूगल पे आदि डिजिटल मोड में भी टिकट की धनराशि का भुगतान किया जा सकता है।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय पर सुन्दरकांड एवं विशाल भंडारे का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के गोमतीनगर स्थित कार्यालय पर सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे विधि विधान से सुंदरकांड पाठ आरंभ किया गया। सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव सम्मिलित हुए। भंडारे में बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक श्री बृजराज सिंह यादव समेत विभाग के समस्त कर्मचारी मौजूद थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में मारी टक्कर, मां की मौके पर मौत... बेटा की हालत नाजुक

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में वाटरवर्क्स फ्लाईओवर पर मंगलवार रात एक्टिवा सवार मां-बेटे को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में मां की मौके पर मौत हो गई, जबकि बेटा घायल हो गया। हादसे के बाद हाइवे पर वाहन फंस गए। इससे जाम लग गया। पुलिस ने आधा घंटे में जाम खुलवाया। जगदीशपुरा के रहने वाले कन्हैया बघेल (28) मंगलवार को एक्टिवा से अपनी मां पिंकी बघेल (50) के साथ टूंडला गए थे।

रात करीब 10 बजे घर लौट रहे थे। वाटर वर्क्स फ्लाईओवर पर तेज गति से आते ट्रक ने एक्टिवा में पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर से पीछे बैठीं पिंकी सड़क पर गिर गईं, ट्रक उनके ऊपर से होकर गुजर गया। हादसे में कन्हैया घायल हो गया। चालक ट्रक को लेकर भाग निकला। हादसे के बाद वाटर वर्क्स से लेकर भगवान टाकीज तक लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची थाना हरीपर्वत पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। करीब आधा घंटे तक जाम के हालात बने रहे। पुलिस ने बमुश्किल जाम खुलवाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि ट्रक चालक फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

ठेकेदारों को लाभ और निगम को घाटा

मेरठ में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने में हर वर्ष 18 करोड़ का नुकसान, भ्रष्टाचार

मेरठ , एजेंसी। मेरठ नगर निगम में न नियम मान्य और न ही काम कराया जाता, नतीजा करोड़ों रुपये का घाटा। शहर से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली कंपनी, 2415 अस्थायी कर्मचारियों का ठेका, पार्किंग या फिर होर्डिंग का ठेका हो। जिनमें कंपनी के ठेकेदारों का करोड़ों का लाभ और निगम को हानि हो रही है। इसकी जानकारी नगर निगम अधिकारियों को भी है, लेकिन इन कंपनी से निगम के दूसरे काम कराए जाते है। शायद यही वजह है कि स्वच्छ सर्वेक्षण में फिसड्डी, कर्मचारियों में नाराजगी, पार्किंग में भ्रष्टाचार, होर्डिंग में माफिया राज के आरोप बार-बार लगते हैं, जिससे निगम की छवि धूमिल हो रही है। राज्यमंत्री, सांसद, विधायक और 90 पार्षद भी निगम की बोर्ड बैठक या फिर कार्यकारिणी की बैठक में इन्हीं मुद्दों पर बहस होते है। जिसका समाधान करने में निगम के अधिकारी बेबस नजर आते हैं।

डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने का अनुबंध- महानगर के 90 में से 73 वार्डों का डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए 5 जनवरी 2022 को नगर निगम और बीवीजी कंपनी का तीन साल के लिए अनुबंध हुआ था। शर्तें थी कि डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के एवज में लोगों से प्रत्येक घर से 80, दुकान से 30 और कॉमर्शियल भवन से 500 रुपये तक वसूली करके कंपनी निगम को पैसा देगी।

भुगतान के 70 प्रतिशत पैसा वसूली से ही कंपनी को

मिलेगा, बाकी 30 प्रतिशत निगम देगा। 2022 और 2023 यानि दो साल में बीवीजी कंपनी सिर्फ 3.36 करोड़ रुपया लोगों से वसूल कर पाई, जबकि निगम से कंपनी को 38.91 करोड़ का भुगतान हो चुका है। अनुबंध को दरकिनार कर निगम भुगतान कर रहा है। डोर-टू-डोर कूड़ा ना उठाने की शिकायत लगातार निगम अधिकारी और पार्षद करते है, बावजूद नतीजा शून्य।

पार्किंग में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार के आरोप - नगर निगम की शहर में 16 पार्किंग है, जिसका ठेका प्रत्येक साल होता है। तीन-चार पार्किंग को छोड़कर अन्य पार्किंग से निगम के खजाने में पैसा नहीं पहुंचता।

ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाता और कुछ लोग निगम के अधिकारियों से सांठगांठ कर अवैध वसूली करते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप तक अधिकारियों पर लगे, बावजूद पार्किंग की व्यवस्था नहीं सुधरी। पार्किंग में 50 लाख रुपये से ज्यादा वसूली निगम नहीं कमा पा रहा, जबकि पार्किंग के ठेकों से प्रत्येक साल 4-5 करोड़ की आय आसानी से हो सकती है। पार्किंग में ठेके के अनुबंध का कोई पालन नहीं हो रहा है। निगम अधिकारी कहते है कि जुलाई 2024 में नया टेंडर होगा।

होर्डिंग में माफिया राज कब खत्म होगा - निगम में होर्डिंग का ठेका होता है, इसके बावजूद अवैध होर्डिंग से शहर पटा हुआ है। होर्डिंग में माफिया राज खत्म नहीं हो रहा है। कई बार अभियान चलाया गया, लेकिन होर्डिंग माफिया पक्ष में भाजपा के नेता सिफारिश में उतर जाते है। इसके चलते निगम के अभियान पर विराम लग जाता है। ऑनलाइन टेंडर करने के बावजूद भी पारदर्शिता पर सवाल उठे। निगम अधिकारी कहते है कि सन 2024 में अनुभव कंपनी को होर्डिंग का ठेका है, जिसमें पहली बार 5.50 करोड़ में ठेका छूटा है।

नहीं लगी स्ट्रीट लाइट- नगर निगम का महानगर में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए ईईएसएल कंपनी के साथ अनुबंध है। निगम कंपनी का भुगतान नहीं कर पाया और कंपनी ने काम करना बंद कर दिया। नतीजा एक साल में शहर में एक भी स्ट्रीट लाइट नहीं लगी। अब तो खराब पड़ी लाइट भी निगम ठीक नहीं कर पा रहा। शहर करीब 15 लाख की आबादी की रात अंधेरे में कट रही है। पार्षदों ने भ्रष्टाचार तक के आरोप लगाकर रोजाना हंगामा करते है। कंपनी का पैसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

लाल इमली मिल घोटाला: चार अफसरों को कारण बताओ नोटिस

अधिकारियों को तीन दिन में देना है जवाब

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में लाल इमली मिल में हुए वेतन घोटाले में बीआईसी ने पहली कार्रवाई की है। मिल के चार अफसरों को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए कारण बताओ नोटिस दिया है। तीन दिन में नोटिस का जवाब न मिलने की स्थिति में उनके वेतन, ग्रेच्युटी से घोटाले की रकम वसूली करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, घोटाला की रकम और बढ़ने की संभावना है।

जांच रिपोर्ट सुनियोजित तरीके से रकम हड़पने की ओर इशारा कर रही है। बंदी के मुहाने पर खड़ी लाल इमली मिल में 52 लाख रुपये का घोटाला सामने आ चुका है। मिल में जो कर्मचारी काम नहीं करते थे, उनके खातों में 23 लाख रुपये भेज दिए गए थे। इसके अलावा डैमेज शुल्क में 29 लाख की गड़बड़ी मिली है।

कर्मियों के भुगतान के आंतरिक मूल्यांकन में सीएमडी और उच्च अफसर ने बड़ी गड़बड़ी पकड़ी थी। पता चला कि दिनेश कुमार, रामआसरे और सुनैना देवी नाम के व्यक्तियों के खाते में अलग-अलग सात से साढ़े आठ लाख रुपये डाले गए थे। दिनेश कुमार और रामआसरे के खाते चंदौली वाराणसी के थे। अफसरों ने मिलीभगत करके तीन नए खाते खुलवाए

बताया गया कि ये सभी खाते मार्च 2023 में खोले गए थे, जबकि रुपये जुलाई 2023 में आने थे। मिल में किसी का नया खाता नहीं खुलता है। किसी कर्मचारी के निधन पर उनके वारिस का ही बैंक खाता जांच के बाद खोला जाता है। लेकिन यहां अफसरों ने मिलीभगत करके तीन नए खाते खुलवाए और बाद में रकम भी भेज दी गई।

अकाउंट विभाग के चार और हाजिरी सेक्शन के तीन लोग शक के घेरे में- बीआईसी के अधिकारी तीनों बैंक खातों और रकम कब-कब और कितनी-कितनी निकलवाई गई, इसकी भी जांच कर रहे हैं। मामले में अकाउंट विभाग के चार और हाजिरी सेक्शन से जुड़े तीन लोग शक के घेरे में हैं। अभी विभागाध्यक्ष वित्त राखी सेठी, लाल इमली मिल इंचार्ज बीके मौर्या, अकाउंट अफसर विनय मिश्रा, धनराशि स्वीकृत करने वाले अधिकारी मनोज शुक्ला पर कार्रवाई की गई है।

चार अफसरों को कारण बताओ नोटिस

लाल इमली कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि मिल के चार अफसरों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और रकम की वसूली कराई जाए। मिल के कर्मचारियों का 22 महीने का बकाया वेतन, लीव इन कैशमेंट, बोनस का जल्द भुगतान कराया जाए।

तीन अधिकारी कर रहे हैं जांच बिंदुवार रिपोर्ट भेजने के निर्देश

गड़बड़ी मिलने के बाद अफसरों ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। इसमें दो सदस्य पंजाब स्थित धारीवाल मिल के और एक कानपुर स्थित मुख्यालय का अधिकारी है। टीम के सदस्यों ने प्रारंभिक जांच पड़ताल करके रिपोर्ट सीएमडी को भेज दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद उच्चाधिकारी ने बिंदुवार और हर स्तर पर हुई (

संपादकीय

बेकाबू महंगाई से बढ़ रहीं जनता की मुश्किलें

महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। मई में थोक महंगाई पिछले पंद्रह महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। अब यह 2.61 फीसद पर है, जबकि अप्रैल में यह 1.26 फीसद थी। इसी अवधि में पिछले वर्ष यह नकारात्मक 3.61 फीसद पर थी। जबकि इसके उलट खुदरा महंगाई मई में घट कर 4.75 फीसद पर पहुंच गई, जो इस वर्ष का सबसे निचला स्तर है। थोक महंगाई पिछले तीन महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल और गैस तथा अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इस वर्ष मई में थोक महंगाई बढ़ी। खासकर सब्जियों की थोक कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई। सब्जियों की थोक महंगाई दर 32.42 फीसद रही। प्याज की थोक महंगाई दर 58.05 फीसद और आलू की 64.05 फीसद दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक आमतौर पर खुदरा महंगाई दर के आधार पर अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करता है। मगर मई में खुदरा महंगाई पांच फीसद से कम होने के बावजूद उसने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया। इसलिए कि उसका अनुमान है कि अभी महंगाई का रुख अनिश्चित बना रहेगा और उसमें उतार-चढ़ाव आ सकता है।आमतौर पर थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर पड़ता है। जो चीजें थोक में महंगी होती हैं, उनकी खुदरा कीमतें भी बढ़ती हैं। मगर बीते मई महीने में यह क्रम उलटा देखा गया। थोक महंगाई बढ़ी, पर खुदरा महंगाई कम हुई। महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का तर्क दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है।विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। जाहिर है, इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी कई वर्ष से हो रही है, जिसका प्रभाव माल ढुलाई पर देखा गया है। मई महीने में तेल की कीमतें इतनी बढ़ी भी नहीं कि उसका सीधा प्रभाव थोक महंगाई पर पड़े। फिर, खुदरा महंगाई घटी हुई कैसे दर्ज हुई, जबकि इसका असर उस पर भी पड़ना चाहिए था। दरअसल, खाने-पीने की चीजों की कीमतों में असंतुलन की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार है।महाराष्ट्र के किसान लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं कि प्याज को निर्यात के लिए खोल दिया जाए।

लोकसभा 2024 का जनादेश रखता है मायने अनेक

(संजय सक्सेना)

लोकतंत्र की बुनियाद चुनाव हैं और चुनाव में नेता और वोटर एक-दूसरे को संवाद व अन्य माध्यमों से परखते हैं, लेकिन अब संवाद का सिलसिला काफी बदल गया है। बड़े नेताओं की जनसभाओं के दौरान सब कुछ मोबाइल से हो रहा है। लोकसभा चुनाव का शोर थम गया है। अब नतीजों की समीक्षा का दौर है। सभी दलों के नेता अपनी-अपनी खामियां और खूबियों का आकलन कर रहे हैं। मगर आम आदमी के नज़रिये से देखा जाए तो यह चुनाव कई मायनों में निचले से निचले स्तर पर जाता दिखा। तमाम दलों के नेता उनके समर्थक बार-बार अपनी जुबान से जहर उगलते रहे। जाति, धर्म, राम मंदिर, आरक्षण, मुस्लिम आरक्षण, संविधान, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, ईवीएम, किसान से लेकर वो जिहाद, मंगलसूत्र, मुजरा, कानून व्यवस्था, बाहुबली, मिट्टी में मिल गये माफिया, मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं सब छाये रहे। एनडीए सरकार की सभी योजनाओं में से प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज सबसे प्रभावी और दूरगामी प्रतीत हुआ। जाति या समुदाय से इतर दूरदराज के इलाकों में जितने भी लोगों से बात हुई, उनमें से अधिकांश ने माना कि उन्हें मुफ्त अनाज मिला है। जरूरतमंदों ने इसके लिए सरकार की खूब सराहना की। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का फायदा उठाने वाला एक बड़ा वर्ग बीजेपी की हौसला अफजाई करता रहा। गुलाम कश्मीर, पाकिस्तान और चीन की भी खूब बात हुई। जीवन और आजीविका के रोजमर्रा के संघर्ष-रोटी-कपड़ा और रोजगार पूर्वी और पश्चिमी यूपी में हर किसी चुनावी चर्चा का अभिन्न अंग तो रहे, लेकिन चुनावी चर्चा में जाति और समुदाय की केंद्रीयता ज्यादा बनी रही। मोटे तौर पर भाजपा के सामाजिक गठबंधन (उच्च जातियां, पटेल, निषाद और अन्य जैसे गैर-यादव ओबीसी) और समाजवादी पार्टी (यादव-मुस्लिम) बरकरार हैं। वहीं बसपा अपने दलित कोर वोटरों पर ध्यान केंद्रित करें रही। कई नेताओं ने इधर से उधर पल भी बदला। पूरे देश की तरह उत्तर प्रदेश में पूरी चुनावी बहसों के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नज़र आए। यहाँ तक कि कई जगह तो भाजपा उम्मीदवार के नाम तक की चर्चा भी नहीं देखने को मिली। ऐसा लग रहा था जैसे नेताओं के सामने पार्टी गौण हो गई थी।यह नजरा बीजेपी,कांग्रेस ही नहीं सभी दलों में देखने को मिला।वहीं कुछ अहम मुद्दे छूट भी गए। खासकर पर्यावरण प्रेमी इस बात से नाराज दिखे कि पर्यावरण, जल, जंगल,जमीन की ओर किसी का ध्यान नहीं गया। लोकतंत्र की बुनियाद चुनाव हैं और चुनाव में नेता और वोटर एक-दूसरे को संवाद व अन्य माध्यमों से परखते हैं, लेकिन अब संवाद का सिलसिला काफी बदल गया है। बड़े नेताओं की जनसभाओं के दौरान सब कुछ मोबाइल से हो रहा है। सोशल मीडिया पर अलग से लड़ाई जारी थी। एक समय था जब लाउडस्पीकर लगी जीप गांवों में पहुंचती थी, तो बच्चे उसके पीछे भागने लगते थे। इस जीप से बिल्ला लुटाए जाते थे। इन पर प्रत्याशियों की फोटो और चुनाव चिन्ह छपा होता था। बिल्ले को लूटने और इकट्ठा करने का उस वक्त बच्चों से लेकर युवाओं तक में अलग ही क्रेज था। इसी से हमको पता चलता था कि चुनाव आ गया है। यादों के फ्लैशबैक से यह कहना है बरौला निवासी चौधरी बीसी प्रधान का। वह बताते हैं कि अब सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की रील दिखती हैं और वाट्सऐप मेसेज से पता चल रहा है। वक्त के साथ प्रचार सामग्री में यह बड़ा बदलाव आया है। पहले की तरह कपड़े के बैनर और झंडे भी अब नजर नहीं आते हैं। यही नहीं इस चुनाव में दीवारों पर चिपकाए जाने वाले कागज के पोस्टर भी नजर नहीं आ रहे हैं। इस बदलाव को 35-40 साल की उम्र वाला तबका महसूस कर रहा है। अतीत पर नजर डाली जाये तो पहले राष्ट्रीय दलों के प्रचार के तरीकों और सामग्री की पहुंच आसान थी। चुनावी नारों और लाउडस्पीकर पर बजने वाली रेकार्डेड कैसेट में हर दल के गाने भी अलग रहते थे। इन गानों के बजने से ही घरों में बैठे लोग यह जान जाते थे कि कौन से दल का प्रचार वाहन आया है। अब चुनाव आयोग की बंदिशों के साथ शहरीकरण से छाए शोर में लाउडस्पीकर उपयोगी नहीं बचा है। यही नहीं चुनावी सभाओं में भी अब लाउडस्पीकर की जगह साउंड ही नजर आते हैं। इसी तरह दीवारों पर होने वाली पेंटिंग भी विलुप्त हो गई है। कई और बदलाव भी हो चुके हैं। बात अगर यूपी की करें तो नीला, भगवा, पीला, सफेद यह रंग अलग-अलग दलों के हैं। दादरी निवासी ओमी सिंह (88) बताते हैं कि पहले किसी दल का कोई रंग नहीं था, न ही इतने दल थे। फिर धीरे-धीरे दल और चुनाव में प्रचार सामग्री बढ़ने लगी। प्रत्याशी हाथ से कपड़े पर अपना नाम लिखवाकर और चुनाव चिन्ह बनवाकर चौराहें, बाजार में टांगते थे। नेताओं की बड़ी सभाओं में भी मंच पर यह बैनर ही लगते थे। यह बैनर अलग-अलग दिखें और दूर से समझ में आ जाए इसलिए इनको अलग-अलग रंग दिया जाने लगा। अब मौजूदा समय में हर दल का यह रंग सोशल मीडिया पर भी उनके पोस्टर व फ्लैक्स व होर्डिंग में नजर आता है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये चुनाव और उसमें मतदाताओं की भागीदारी काफी अहम है, लेकिन प्रदेश में पश्चिम क्षेत्र से शुरू हुआ लोकसभा का चुनावी सफर सातवें चरण में पूर्वांचल पहुंचते-पहुंचते मतदान प्रतिशत के लिहाज से हांफने हुये भी दिखा। मतदाताओं ने पहले चरण में जो उत्साह दिखाया वह पूर्वांचल से जुड़ी सीटों पर नहीं दिखा। छठे और सातवें चरण की 14 सीटों पर सबसे कम वोटिंग हुई और पहले से छठे चरण की वोटिंग में सात प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। पश्चिम उत्तर प्रदेश में पहले चरण के चुनाव में सबसे अधिक 61.11 प्रतिशत वोट पड़े थे जबकि छठे चरण में महज 54.04 प्रतिशत मतदान हुआ। छठे चरणों में उत्तर प्रदेश किसी भी चरण के चुनाव में राष्ट्रीय औसत के करीब भी नहीं पहुंच सका। प्रदेश में अब तक 80 सीटों पर हुए चुनाव में सबसे अधिक वोट बाराबंकी 67.20 और सबसे कम मतदान फूलपुर में 48.91 प्रतिशत पड़े हैं। वोटिंग में आई गिरावट की वजह मतदाताओं की उदासीनता और गर्मी ही बताई जा रही है। पश्चिमी के सापेक्ष पूर्वांचल में पलायन भी अधिक महत्वपूर्ण है। मई-जून में लगन न होने की वजह से भी लोगों की वापसी भी इस क्षेत्र में कम हुई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एसके द्विवेदी बताते हैं कि पूर्वांचल के बहुत से लोग रोजी-रोजगार के सिलसिले से बाहर रहते हैं और यदि कोई बड़ी वजह न हुई तो वे वापस नहीं आते हैं। इस बार चुनाव में माफियाओं का हस्तक्षेप भी काफी कम देखने को मिला। इस वजह से भी उनके प्रभाव वाले लोग तटस्थ रहे।

हिंदी टालोचना का यह गदर काल

आज भांति-भांति के आलोचक हैं और भांति-भांति की आलोचना! यकीन न हो, तो किसी भी पत्रिका के आलोचना और 'रिव्यू' पेजों और सोशल मीडिया में आलोचना के नाम पर बंटती रेवड़ियों को देख लीजिए। ये दो-चार आचार्यों का जमाना नहीं है, बल्कि असंख्य आलोचकों, यानी टालोचकों का जमाना है। आज हरेक टालोचक के पास अपनी नजर और अपना नजरिया है। एक कहता है, इस कृति को ऐसे देखो। दूसरा कहता है कि उस तरह से देखो। तीसरा कहेगा कि इधर से देखो। चौथा कहता है, उधर से देखो। पांचवां कहता है कि यहां से देखो, तो छठा कहेगा, वहां से देखो। आज देखने वाले से कहीं अधिक दिखाने वाले हैं, जो कहते हैं, जैसे हम देखते हैं, वैसे ही देखो! इस 'टालोचना' की यही नई तानाशाही है, जो कहती है कि देखो, तो हमारे कहे अनुसार, वरना न देखो! यह टालोचना देखने-दिखाने की 'डिक्टेटरी' है! कुछ ऐसे टालोचक भी हैं, जो किसी भी रचना पर सवारी गांठने लगते हैं कि लेखक ने कविता-कहानी में यह...यह...यह क्यों नहीं लिखा? अगर ये सब लिखता, तभी सही लेखक होता। इसका मतलब यह कि सौ बरस पहले लिख चुका लेखक दोबारा जन्म लेकर इन महाशय का 'सर्टिफिकेट' लेकर जाए! इनका बस चले, तो प्रसाद की कलम पर ही बैठ जाएं और चाहें, तो कालीदास को 'नालीदास'बना दें! इन दिनों हिंदी में कुछ ऐसे टालोचक भी हैं, जो लेखक की जाति बताते हुए उसके लेखन को उसकी जाति का पर्याय बताते हैं। इनके अनुसार, सारा लेखन सिर्फ जाति-लेखन है। अब जाति ही लिखें, जाति ही पढ़ें और जाति ही सुनें। यह तो टुकड़े-टुकड़े टालोचना है। कुछ टालोचक ऐसे हैं, जो राई ते परबत करै, परबत राई मांहि! कुछ 'पेड टालोचक' भी हैं, यानी 'पे' करो और जो चाहो लिखवा लो! पहले लोग आलोचना को सिंहावलोकन या विहंगावलोकन कहते थे।

भीषण गरमी के समय बदल लीजिए अपना भोजन

भोजन संबंधी हमारी आदतों को प्रकृति ही गढ़ती है। मौसम और जलवायु के साथ समन्वय बिठाते हुए जिस क्षेत्र में प्रकृति जो खाद्यान्न हमें उपलब्ध कराती है, हम उसी को विभिन्न रूपों में ग्रहण करते हैं। जैसे पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में चावल की उपज होने से यह वहां मुख्य आहार में शामिल है, तो पश्चिमोत्तर भारत में गेहूं और जौ की उपज अधिक होने से वहां यह मुख्य खाद्यान्न में शुमार है। इसके अलावा क्षेत्र विशेष में उपजने वाले ऋतुफल और सब्जियां हमारे भोजन का मुख्य हिस्सा होती हैं, पर क्या सभी लोग ऋतु या मौसम के हिसाब से खान-पान बदलते हैं? क्या गरमी के दिनों में अपने शरीर को ठंडा रखने के उपाय हम करते हैं? इस मौसम में प्रकृति प्रदत्त फल-सब्जियों, जिनमें आम, संतरा, आंवला, खीरा, ककड़ी, तरबूज आदि शामिल हैं, के साथ बिना आग में पकाए आहार प्राचीन समय से ही हमारी भोजन परंपरा का हिस्सा रहे हैं, क्योंकि इनकी तासीर ठंडी मानी जाती है। ध्यान रहे, बुद्धकालीन समाज में भी एक आहार बेहद प्रसिद्ध था, वह था यवागु। यवागु तैयार करने के लिए रात्रि में भात और पानी मिलाकर रख दिया जाता था और प्रातःकाल में इसमें नमक, मिर्च और नींबू आदि मिलाकर खाया जाता था। यह न केवल पेट को लंबे वक्त तक ठंडक प्रदान करता था, बल्कि गरमी से निबटने का तरीका भी हुआ करता था। इसी प्रकार दही-छाछ आदि का इस्तेमाल गरमी से बचने के लिए किए जाने के प्रमाण मिलते हैं। मानव सभ्यता में पहला मिष्ठान खीर माना जाता है। सिद्धार्थ गौतम को उरुवेला, यानी आधुनिक बोधगया में सुजाता ने जीवन की सार्थकता को खीर खिलाकर ही समझाया था, जो उनके लिए ज्ञान का आत्मबोध कराने में सहायक सिद्ध हुआ। महावग्ग नामक जातक कथा में बताया गया है कि खीर लोगों का प्रिय आहार हुआ करता था। महात्मा बुद्ध ने भिक्षुओं को इस आहार का गुण बतलाते हुए कहा था कि प्रातःकालीन जलपान के लिए खीर सर्वोत्तम आहार है। उन दिनों खीर में शहद मिलाकर खाया जाता था। रात में खीर बनाकर उसे ठंडा होने के लिए छोड़ दिया जाता था और फिर सुबह खाया जाता था। महर्षि पाणिनी ने गरमी में सत्तू पीने का जिक्र अपनी पुस्तक अष्टाध्यायी में किया है। वह कहते हैं कि गरमी से बचने के लिए सत्तू को पानी में घोलकर पिया जाता है। भोजन की यह परंपरा कहीं न कहीं आयुर्वेद से प्रभावित जान पड़ती है। आयुर्वेद में बताया गया है कि गरमी के इस मौसम में ठंडी तासीर और चिकनाई वाली चीजों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। इसके लिए सत्तू का शरबत, दूध-चावल की ठंडी खीर, छाछ, लस्सी, आम पन्ना, नारियल पानी, नींबू पानी, ककड़ी, तरबूज, मौसमी फलों का रस, पुदीना, गुलकंद, सौंफ और धनिया का सेवन करने की सलाह दी जाती है। गरमी के मौसम में मिलने वाले कद्दू, लौकी, परवल, साग, छिलका सहित आलू, करेला, कच्चा केला, चौलाई, छिलका सहित मूंग-मसूर की दाल आदि को आहार में शामिल करने पर बल दिया गया है। अतिथियों को सत्कार स्वरूप नींबू-पानी प्रदान करने और गरमी में बाहर जाने के पूर्व या आने के बाद नींबू-पानी और शक्कर का शरबत पीने के पीछे भी यही विज्ञान है। यह नींबू या नींबू के रस, नमक और चीनी का मिश्रण होता है, जो न केवल ठंडा करता है, बल्कि शरीर के अत्यधिक गरम होने के कारण कम हो चुके इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपायी भी करता है। गरमियों में पाचन शक्ति काफी कमजोर हो जाती है, इसलिए गरिष्ठ (तले-भुने-मसालेदार) भोजन से बचने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में तरल और सुपाच्य आहार का सेवन सर्वोत्तम माना जाता है। आधुनिक आहार विज्ञान तो कहता है कि कैलोरी कम लेने से भी आप गरमी के प्रकोप से कुछ हद तक मुक्ति पा सकते हैं। चूंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान में औसतन बढ़ोतरी होती जा रही है, इस कारण यह कहा जाता है कि दुनिया के गरम होते जाने के साथ-साथ अपने खान-पान को अनुकूलित करना ही होगा। दैनिक कैलोरी में कटौती करने से शरीर का मुख्य तापमान कम हो सकता है। लू या हीट स्ट्रोक को रोकने में मदद मिल सकती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5406

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5405

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5406

1	2	3			4		5
6				7			
		8			9	10	
11	12			13			
			14				15
16		17		18			
		19	20				
21					22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1919 को बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निधन 6 जनवरी 1987) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
4. मैथिलीशरण गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते है (3)
6. निर्गम, प्रयाण, निकास (3)
7. मूल तथ्य, चर्चा, वार्तालाप (2)
8. दृढ़तापूर्वक कही गई बात, नालिश, मुकदमा, अभियोग (2)
9. जालिम, अत्याचारी, दरिंदा (3)
11. यह भारत का प्रथम सम्राट था जिसने मुगल सम्राज्य स्थापित किया (3)
13. चमगादड़ को यह भी कहते है (3)
14. संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
16. जिसकी कोई सीमा न हो, अंतहीन, छोरहीन (3)
18. भारत के हरियाण राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
19. स्कंध, जुलाहों की राछ या कूंची (2)
21. मंदगति से भ्रमण करना, मंद गमन करन, विचरना (4)
22. कसम, सौगंध, हलफ, सोंह (3)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. दो की संख्या, ग्रिह (2)
3. देयी, कर्जदार, ऋणग्रस्त (4)
4. यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहली फिल्म थी (6)
5. शीघ्रता से, उत्साहपूर्ण (3)
10. महाशय, श्रीमान, महोदय (2)
12. पुण्य दिवस, वार्षिकी (3)
15. भूत, प्रेम आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
16. अत्यधिकता, असंख्य, आक्रमण (3)
17. एक डंडे के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रोशनी (3)
20. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

वर्ग पहेली 5405 का हल

र	वि	शं	क	र	शु	क्ल	
ज	ल	ख	ग		मा	र्क	
त	य		र	का	र		सा
प		शू		मा		गं	ध
ट	ह	ल		य		गा	ना
	नु		रा	नी	गं	ज	
त	मा	शा	ई		ड	ल	ना
न	न	द		पा	क		ते

आज का राशिफल

मेष

आप अपनी कार्यशैली में बदलाव कर सकते हैं, जिसके कारण आपके कार्य द्रुत गति से पूर्ण होंगे। इन्टरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। यात्राओं के लिये दिन काफी सुखद रहेगा। भाई-बहनों और मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में विस्तार करने के योग बन रहे हैं।

वृष

सेहत को लेकर सावधानी रखें। आप आज खानपान को लेकर काफी शौकीन हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन काफी सुखद रहेगा। परिवार के लोगों से आपका तालमेल काफी अच्छा रहेगा। कुछ लोग आपको गलत सलाह देकर भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं।

मिथुन

दिन का पहला भाग आपके लिये काफी शुभ रहेगा। परिजन आपका काफी ध्यान रखेंगे। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर पड़ेंगे। इन्श्योरेंस आदि के द्वारा आपको धन लाभ होगा। समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं।

कर्क

आप कुछ बड़े एवं साहसिक निर्णय ले सकते हैं, लेकिन अभी परिणाम को लेकर जल्दबाजी करना उचित नहीं है। विवाह सम्बन्धी मामलों को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। कानूनी मामलों में लापरवाही भारी पड़ सकती है। विलासिता के संसाधनों पर धन खर्च होगा।

सिंह

आज का दिन आपके लिये कमजोर रहने वाला है। परिवार को लेकर चिन्ता हो सकती है। धन के मामलों को लेकर आपको सावधान हो जाना चाहिये। पैरों में चोट लग सकती है। उधार लिये हुये धन को लौटाने का दबाव आपको परेशान कर सकता है।

कन्या

दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। आपकी किसी योजना के लम्बित होने के योग बन रहे हैं। सेहत को लेकर आपको काफी ध्यान रखना होगा। चिन्ता व तनाव लेने से आपको बचना चाहिये। होटल व्यवसायियों को मैनेजमेन्ट को लेकर कुछ समस्या हो सकती है।

तुला

आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर धन खर्च होगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के माध्यम से अच्छा धन लाभ हो सकता है। कारोबार में आप विस्तार कर सकते हैं। अपेक्षा से अधिक धन लाभ होने से आपको लाभ होगा। बीमार लोगों की सेहत में तेजी से सुधार होगा।

वृश्चिक

आज आप कुछ अप्रसन्न हो सकते हैं। परिस्थितियाँ आपके अनुकूल नहीं रहेंगी। लोग आपसे धन उधार ले सकते हैं, लेकिन वापस करने में विवाद कर सकते हैं। इसीलिये आज आपको धन उधार नहीं देना चाहिये। आपकी अपेक्षा के अनुसार काम नहीं होंगे। अपरिचित लोगों पर विश्वास न करें।

मकर

आपको वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलेगा। परिवार को लेकर तनाव दूर होगा। आप नया वाहन खरीदने का विचार बना सकते हैं। घर में किसी आयोजन की रूपरेखा बन सकती है। व्यवसाय को लेकर यात्रा होने के योग बन रहे हैं। कुछ लोग आपके काम में कमी निकालने का प्रयास करेंगे।

कुंभ

धन को लेकर आप काफी भाग्यशाली रहेंगे। प्रेम विवाह के लिये परिवार का समर्थन मिल सकता है। कानूनी मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे। सन्तान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। किसी बड़ी समस्या का पूर्ण समाधान मिल सकता है।

धनु

आज आपकी कार्यशैली में काफी बदलाव आ सकते हैं, जिनसे आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके सहकर्मियों के साथ अविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। बच्चों के भविष्य को लेकर चिन्ता रहेगी। आपको धन से जुड़े हुये मामलों में सावधानी रखनी होगी।

मीन

लम्बे समय से आप जिस अवसर की प्रतीक्षा में थे, वह आपको मिल सकता है। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को सफलता मिल सकती है। धार्मिक कार्यक्रमों में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। लोग आपसे काफी प्रभावित रहेंगे। अधिकारी वर्ग से अपनी बातें मनवाई जा सकती है।

चुकंदर सर्दियों का प्राकृतिक टॉनिक

भारतीय भोजन थाली में सलाद के रूप में चुकंदर का उपयोग काफी प्रचलित है। गहरे लाल बैंगनी रंग का यह कंद प्रायः शरीर में खून बढ़ाने के गुण के कारण खाया जाता है। लौह तत्व के अलावा चुकंदर में विटामिंस भी भरपूर पाए जाते हैं। इसके नियमित सेवन से विटामिन ए, बी, बी 1, बी 2, बी 6 व विटामिन सी की पूर्ति सहज ही हो जाती है। चुकंदर के संबंध में एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि इसके कंद के अलावा चुकंदर की हरी पत्तियों का सेवन भी बेहद लाभदायी है। इन पत्तियों में कंद की तुलना में तीन गुना लौह तत्व अधिक होता है। पत्तियों में विटामिन ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कंद व इसकी पत्तियां रक्त निर्माण के लिए व हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने अर्थात क्लींजर के रूप में कार्य करते हैं। चुकंदर में पोटेशियम, सोडियम, कैल्शियम, मैग्नीज व रेशे की पर्याप्त मात्रा होती है। पाचन योग्य शर्करा की उपस्थिति के कारण चुकंदर का सेवन ऊर्जा भी प्रदान करता है। ऐसा समझा जाता है कि चुकंदर का गहरा लाल रंग इसमें लौह तत्व की प्रचुरता के कारण है, बल्कि सच यह है कि चुकंदर का गहरा लाल रंग इसमें पाए जाने वाले एक रंगकण (बीटा सायनिन) के कारण होता है। एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के कारण ये रंगकण स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। चुकंदर में पाए जाने वाले फोलिक एसिड, पोटेशियम व मुलायम रेशा भी इसके पोषणिक गुणों को बढ़ाते हैं। चुकंदर का नियमित सेवन संपूर्ण शरीर को निरोग रखने में सहायक है। हालांकि हमारे दैनिक आहार में चुकंदर को अभी भी उचित स्थान प्राप्त नहीं है, फिर भी इसे नियमित खाने से ना सिर्फ कई रोगों में लाभ होता है बल्कि यह त्वचा की खूबसूरती भी प्रदान करता है। इससे हिमोग्लोबिन बढ़ता है फलस्वरूप चेहरे की लालिमा बढ़ती है।

च्युंइगम चबाने से होता है सिरदर्द

इजरायल में तेल अवीव विश्वविद्यालय के मेर मेडिकल सेटर ने एक नए शोध में इसका खुलासा किया है कि बच्चों और किशारों को च्युंइगम चबाने की आदत होती है जिससे उनमें सिरदर्द का खतरा बढ़ जाता है। मेर मेडिकल सेंटर के डॉ. नैथन वॉटेमबर्ग की अगुवाई में वैज्ञानिकों के एक दल ने प्रयोग करके इस तथ्य को साबित किया कि च्युइंगम की आदत छोड़ने से सिरदर्द की संभावना काफी घट जाती है। शोध के दौरान डॉ. वॉटेमबर्ग ने लगातार सिरदर्द और माइग्रेन से पीड़ि?त एवं च्युंइगम चबाने की आदत से मजबूर 6 से 19 साल के 30 लोगों को एक महीने तक च्युंइगम न खाने की सलाह दी। इनमे से कई लोग दिन भर में एक घंटे और कई 6 घंटे से अधिक च्युंइगम चबाने के आदी थे। 1 महीने बाद पाया गया कि 30 में से 19 लोगों में सिरदर्द की शिकायत गायब हो गई और सात लोगों ने सिरदर्द में कमी की बात कही। इसके बाद 30 में से 20 लोगों को दोबारा च्युंइगम चबाने के लिए कहा गया और उन्होंने दोबारा इस आदत को शुरू करने पर पाया कि वे सभी कुछ दिन बाद ही सिरदर्द से ग्रसित हो गए। इससे पहले भी च्युंइगम चबाने के कारण सिरदर्द के होने का पता था लेकिन इसकी वजह च्युंइगम को मीठा करने के लिए डाले गए स्वीटनर एस्पारटेम को माना जाता था। डॉ. वॉटेमबर्ग के अनुसार च्युंइगम चबाने के कुछ देर तक ही मीठा लगता है जिससे यह पता चलता है कि उसमे इतनी अधिक मात्रा मे एस्पारटेम नहीं है कि उसकी वजह से सिरदर्द की शिकायत हो जाए। उनके अनुसार लोग मिठास जाने के बाद भी च्युंइगम चबाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर एस्पारटेम की वजह से सिरदर्द होता तो जो लोग डाइट ड्रिंक या उन उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें दर्द होता (जिनमें इसे डाला जाता है) लेकिन ऐसा नहीं होता है। उनका यह शोध इस तथ्य को साबित करता है कि च्युंइगम चबाने से दोनों जबड़ों की जोड़ पर ज्यादा जोर पड़ता है। ज्यादा देर तक चबाने से जबड़ों की जोड़ टेम्पोरोमैडीब्यूलर (टीएमजे) पर अत्यधिक दबाव पडता है और इस जबड़े का सिरा दिमाग की नसों से जुड़ा होता है।

ऊब से बचने के लिए और खुद को अधिक ऊर्जावान दिखाने के लिए हम अक्सर च्युंइगम का सहारा लेते हैं लेकिन इस चक्कर में अनजाने ही सिरदर्द मोल ले लेते हैं।

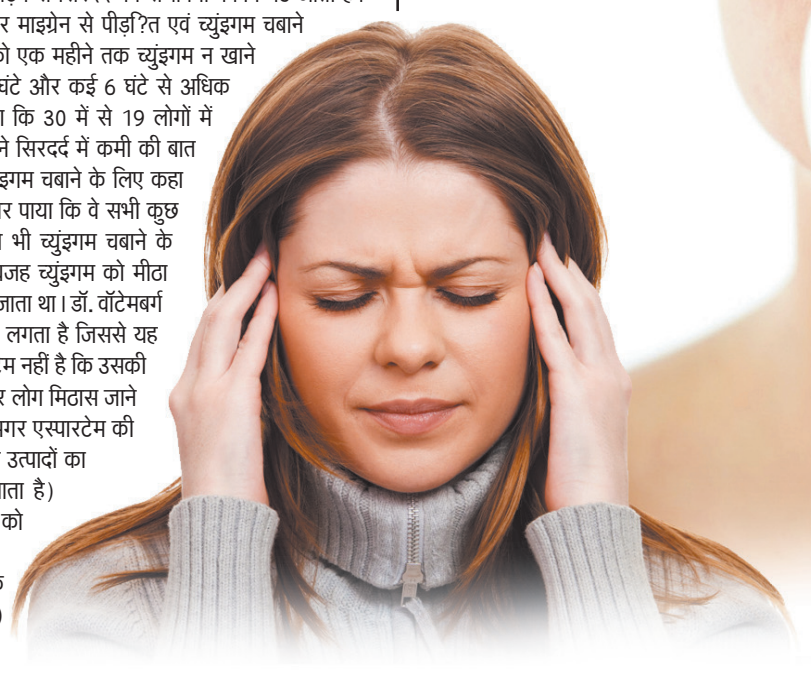

कई रूपों में फायदेमंद है ड्रायफ्रूट्स

अधिकांशतः यही समझा जाता है कि मेवों में वसा की मात्रा अधिक होती है अतः इनका सेवन हानिकारक होता है। माना कि मेवों में वसा अधिक होता है लेकिन ये हानिकारक कतई नहीं होते हैं। मेवों में हम बादाम, अंजीर, काजू, पिस्ता, अखरोट तथा मूंगफली को मुख्य रूप से शामिल करते हैं। मेवों से जुड़े तथ्य यह हैं कि इनमें वसा की मात्रा अधिक होती है अतः ये अधिक कैलोरी प्रदान करते हैं इसलिए इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। मेवों को तलने या भूनने से उनके गुण नष्ट हो जाते हैं इसलिए इनका इस्तेमाल बिना तले करें। इसके अलावा इनमें नमक मिलाकर प्रयोग करने से इनकी कैलोरी की मात्रा बढ़ती है इसलिए इन्हें फीका ही खाना चाहिए।

इस मौसम में ध्यान रखें अस्थमा रोगी

सर्दियों का मौसम स्वास्थ्य के हिसाब से अच्छा माना जाता है, लेकिन कुछ खास व्याधियों जैसे अस्थमा, हृदय रोग, कैंसर से ग्रसित व्यक्तियों के लिए यह मौसम कुछ समस्याएं भी लाता है। यदि कुछ सावधानियां बरती जाएं तो इन समस्याओं से बचा जा सकता है। विशेषज्ञ के अनुसार सर्दियों में श्वांस नलियां सिकुड़ने के साथ कफ भी ज्यादा बनता है। इसके साथ ठंडे माहौल के कारण धुआं आदि वातावरण में घुले तत्व पूरी तरह आसमान में ऊपर नहीं जा पाते जो एलर्गन का काम करते हैं। इसलिए अस्थमा की समस्या सर्दियों में ज्यादा बढ़ जाती है। इससे बचाव के लिए घर को धूल और धुएं से मुक्त रखें। पूरी तरह गर्म कपड़ों से खुद को ढंककर रखें। एयरकंडीशन और तेज पंखे के नीचे ना बैठें। अपना इन्हेलर हमेशा पास रखें। स्टेरॉयड का प्रयोग डॉक्टर की सलाह पर ही करें।

छोटी-मोटी परेशानियों के लिए घरेलू नुस्खे

- कांच या कंकर खाने में आने पर ईसबगोल भूसी गरम दूध के साथ तीन समय सेवन करें।
- घाव न पके, इसलिए गरम मलाई (जितनी गरम सहन कर सकें) बांधें।
- तुतलापन दूर करने के लिए रात को सोने से पांच मिनट पूर्व दो ग्राम भुनी फिटकरी मुंह में रखें।
- बच्चों का पेट दर्द होने पर अदरक का रस, पांच ग्राम तुलसी पत्र घोटकर, औटाकर बच्चों को तीन बार पिलाएं।
- सर्दियों में बच्चों की सेहत के लिए तुलसी के चार पत्ते पीसकर 50 ग्राम पानी में मिलाएं। सुबह पिलाएं।
- आमाशय का दर्द तुलसी पत्र को चाय की तरह औटाकर सुबह-सुबह लेना लाभदायक।
- सीने में जलन हो तो पावभर ठंडे जल में नीबू निचोड़कर सेवन करें।
- शराब ज्यादा पी ली हो तो छह माशा फिटकरी को पानी/दूध में मिलाकर पिला दें या दो सेबों का रस पिला दें।
- अरहर के पत्तों का रस पिलाने से अफीम का नशा कम हो जाता है।
- आधी छटांक अरहर दाल पानी में उबालकर उसका पानी पिलाने से भांग का नशा कम हो जाता है।
- केला हजम करने के लिए दो छोटी इलायची काफी होती है।
- आम ज्यादा खा लिए हों तो हजम करने के लिए थोड़ा सा नमक सेवन कीजिए।
- मुंह से बदबू आने पर मोटे अनार का छिलका पानी में उबालकर कुल्ले करें।
- मछली का कांटा यदि गले में फंस जाए तो केला खाएं।
- वजन घटाने हेतु गरम जल में शहद व नीबू मिलाकर सेवन करें।
- कान/दांत दर्द, खांसी व अपचन में जीरा व हींग 1/1-2 मात्रा में सेवन करें।
- जख्मों पर पड़े कीड़ों का नाश करने के लिए हींग पावडर बुरक दें।
- दाढ़ दर्द के लिए हींग रूई के फाहे में लपेटकर दर्द की जगह रखें।
- शीत ज्वर में ककड़ी खाकर छाछ सेवन करें। शराब की बेहोशी में ककड़ी सेवन कराएं।

आक्रामकता कम करते हैं मीठे पेय पदार्थ

कार्यालय या घर में तनाव का सामना कर रहे हैं? फिक्र मत करिए। अपने चाय के प्याले में दो चम्मच चीनी डालिए और गर्मागर्म चाय का घूंट पीजिए। तनाव मिनटों में ही दूर भाग जाएगा। एक शोध में पाया गया है कि मीठे पेय पदार्थ लोगों की आक्रामकता को कम कर देते हैं और उन्हें बहस में उलझने से बचाते हैं क्योंकि चीनी दिमाग को ऊर्जा प्रदान करती है जिसकी उसे आक्रोशित भावनाओं को नियंत्रण में रखने में जरूरत होती है। इससे लोग तनावपूर्ण हालात में दूसरों पर बरसने से परहेज करते हैं। रिपोर्ट कहती है जब भी कभी अपने बास से किसी ऐसे विवादास्पद मुद्दे पर बात करने जा रहे हों जिस पर गर्मागर्मी होने की आशंका हो तो एक कप चाय का प्याला पीकर जाइए। इससे आक्रोश को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। डेली मेल ने शोधकर्ताओं के हवाले से लिखा है दिनभर के कामकाज के बाद घर लौटते समय कोई मीठा पेय पदार्थ पीकर जाएं इससे परिवार के सदस्यों या राह चलते अन्य लोगों पर गुस्से में फट पड़ने की नौबत नहीं आएगी। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने महिलाओं और पुरुषों के एक समूह को नींबू पानी दिया। कुछ में चीनी मिलाई गई थी जबकि कुछ में कृत्रिम चीनी मिलाई गई थी। बाद में पाया गया कि जिन्होंने मीठा नींबू पानी पिया वे कम गुस्से में आए। यह रिपोर्ट जर्नल आफ एक्पेरिमेंटल सोशल साइकोलॉजी में प्रकाशित हुई है।

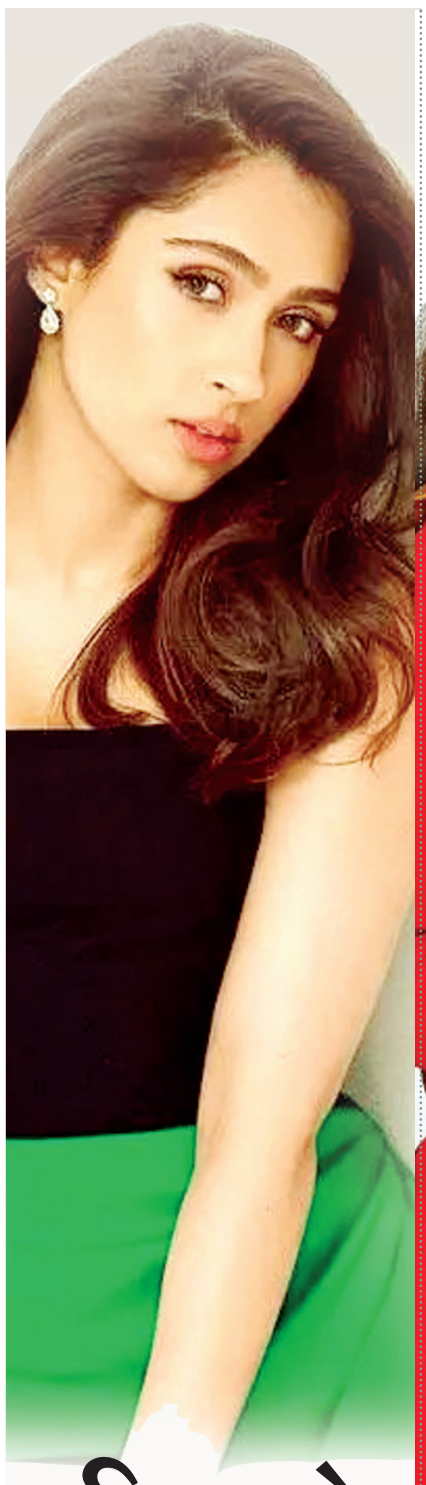

मैं कभी सही-गलत के दबाव में नहीं रही

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मोना सिंह आज करियर के बीस साल बाद अपने मनचाहे किरदारों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी में भी खुश हैं।

चालीस के पार आज आप दमदार भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। 39 साल में आप शादी के बंधन में बंधीं। अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने पर आपको गर्व जरूर होता होगा?

सच तो ये है कि मैंने कभी भी सोसायटी का प्रेशर नहीं लिया। मेरे साथ मेरे पैरेंट्स हमेशा सपोर्टिव रहे। जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब लोग लगातार पूछा करते थे, कब शादी कर रही हो? मगर मैं कभी इस दबाव में नहीं आई की क्या सही है और क्या गलत? मैं अपनी जिंदगी जीती गई। मैंने अपनी गलतियों से खुद सीखा। मेरी चुनौतियां, रिस्क सभी कुछ मेरा अपना था। किसी ने मुझे गाइड नहीं किया। मेरे करियर की बात करूं तो आज ओटीटी ही नहीं बल्कि फिल्मों में भी एक ऐसा दौर आ गया है, जहां औरतों को सिर्फ फिलर्स के लिए कास्ट नहीं किया जा रहा कि यहां पर डांस घुसा दो या यहां पर इसे ग्लैमर ऐड करने के लिए रख दो। अब महिलाओं को अनगिनत रंग मिल रहे हैं निभाने के लिए। वो सिर्फ पॉजिटिव या नेगेटिव नहीं है।

आप तो एक बेहद मजबूत महिला हैं, मगर आम तौर पर आपको औरतों से जुड़ी किन बातों पर आपत्ति होती है?

मुझे सबसे ज्यादा आपत्ति इस बात पर होती है कि औरतों को हमेशा कहा जाता है कि क्या करो, क्या न करो। कहां जाओ, किससे शादी करो, कहां काम करो, सबकुछ बोलै जाता है। ये समझना बहुत जरूरी है कि ये हमारी जिंदगी है, हमें जीने दो। हमें अपनी गलतियां करने दो। हमारे पंख मत काटो। हमें उड़ने दो। अब आप हो देखिए, हम एयरक्राफ्ट्स भी उड़ा पा रही हैं। हम औरतें हर तरह से सक्षम हैं।

टीवी से शुरुआत करके आप फिल्मों और ओटीटी पर भी लगातार सक्रिय हैं। आपको सबसे ज्यादा मजा कहां आता है?

मुझे सबसे ज्यादा अभिनय पसंद है, अब वो माध्यम जो भी हो। एक एक्टर का ड्रीम होता है अलग-अलग रोल करना और मैं अपना वो ड्रीम जी रही हूं। मैं सालों पहले मुंबई आई ही इसलिए थी कि रोजाना एक्शन, कट सुन पाऊं। मेरे लिए माध्यम कभी ऐसा रहा ही नहीं कि मैं सिर्फ टीवी या ओटीटी अथवा फिल्म ही करूंगी। मेरी शुरुआत छोटे पर्दे से हुई थी। उसके बाद मैंने ब्रेक ले लिया था, क्योंकि मैं टीवी पर सब कुछ कर चुकी थी। मैंने रंगमंच में भी काम किया। फिर ओटीटी आ गया। मैं ओटीटी की शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस प्लैटफॉर्म में इतने दमदार किरदार निभा पा रही हूं। मूवीज मिल रही हैं। मुझे 20 साल हो गए हैं इंडस्ट्री में, तो अब मैं एक्सपेरिमेंट कर रही हूं।

आपकी फिल्म मुंज्या सुपर नेचुरल पर आधारित है। क्या आप भूत-प्रेत में यकीन करती हैं?

मुझे लगता,है जो हॉरर या डर होता है, वो आपके दिमाग में होता है। हालांकि मैं हॉरर फिल्मों से बहुत ज्यादा डरती हूं। मुझे याद है, हम जब छोटे थे और बचपन खेलने जाते थे, तो सात बजे तक हमारी सीढ़ियों की लाइट नहीं जलाई जाती थी। खेलकूद कर मुझे जब सीढ़ियों से अपने घर जाना होता था, तब हमेशा यही लगता था कि कोई मेरे पीछे आ रहा है। उस वक्त मैं डर को भगाने के लिए वाहे गुरु वाहे गुरु का नाम जप कर सीढ़ियां भागते हुए चढ़ा करती थी। अभी भी मैं हॉरर फिल्मों से बहुत डरती हूं। हमेशा इमेजिन करना शुरू कर देती हूं कि बेड के नीचे कोई है। परदे के पीछे कोई है। फिल्म की शूटिंग में तो हमने बहुत मजे किए। हम अपने सीजीआई (कंप्यूटर से बनाए गए) एक्टर को हर जगह इमेजिन कर रहे थे। मुझ जैसे दर्शक के लिए ये फिल्म इसलिए भी सही है कि इसमें हॉरर और कॉमिडी का अच्छा मिश्रण है। वरना मुझ जैसे लोग तो सिर्फ हॉरर देखने जाएं ही नहीं।

मेरे खिलाफ नफरत बहुत बढ़ गई है, लेकिन अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- मुझे केवल इतना पता है कि मैंने आलमजेब के किरदार में बहुत मेहनत की थी। बाकी पसंद करना न करना दर्शकों के ऊपर है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे खिलाफ नफरत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि मेरे साथ मेरा सपोर्ट सिस्टम है, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा है। इसलिए मुझे किसी चीज से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मीना कुमारी पर दिए बयान को लेकर शर्मिन का कहना है कि लोगों ने उनकी बात को गलत तरीके से लिया है। उन्होंने कभी अपनी तुलना मीना कुमारी से नहीं की। मेरे शब्दों का गलत मतलब निकाला गया है। मैंने ये बिल्कुल नहीं कहा था कि उनकी एक्टिंग में एफर्ट नहीं होते थे।

शर्मिन ने संजीदा को आउटसाइडर बताया था

एक इंटरव्यू के दौरान संजीदा शेख से पूछा गया था कि संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा? संजीदा ने कहा वो परफेक्शनिस्ट हैं। वो बहुत ज्यादा क्रिएटिव हैं। वो चाहते हैं कि कोई भी सीन साधारण न दिखे, वो जो भी करते हैं वो एक्सीलेंस से कम नहीं है। उनके शानदार क्रिएटिव दिमाग, आर्ट के लिए शार्प एडवोकेसी और ईमानदारी के लिए दुनिया भर में उनका सम्मान किया जाता है। इस पर शर्मिन ने संजीदा की बात को काटते हुए कहा था कि परफेक्शनिस्ट, भंसाली के बारे में बताने के लिए एक बेहद ही बेसिक सा वर्ड है। ये ऐसा शब्द है जिसका यूज एक आउटसाइडर इंसान ही कर सकता है, जिसने कभी उनके साथ काम नहीं किया या कभी सेट पर उनके डायरेक्शन को नहीं देखा। मुझे लगता है उनका काम इससे बहुत ज्यादा है। शर्मिन का बयान नेटिजन्स को पसंद नहीं आया। उनको एक्ट्रेस का ये रवैया सही नहीं लगा। यूजर्स का दावा है कि शर्मिन ने संजीदा को टोकते हुए उन्हें 'आउटसाइडर' कहा था।

पश्मिना ने बॉलीवुड में देर से डेब्यू करने की बताई वजह

ऋतिक रोशन की बहन पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में ऋतिक से मिली सलाह के बारे में साझा किया। अभिनेत्री यह भी बताया कि उन्होंने इतनी देर से फिल्मों में क्यों डेब्यू किया? अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म में वह फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच पश्मिना ने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन से मिली सलाह के बारे में साझा किया।

ऋतिक से मिली ये सलाह

साक्षात्कार के दौरान पश्मिना से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें उनके भाई ऋतिक और चाचा राकेश रोशन से कोई सलाह मिली है। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, बिल्कुल, मुझे एक कलाकार के रूप में कैसे सुधार करना है और जीवन में कैसे खुद को बेहतर बनाना है, इसके लिए मुझे उनसे सलाह मिली है। एक फिल्म या एक फिल्म निर्माता को एक चरित्र की आवश्यकता होती है। इससे कम पर समझौता नहीं किया जा सकता। असली खेल तो अब शुरू हो रहा है। मैं शुक्रवार को 'इश्क विश्क रिबाउंड' से डेब्यू कर रही हूं। इस फिल्म के बाद मुझे एक फ्रीलांसर की तरह और काम ढूंढना होगा।

इसलिए देर से किया डेब्यू

अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी देर से क्यों डेब्यू किया, तो उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में होना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। मुझे कैमरे के सामने तैयार रहना पड़ता था। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अपने अभिनय और डांसिंग स्किल पर काम कर रही थी। यह केवल एक महीने का सफर नहीं है, इसमें लंबा समय लगता है। इसे बेहतर बनने में समय लगेगा।'

'इश्क विश्क रिबाउंड' के बारे में

'इश्क विश्क रिबाउंड' की घोषणा के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है। बता दें कि शाहिद कपूर की 'इश्क विश्क' दो दशक पहले अप्रैल 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म में प्रेम और मित्रता के बीच घटित होने वाली चीजों को उजागर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआत पश्मिना के किरदार के जिब्रान को डेट करने से होती है। वहीं, रोहित का किरदार नैला ग्रेवाल के साथ रोमांस करते हुए दिखेगा।

काम करने का तरीका बदल गया है, हमें स्टैंड लेना चाहिए

काई पो चे, सुल्तान और गोल्ड जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके एक्टर अमित साध ने बॉलीवुड पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अच्छे रोल करने के बावजूद उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

बॉलीवुड में काम करने का तरीका एकदम बदल गया है। जिसकी वजह से वो काफी दुखी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमित साध ने कहा- बॉलीवुड में जो हो रहा है, वह दुखद है। अच्छे काम करने के बाद भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। हमें एक दूसरे के लिए खड़े होने की जरूरत है। अगर किसी के साथ कुछ गलत हो रहा है तो मुझे लगता है कि स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन लोग एक दूसरे की आलोचना करते हैं। अमित साध ने कहा- अगर कोई अच्छा काम नहीं कर रहा है तो उसके काम की आलोचना करना एक सही तरीका होना चाहिए। चाहे वह उसके करियर की डेब्यू फिल्म हो या फिर पांचवी। मैं अपनी एक्टिंग की आलोचना न किए जाने के लिए आभारी हूं। मुझे हमेशा बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर ने यूट्यूब पर अपना बाइकिंग और ट्रैवल रिलेटेड शो शुरू किया है। इससे पहले वो पिछले मोटरसाइकिल से भारत भ्रमण पर निकले थे। मुंबई से शुरू हुई उनकी यात्रा लेह लद्दाख पर पहुंचकर पूरी हुई थी। अमित साध कहते हैं कि यात्रा करना उनको बहुत अच्छा लगता है। मोटरसाइकिल उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है। अमित आखिरी बार शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'सुखी' में नजर आए थे।

मेघना की अगली फिल्म में करीना के साथ नजर आएंगे आयुष्मान

हिन्दी सिनेमा को तलवार, छपाक, राजी और सैम बहादुर सरीखी फिल्में देने वाली निर्देशिका मेघना गुलजार एक बार फिर से दर्शकों के सामने वास्तविक घटना पर फिल्म देने की तैयारी में हैं। मेघना की यह फिल्म 2019 में पेशे से जानवरों की डॉक्टर की जिन्दगी पर आधारित है, जिसका चार लोगों ने मदद करने के बहाने से गैंग रेप किया और सबूत मिटाने के नाम पर उसे जलाकर मार डाला। उनकी इस फिल्म में पहली बार करीना कपूर और आयुष्मान खुराना एक साथ काम करते नजर आएंगे। मेघना गुलजार की इस फिल्म का नाम दायरा रखा गया है। लंबे समय से मेघना फिल्म की रिसर्च पर काम कर रही थीं। वो इस फिल्म की सही मायनों में पेश करना चाहती हैं जिससे कोई विवाद न हो। इसलिए लंबा समय लेने के बाद अब करीना और आयुष्मान के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार हैं। 2019 हैदराबाद रेप केस ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। मामला 27 नवंबर 2019 का है। एक 26 साल की जानवरों की डॉक्टर से रेप किया गया और फिर निर्मम तरह से उसे मार कर जला दिया गया। अगले दिन पुलिस को युवती का अध जला हुआ शरीर चटनपल्ली पुल के नीचे मिला।

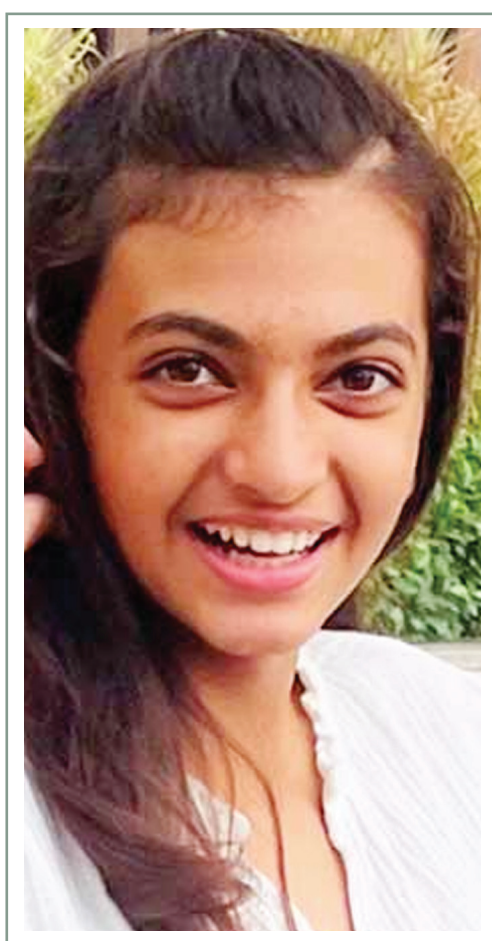

पापा नवाजुद्दीन के नक्शेकदम पर चलने को तैयार शोरा सिद्दीकी

अक्सर स्टारकिड्स अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्मी दुनिया में पहचान बनाते हैं। तमाम उदाहरण इंडस्ट्री में हैं। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा भी अपने पिता की तरह अभिनय की दुनिया में जादू बिखरने की तैयारी में हैं। स्टारकिड्स जब एक्टिंग की दुनिया में आते हैं तो नेपोटिज्म पर भी बहस होती है। बेटी को लेकर नवाज ने बताया है कि शोरा ने स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी से जुड़ने की पहल की है। इसके अलावा इंडस्ट्री में अपना भविष्य बनाने के लिए शोरा वर्ल्ड सिनेमा को भी एक्सप्लोर कर रही हैं। यहां तक कि उन्होंने पिता की मदद लेने से साफ इनकार कर दिया है। नवाजुद्दीन ने फिल्म कंपैनियन के साथ बातचीत में कहा कि उनकी बेटी फिलहाल ट्रेनिंग ले रही हैं। नवाज ने बताया कि उनकी बेटी ने परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी में एडमिशन लिया और अपने टीचर के आगे होथ जोड़कर कहा, मैं एक्टिंग सीखना चाहती हूं। अभिनेता ने शोरा के कोर्स और ट्रेनिंग से जुड़ी जानकारियां भी दीं। साल के आखिर में उनकी योजना एक प्ले में शामिल होने की भी है।

हर तरह से बेटी के पैशर को करते हैं सपोर्ट

नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने कभी शोरा को अभिनय के लिए प्रोत्साहित नहीं किया, लेकिन बेटी के पैशन को उन्होंने हर तरह से सपोर्ट किया है। एक्टर ने कहा कि अब जब उनकी बेटी एक्टिंग में इतनी दिलचस्पी लेती हैं तो और लोग भी उसे आगे बढ़ाते हैं। नवाज के मुताबिक, शोरा यह काम स्वतंत्र रूप से कर रही हैं। नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्हें तो लंबे समय तक बेटी के आर्ट फैकल्टी जाने की जानकारी ही नहीं थी। यह भी नहीं पता था कि कौन-सी वर्कशॉप करती हैं। शोरा खुद सबकुछ सर्च करती हैं, अपनी मां से बताती हैं और फीस के लिए फिर उनसे बात करती हैं।

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन करने जा रही हैं निकाह!

ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि सुजैन खान अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। वहीं इन खबरों के बीच कल सुजैन खान अर्सलान गोनी के संग ईद मनाती नजर आईं। सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कई सारी तस्वीरों को एक साथ एक वीडियो के रूप में साझा किया है। सुजैन खान की इन तस्वीरों में अली गोनी, जैस्मिन भसीन और गोनी परिवार के कई सदस्य नजर आ रहे हैं। सुजैन खान की इस फोटो को देखकर एक यूजर ने लिखा है -अब तो निकाह कर ही लीजिए, वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, दोनों की जोड़ी कमाल लगती है।

संक्षिप्त समाचार

इंफोसिस का कर्मचारियों के लिए अनोखा ऑफर, शहर बदलने पर कंपनी देगी 8 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने कर्मचारियों के लिए एक अनोखा ऑफर पेश किया है। कंपनी अपने कर्मचारियों को शहर बदलने के लिए 8 लाख रुपए तक ऑफर कर रही है। हालांकि यह ऑफर इंफोसिस के सभी कर्मचारियों के लिए नहीं है। इंफोसिस के वैसे कर्मचारी इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं, जो बैंड-2 में या उससे ऊपर के बैंड में हैं। इंफोसिस का यह ऑफर देश भर में स्थित कंपनी के किसी भी डेवलपमेंट सेंटर में काम कर रहे उन कर्मचारियों के लिए है, जो प्रोजेक्ट डिलीवरी को हैंडल कर रहे हैं। ऑफर का लाभ उठाने के लिए पात्र कर्मचारी को कर्नाटक के हुबली शहर में शिफ्ट होना पड़ेगा और कम से कम 2 साल यहां से काम करेंगे। इसके लिए कंपनी 8 लाख रुपए तक का भुगतान करेगी। दरअसल देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी ने बड़े शहरों की जगह छोटे शहरों को हब बनाने की रणनीति तैयार की है। इसके तहत इंदौर, नवी मुंबई, नागपुर, कोयम्बटूर, हुबली जैसे कई टियर-2 शहरों में ऑफिस खोले गए हैं। इंफोसिस कर्नाटक के हुबली शहर में अपनी उपस्थिति को मजबूत बनाना चाह रही है। इसी कारण उसने हुबली में ट्रांसफर कराने वाले कर्मचारियों के लिए ये ऑफर तैयार किया है। इंफोसिस की ट्रांसफर पॉलिसी के अनुसार, बैंड-3 या उससे नीचे के बैंड में काम कर रहे कर्मचारियों को शिफ्ट होने पर शुरुआत में 25 हजार रुपए का रिलोकेशन अलाउंस मिलेगा। उसके बाद उन्हें 2 साल तक हर छह महीने पर 25-25 हजार रुपए मिलेंगे।

पारंपरिक तरीकों से अलग रोबोटिक प्रक्रिया, 98 प्रतिशत रोगियों में अब तक मिली सफलता

नई दिल्ली। चिकित्सा क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक ने कई बड़े क्रांतिकारी बदलाव किए हैं दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल ने रोबोटिक कार्डियक सर्जरी से मरीजों की सबसे तेज और बेहतर रिकवरी हो रही है स्थिति यह है कि पारंपरिक तरीकों से अलग इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 98 फीसदी रोगियों में सफलता हासिल हुई है यह जानकारी नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. एमएम यूसुफ और डॉ. वरुण बंसल ने एक सम्मेलन के दौरान साझा की। मरीजों को उन्नत उपचार विकल्प प्रदान करने वाली अपनी राष्ट्रव्यापी पहल पर आगे बढ़ते हुए अपोलो अस्पताल का यह कार्यक्रम रोबोटिक हार्ट सर्जरी और रोबोटिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग को अपनाने पर केंद्रित रहा। अपोलो अस्पताल के रोबोटिक्स और मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार एवं हृदय विशेषज्ञ डॉ. एमएम यूसुफ ने कहा हृदय देखभाल में रोबोटिक कार्डियक सर्जरी एक परिवर्तनकारी प्रगति का प्रतीक है। इस अत्याधुनिक रोबोटिक प्रौद्योगिकी से हम बेहद सटीक और कम जोखिम भरी प्रक्रियाएं करने में सक्षम हैं जो मरीज के लिए जटिलताओं को काफी कम कर देती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह तकनीक इलाज के साथ यह तकनीक हमारे मरीजों को त्वरित गतिशीलता प्रदान करती है। इसके अलावा, घाव के निशान कम होते हैं और मरीज तेजी से अपने सामान्य जीवन में वापस लौटने लगता है। डॉ. यूसुफ ने बताया कि रोबोटिक तकनीक का एकीकरण न केवल सर्जरी की सटीकता को बढ़ाता है बल्कि मरीजों और उनके परिवार पर शारीरिक और भावनात्मक बोझ भी कम करता है।

टैक्स में कटौती, रोजगार और रिफॉर्म पर रहेगा फोकस, ऐसा हो सकता है इस बार सरकार का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। नई सरकार का गठन हो चुका है, एनडीए के गठबंधन से एक बार फिर नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बन गए हैं। पिछली सरकार ने 1 फरवरी को देश का अंतरिम बजट पेश किया था, अब जब नई सरकार बन चुकी है तो जल्द ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पूर्ण बजट भी पेश करेंगी। इस बजट से आम जनता से लेकर टैक्सपेयर्स और नौकरीपेशा लोगों को कई उम्मीदें हैं।

अगले महीने पेश होने वाले बजट को लेकर सलाह मशविरा का दौर शुरू हो गया है लेकिन अब तक जो संकेत मिल रहे हैं उसके मुताबिक इस बार के बजट में बीजेपी मेनिफेस्टो और चुनावी नतीजे की छाप दिख सकती है। इन सबमें भी सबसे ज्यादा फोकस रोजगार देने, रिफॉर्म, टैक्सपेयर्स और मिडल क्लास पर हो सकता है।

ऐसा हो सकता है बजट

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पूर्ण बजट में सबसे ज्यादा फोकस जिन केटेगरी पर रहने वाला है उनमें मिडल क्लास हो सकता है। मिडल क्लास को राहत देने का सबसे सीधा रास्ता होता है इनकम टैक्स में राहत देना। हालांकि अब तक सरकार का रुख रहा है कि न्यू टैक्स रीजीम मीडिल क्लास को राहत देने वाली है लेकिन निति निर्धारकों के बीच एक वर्ग है जो मानता है कि इनकम टैक्स के मोर्चे पर इससे कहीं ज्यादा किए जाने की जरूरत है। इससे कंजम्शन ग्रोथ में गिरावट आई है उसे भी बढ़ाया जा सकता है। इसी तरह होम लोन पर सब्सिडी मुहैया कराना भी एक अच्छा विकल्प माना जाता है। इससे ना सिर्फ आम लोगों को सस्ते में घर मिल जाएगा बल्कि रीयल एस्टेट और उससे जुड़े सेक्टर को भी बूस्ट मिलेगा।

गौरतलब है कि भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में मिडल क्लास के लिए घर के निर्माण की लागत को कम करना, पंजीकरण की कीमत को करना जैसे वादे भी किए हैं। ऐसे में में सरकार इस पर अपना फोकस बढ़ा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, बजट में सालाना 15 लाख रुपए कमाने वाले व्यक्तियों को आयकर में राहत मिलने की उम्मीद है। मौजूदा समय में इनकम टैक्स स्लैब में 15 लाख रुपए तक की सालाना कमाई पर 5 से 20 प्रतिशत तक टैक्स चुकाना पड़ रहा है। इसी तरह 15 लाख से अधिक कमाई पर 30 फीसदी की दर से टैक्स चुकाना पड़ता है।

रोजगार पर फोकस

बजट का जिन मुद्दों पर फोकस रहने वाला है उनमें से एक हो सकता है रोजगार। इसके लिए मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने पर जोर रहने वाला है। वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की सफलता से सरकार काफी उत्साहित दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक इस PLI स्कीम का दायरा बढ़ाते हुए कुछ नए सेक्टर को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। मसलन, खिलौना, फर्नीचर जैसे प्रोडक्ट शामिल हो सकते हैं। रोजगार बढ़ाने के लिए टूरिज्म जैसे सर्विस सेक्टर और छोटे और मझौले शहरों में स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर फोकस हो सकता है। शैक्षणिक और व्यावहारिक स्किल को जोड़ने के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम की भी शुरुआत हो सकती है।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड ने हांगकांग में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी को शामिल करके अपने ओवरसीज़ ऑपरेशंस का विस्तार किया

नई दिल्ली , एजेंसी। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड (एनएसई इमर्जः), भारत के डायनामिक इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल गुड्स मार्केट में तेजी से बढ़ती लीडिंग कंपनी, गर्व से हांगकांग में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना की घोषणा करती है, जिसका नाम सेलेकोर गैजेट्स एचके लिमिटेड है। यह स्ट्रेटिजिक इनिशिएटिव, ग्रोथ के लिए कंपनी की घोषित ब्लू प्रिंट के अनुसार, अपनी सप्लाई चेन क्षमताओं को बढ़ाने और जो भी उपलब्ध अवसर हैं, उनका लाभ उठाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

हांगकांग में स्ट्रेटिजिकली स्थित, जिसे एशिया के इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है, नई सहायक कंपनी सेलेकोर गैजेट्स की महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स और ऑपरेशनल गतिविधियों की खरीद के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेगी, साथ ही हांगकांग के मज़बूत लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बिज़नेस-फ्रेंडली एनवायरनमेंट के साथ, कंपनी का लक्ष्य अपनी सप्लाई चेन क्षमताओं को और अधिक ऑप्टिमाइज़ करना तथा अपने ग्राहकों को इनोवेटिव, हाई-क्वॉलिटी वाले लागत-संपूर्ण प्रोडक्ट्स देने में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को मज़बूत करना है।

सेलेकोर गैजेट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि, हम हांगकांग में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं, एक ऐसा कदम जो इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल गुड्स के मार्केट की बढ़ती मांगों को पूरा करने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है।

यह विस्तार हमें प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और भागीदारों के करीब रखता है, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और कस्टमर सेटिस्फेक्शन के प्रति हमारे कमिटमेंट को मज़बूत करता है।

हांगकांग की स्ट्रेटिजिक लोकेशन और स्थापित सप्लायर नेटवर्क सेलेकोर गैजेट्स के ऑपरेशंस को सुव्यवस्थित करने, लीड टाइम को कम करने और बाज़ार के रुझानों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा। सहायक कंपनी रीज़नल डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देगी, विकास के अवसरों को बढ़ाएगी और प्रमुख कन्सम्प्शन सेंटर्स में सीमलेस मार्केट प्रवेश की सुविधा प्रदान करेगी।

जैसा कि सेलेकोर गैजेट्स अपने उत्पाद की पेशकशों में इन्नोवेशन और विस्तार करना जारी रखता है, हांगकांग की सहायक कंपनी की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक उपभोक्ता टिकाऊ उद्योग में टेक्नलाजिकल एडवांसमेंट और सस्टेनेबिलिटी लाने के लिए हमारे समर्पण की पुष्टि करती है। इससे पहले कंपनी ने अपने महत्वाकांक्षी सेल्स माइलस्टोन की ओर कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए अपने स्ट्रेटिजिक ब्लूप्रिंट को प्रकट किया। यह व्यापक योजना विकास को गति देने और मार्केट लीडरशिप तय करने के लिए ऑपरेशंस और मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करती है। कंपनी छह बिज़नेस स्ट्रेटिजीज़ पर खासा फोकस कर रही है। सबसे पहले, मैन्युफैक्चरिंग व्यवस्थाओं को मज़बूत करना जिसमें कुशल प्रोडक्शन प्रॉसेस, सतत प्रोडक्ट क्वॉलिटी और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज़ के साथ स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप या एग्रीमेंट बनाना शामिल है। इसमें कुछ मैन्युफैक्चरिंग टास्क को आउटसोर्स करना, ऑटोमेशन और टेक्नोलॉजी में निवेश करना, क्वॉलिटी कंट्रोल प्रोटोकॉल लागू करना और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहित करना शामिल है। दूसरी स्ट्रेटजी प्रभावी इन्वेंट्री मैनेजमेंट को शामिल करती है जो कैरीइंग कॉस्ट (वहन लागत) को कम करने, स्टॉक आउट को कम करने और सारी ऑपरेशनल इफिशन्सी में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, टेस्ला ऐमजॉन से ज्यादा सैलरी देती है फेसबुक

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की टॉप 10 कंपनियों में से आठ अमेरिका की हैं। मैग्नीफिशिएंट 7 में मेटा, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, टेस्ला और ऐमजॉन शामिल हैं। इन कंपनियां का मार्केट कैप करीब 15 ट्रिलियन डॉलर है जो अमेरिका की कुल जीडीपी का करीब आधा है। इनमें से तीन कंपनियों एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल का मार्केट कैप तीन ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। अमेरिका में औसतन सालाना सैलरी 60 हजार डॉलर है। लेकिन मैग्नीफिशिएंट 7 में शामिल कंपनियों में अधिकांश कंपनियों के कर्मचारियों की औसतन सालाना सैलरी नेशनल एवरेज से अधिक है। आइए जानते हैं कि इन कंपनियों के स्टाफ को सालाना औसतन कितनी सैलरी मिलती है। पिछले साल मीडियन एम्प्लॉयी पे के हिसाब से देखें तो इसमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स सबसे आगे है। मार्क जकरबर्ग की अगुवाई वाली इस कंपनी में कर्मचारियों की सालाना औसतन सैलरी 379 हजार डॉलर है। महीने के हिसाब से देखें तो यह करीब 31.58 हजार डॉलर बैठती है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 316 हजार डॉलर का साथ दूसरे नंबर पर है। एनवीडिया (267 हजार डॉलर) तीसरे, माइक्रोसॉफ्ट (194 हजार डॉलर) चौथे और ऐपल (94 हजार डॉलर) पांचवें नंबर पर है। लेकिन टेस्ला और ऐमजॉन के कर्मचारियों की औसत सैलरी अमेरिका नेशनल एवरेज से कम है। टेस्ला में मीडियन एम्प्लॉयी पे 46 हजार डॉलर और ऐमजॉन में 36 हजार डॉलर है। यानी ऐमजॉन के कर्मचारियों को हर महीने औसतन तीन हजार डॉलर का वेतन मिलता है। जहां तक सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ का सवाल है तो इस मामले में ऐपल के सीईओ टिम कुक पहले नंबर पर हैं। आईफोन और आईपैड बनाने वाली इस कंपनी ने पिछले साल अपने सीईओ को 6.3 करोड़ डॉलर का भुगतान किया था। ऐमजॉन के एंडी जैसी को पिछले साल 14 करोड़ डॉलर का वेतन मिला था। टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने अपने सीईओ एलन मस्क के लिए 56 अरब डॉलर का पैकेज मंजूर किया था। लेकिन मस्क को पिछले साल कोई सैलरी नहीं मिली। उन्हें स्टॉक ऑप्शंस के जरिए भुगतान किया जाता है। मस्क टेस्ला समेत कई कंपनियां चलाते हैं। वह 208 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति हैं।

पॉकेट एफएम की ऑडियो सीरीज़ इंस्टा एम्पायर में

मुम्बई, एजेंसी। एक टीवी कपल के तौर पर लोगों में खासी लोकप्रियता रखने वाले निशांत मलकानी और नायरा एम. बैनर्जी ने अपने फैन्स के बीच एक बार फिर से वापसी कर ली है.? इस बार दोनों पॉकेट एफएम की ब्लॉकबस्टर ऑडियो सीरीज़ इंस्टा एम्पायर में अपनी खूबसूरत आवाज़ के ज़रिए लोगों के बीच उपस्थित होने? जा रहे हैं. निशांत और नायरा दोनों को ही टीवी और ओटीटी शोज़ में अभिनय के? लिए खूब सराहा जाता रहा है. अब दोनों की इस अद्भुत केमिस्ट्री को लोग उनकी आवाज़ के ज़रिए महसूस कर सकेंगे. प्रोमो में, नक्ष का किरदार निभा रहे निशांत और अनिका का किरदार निभा रही नायरा अपने रिश्ते को लेकर उलझे हुए नज़र आ रहे हैं। अनिका नक्ष से शर्मिंदा है और उसकी हर कोशिश को नकारती है, जबकि नक्ष लगातार अनिका के लिए अपनी सच्ची चिंता साबित करने की कोशिश करता है। निशांत का संयमित आत्मविश्वास और आकर्षण, उसके शांत और संयमित व्यवहार को दर्शाता है, जबकि नायरा बेबाक और उग्र है। यह जोड़ी निश्चित रूप से बहुचर्चित सीरीज़ में नक्ष और अनिका के रूप में एकदम सही चाक और चीज़ जोड़ी है। ऑन और ऑफ-स्क्रीन दोनों जगह उनकी सहज दोस्ती और बंधन, उनके किरदारों नक्ष और अनिका में जीवंतता भरते हैं, जो कहानी को प्रामाणिकता और गहराई से समृद्ध करते हैं। सीरीज़ में नक्ष का रोल निभा रहे निशांत मलकानी ने अपनी खुशी को ज़ाहिर करते हुए कहा, इंस्टा एम्पायर में नक्ष का रोल निभाना मेरे लिए तमाम तरह के जज़्बाती अनुभवों से गुज़रने के समान रहा ।

भारत में न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में ब्लिस वेलनेस ने बनाई अपनी पहचान

इंदौर, एजेंसी। निरंतर बदलते न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट के क्षेत्र में, भारत इनोवेशन में सबसे आगे है, और कई अत्याधुनिक ट्रेंड्स को बढ़ावा दे रहा है जो इस इंडस्ट्री को एक नया आकार दे रहे हैं। पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन से लेकर फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स तक, ऐसे कई लेटेस्ट इनोवेशन हैं जिन्होंने जो न्यूट्रास्यूटिकल सेक्टर में क्रांति ला रही हैं।

हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स के लिए प्रसिद्ध न्यूट्रास्युटिकल ब्रांड ब्लिस वेलनेस की को-फाउंडर हिरनी देसाई के अनुसार, भारत न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में इनोवेशन और विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। जैसे-जैसे उपभोक्ता अपने स्वास्थ्य और भलाई के प्रति अधिक जागरूक होते जा रहे हैं, पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन, फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स की मांग में वृद्धि जारी रहेगी, जो न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। ब्लिस वेलनेस ने पिछले कुछ सालों में इस नए डेवलपमेंट में काफी काम किया है और बाकी ब्रांड्स के लिए एक प्रेरणा बनकर खड़े हुए हैं।

पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन पर हिरनी देसाई बताती हैं कि, न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है और तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ग्रैंड व्यू रिसर्च के अनुसार, ग्लोबल पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन मार्केट 2025 तक .16.4 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसकी ष्ट्रत्नक्र9.0 प्रतिशत है। टेक्नोलॉजी और डेटा एनालिटिक्स में विकास के साथ, कंपनियां जेनेटिक टेस्टिंग, बायोमार्कर एनालिसिस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एल्गोरिदम का उपयोग करके हर किसी की अपनी जरूरतों के अनुसार न्यूट्रीशन प्लान और सप्लीमेंट को तैयार कर रही हैं। यह पर्सनलाइज्ड अप्रोच न केवल कंज्यूमर सेटिस्फेक्शन को बढ़ाता है बल्कि पोषण संबंधी हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को भी अधिकतम करता है। ब्लिस वेलनेस कई वर्षों से इस अप्रोच पर काम कर रहा है।

फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स पर हिरनी कहती हैं कि, न्यूट्रास्यूटिकल इनोवेशन में फंक्शनल फ़ूड पिछले कुछ सालों में काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है, जिसने भोजन और औषधि के बीच की सीमाओं कम दिया है। रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, भारत में फंक्शनल फ़ूड का बाजार 2021 से 2026 तक 10.6 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है, जो बढ़ती जागरूकता और सुविधाजनक न्यूट्रीशनल सॉल्यूशन की मांग से प्रेरित है। भारत में, विटामिन, खनिज, प्रोबायोटिक्स और अन्य बायोएक्टिव कंपाउंड से भरपूर फंक्शनल फ़ूड काफी लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि उपभोक्ता अपने स्वास्थ्य और भलाई का समर्थन करने के लिए सुविधाजनक और प्रभावी तरीकों की तलाश कर रहे हैं। फोर्टिफाइड पेय पदार्थों से लेकर फंक्शनल स्नैक्स तक, बाजार में उपभोक्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले प्रोडक्ट्स की बाढ़ आ गई है। वहीँ दूसरी तरफ पॉलीफेनोल्स, फ्लेवोनोइड्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे बायोएक्टिव कंपाउंड्स अपने शक्तिशाली स्वास्थ्य वर्धक गुणों के लिए पसंद किए जा रहे हैं। ट्रांसपेरेंसी मार्केट रिसर्च के अनुसार, भारत में बायोएक्टिव कंपाउंड्स का बाजार 2025 तक .1.5 बिलियन से अधिक होने का अनुमान है। भारत में न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद डेवलपर्स इन्फ्लेमेशन, मानसिक स्वास्थ्य और हृदय स्वास्थ्य सहित कई स्वास्थ्य चिंताओं को कम करने वाले सप्लीमेंट्स और फंक्शनल फ़ूड को तैयार करने के लिए इन बायोएक्टिव कंपाउंड्स का उपयोग कर रहे हैं। हल्दी और अश्वगंधा जैसे बायोएक्टिव कंपाउंड्स से समृद्ध पारंपरिक भारतीय औषधियां इन उत्पादों की अपील को और बढ़ाता है।

इटर्निया ने मध्यप्रदेश के भोपाल में खोला नया शोरूम

स्टाइलिश खिड़कियों की पेशकाश कर बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत की

इटर्निया का नया स्टोर रोहित नगर, फेज़ 1 में स्थित है

भोपाल। हिंडाल्को के एक डिविजन, इटर्निया ने आज शहर में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया। इटर्निया भारत का एकमात्र ऐसा ब्राण्ड है जोकि ड्यूरेनियम से बनी खिड़कियां उपलब्ध कराता है। यह एक पेटेंडेड एल्युमिनियम एलॉय है जिसका आविष्कार हिंडाल्को ने किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल में स्थित इस एक्सक्लूसिव शोरूम में इटर्निया की प्रीमियम वीवा प्रमाणित खिड़कियां प्रदर्शित की गई हैं जोकि घरों के अंदर आवाज, प्रदूषण, पानी की लीकेज और तूफानी हवाओं को आने से रोकता है। यह स्टोर मुख्य रूप से भोपाल के लोगों को प्रीमियम सिस्टम एल्युमिनियम विंडो समाधान उपलब्ध कराने के लिए खोला गया है। यह नया स्टोर इटर्निया की महत्वाकांक्षी विस्तार योजना का हिस्सा है और इससे देशभर में इसकी उपस्थिति मजबूत होगी। मध्यप्रदेश में यह इटर्निया का दूसरा स्टोर है। इससे पहले अप्रैल महीने में कंपनी इंदौर में अपना पहला स्टोर खोला था। भोपाल में ब्राण्ड का प्रवेश करना बाजार में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने और ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस रिटेल स्टोर में ग्राहकों की जरूरतों और क्लाइंट की पसंद को पूरा करने के लिए उत्पादों की एक विशाल रेंज पेश की गई है। इस स्टोर को खरीदारी का बेहतरीन अनुभव देने के अनुरूप ही तैयार किया गया है। लोग यहां आकर कोई भी उत्पाद खरीदने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी लेकर उससे पूरी तरह अवगत हो सकते हैं। भोपाल में इटर्निया स्टोर का उद्घाटन 18 जून को केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौड़ और विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आलोक संजर ने किया।

नेहल बाजारी, हेड-मार्केटिंग, इटर्निया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आदित्य बिरला ग्रुप का कहना है, इंदौर में हमारे स्टोर को काफी सफलता मिली है, जिसकी वजह से ही हम मध्यप्रदेश में एक और स्टोर खोलने के लिए प्रेरित हुए। टियर-सेकंड शहरों में महानगरीय प्रभाव और लाइफस्टाइल की वजह से लक्ज़री उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसलिए, हमने भोपाल में आने का फैसला किया। इसके साथ ही इटर्निया तेजी से विस्तार कर रहा है और हमारा नया स्टारे हमारी महत्वाकांक्षी सोच से मेल खाता है। हम देश में एल्युमिनियम दरवाजों और खिड़कियों का एक पसंदीदा ब्राण्ड बनना चाहते हैं।''

बादाम की अच्छाइयों के साथ मनाएं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मुम्बई, एजेंसी। हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला योग दिवस, स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर योग के व्यापक प्रभाव को बताता है। योग को शामिल करने से उसके शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के महत्व को बताना ही इस दिवस का उद्देश्य है। योग का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए संतुलित, स्वच्छ और सेहतमंद आहार को बनाए रखना बेहद जरूरी है। आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा हाल ही में कराए गए अध्ययन विटार्ड में यह बात सामने आई है कि वर्कआउट से पहले के लिए भी बादाम एक अच्छा स्नैक है, क्योंकि ये मांसपेशियों की सूजन को दूर करता है और एक्सरसाइज के बाद रिकवरी को तेज करता है। इसलिए, बेहतर परिणाम पाने के लिए वर्क-आउट से पहले वाले स्नैक में बादाम को शामिल करना ना भूलें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, मैं काफी लंबे समय से योग कर रही हूं और मैंने सेहत पर इसका काफी अच्छा प्रभाव महसूस किया है। इससे पेट की सेहत बेहतर होती है, इम्युनिटी में सुधार होता है, त्वचा अच्छी हो जाती है और ऐसे ही काफी सारे फायदे नजर आते हैं।

डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुम्बई, एजेंसी। डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड का आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून को बंद होगा। कंपनी 64,50,000 इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिसका प्राइस बैंड 10 रुपये अंकित मूल्य पर 51-54 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड मुख्य रूप से दूध प्रोटीन सांद्रण, स्किम्ड मिल्क पाउडर, डेयरी व्हाइटनर, मट्ठा प्रोटीन सांद्रण, दूध मट्ठा पाउडर, कैसिइन, अनब्रांडेड क्रीम, मक्खन और शिशु दूध फार्मूला के लिए वसा युक्त पाउडर सहित डेयरी सामग्री बनाने के लिए संपूर्ण दूध और स्किम्ड दूध का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया में सक्रिय है. कंपनी की प्रसंस्करण सुविधा डिंडीगुल, तमिलनाडु और भारत में स्थित है और 15 एकड़ में फैली हुई है।

कंपनी मुख्य रूप से डेयरी सामग्री के प्रसंस्करण में लगी हुई है। संपूर्ण दूध से स्किम्ड दूध के प्रसंस्करण के अलावा, एक विविध उत्पाद टोकरी भी है। कंपनी 50,000 लीटर दूध सीधे किसानों से और लगभग 30,000-1,00,000 लीटर दूध खुले बाजार या तीसरे पक्ष के आपूर्तिकर्ताओं से खरीदती है। कंपनी ने 150 से अधिक ग्रामीण संग्रह केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया है, जिसकी 4000 से अधिक किसानों और 50 से अधिक डेयरी फार्मों तक सीधी पहुंच है। कंपनी के उत्पादों का विपणन इनुट्रिका ब्रांड के तहत किया जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी ने भारत के 15 राज्यों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 3 देशों में उत्पाद बेचे हैं और इसका लक्ष्य अधिक आसियान और यूरोपीय देशों में प्रवेश करके अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करना है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर पिछले तीन वित्तीय वर्षों में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021 में कुल राजस्व/शुद्ध लाभ/- (हानि) रु. 18.40 करोड़/रु. -(4.62) करोड़, वित्त वर्ष 2022 में रु. 28.45 करोड़/रु. -(4.16) और वित्तीय वर्ष 2023 में रु. 81.99 करोड़/रु. 5.16 करोड़ देखा गया है. 23 दिसंबर, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के 267 दिनों के लिए इसने रु। 5.89 करोड़ शुद्ध लाभ और कुल राजस्व रु. 68.76 करोड़ हासिल किया। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में इसका औसत ईपीएस रु. - रु. 0.84, और औसत निवल मूल्य पर रिटर्न (निश्चित नहीं) प्रतिशत। निर्गम मूल्य इसके शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य के 23.58 रुपये के पी/बीवी पर है।

रोहित से भिड़ना तंजीम को पड़ा महंगा, ICC ने ठोका जुर्माना, नियमों के उल्लंघन पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तंजीम के खिलाफ आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने के चलते कार्रवाई की गई। इसके तहत किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी, सहयोग कर्मा, अंपायर, मैच रैफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क करने पर कार्रवाई की जाती है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब को नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल से भिड़ना महंगा पड़ गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नियमों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। 16 जून को किंग्सटाउन में बांग्लादेश और नेपाल के बीच खेले गए मैच के दौरान दोनों आमने-सामने आ गए थे।

क्या है मामला?

दरअसल, यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की है। बांग्लादेश की तरफ से तंजीम हसन साकिब गेंदबाजी कर रहे थे।

पहली पांच गेंदों में कोई रन नहीं बना। तंजीम दो विकेट लेकर कहर बरपा रहे थे। ओवर की आखिरी गेंद पर रोहित ने डिफेंस किया। हालांकि, इस पर भी कोई रन नहीं बना। तंजीम नेपाल के कप्तान को घूरने लगे जिसके बाद रोहित भी उनके पास चले गए। दोनों के बीच बहस हुई, जिसके बाद माहौल गर्म होता देख अन्य खिलाड़ियों ने बीच बचाव किया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें रोहित बांग्लादेशी गेंदबाज को दूर जाने के लिए कहते नजर आए।

आईसीसी ने की कार्रवाई

आईसीसी की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर तंजीम के खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने कहा, यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की समाप्ति के ठीक बाद हुई। तंजीम ने एक गेंद फेंकने के बाद नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल की ओर आक्रामक तरीके से घूरते हुए दिखे। साथ ही अनुचित शारीरिक संपर्क किया करने की कोशिश की।

अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में जुड़ा एक डिमेरिट पॉइंट

तंजीम के खिलाफ आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने के चलते कार्रवाई की गई। इसके तहत किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी, सहयोग कर्मा, अंपायर, मैच रैफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क करने पर कार्रवाई की जाती है। तेज गेंदबाज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था।

टिम साऊदी भी हो चुके द्बष्टष्ट की कार्रवाई का शिकार

यह पहला ऐसा मामला नहीं है जब आईसीसी ने किसी खिलाड़ी के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन करने पर कार्रवाई की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी पर वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद कार्रवाई की गई थी। 18वें ओवर में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम में वापस जाते समय उन्होंने गुस्से में हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर तोड़ दिया था। हालांकि, उन पर जुर्माना नहीं लगा था। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

यूरो 2024

पुर्तगाल ने चेक गणराज्य को हराकर जीत के साथ किया आगाज

लीपजिग, एजेंसी। स्टॉपेज टाइम में सब्स्टीट्यूट फ्रांसिस्को कोंसिकाओ के गोल की मदद से पुर्तगाल ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। मैदान पर 90वें मिनट में उतरे कोंसिकाओ ने 92वें मिनट में गोल दागा। चेक गणराज्य के लिए लुकास प्रोवोड ने 62वें मिनट में गोल दागा। इसके आठ मिनट बाद पुर्तगाल के

लिए रानाक ने रिबाउंड पर बराबरी का गोल किया। इससे करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैम्पियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था।

छह यूरो चैम्पियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। वह पुर्तगाल के लिये टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं।

विराट कोहली बने सबसे महंगे सेलिब्रिटी, रणवीर सिंह और शाहरुख खान को पछाड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस समय भारत में सबसे महंगे सेलिब्रिटी की सूची में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और रणवीर सिंह को पछाड़ दिया है। कोहली मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, लेकिन इससे उनकी सेलिब्रिटी वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंसल्टेंसी फर्म क्रॉल के अनुसार पिछले साल की तुलना में विराट की कुल ब्रांड वैल्यू में करीब 29 फीसदी का इजाफा हुआ है। साल 2023 में कोहली की ब्रांड वैल्यू करीब 227.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई थी। दूसरे स्थान पर रणवीर सिंह रहे, जिनकी ब्रांड वैल्यू 203.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही जबकि सुपरस्टार और आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान 120.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस सूची में एमएस धोनी और सचिन तेंदुलकर भी शामिल हैं। धोनी की ब्रांड वैल्यू 95.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जबकि सचिन 91.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ आठवें स्थान पर हैं। इस बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर का मानना ??है कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली का खराब प्रदर्शन चिंताजनक नहीं है, क्योंकि यह तूफान से पहले की शांति है। कोहली ने पिछले मैच में यूएसए के खिलाफ शून्य पर आउट होने से पहले आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 1 और 4 रन बनाए थे। पूर्व भारतीय कप्तान टूर्नामेंट में कप्तान रोहित शर्मा के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं। कोहली के फॉर्म पर किसी भी संदेह को दूर करते हुए बांगर ने न्यूयॉर्क की पिच की चुनौतीपूर्ण प्रकृति का उल्लेख किया, जहां भारत ने तीनों मैच खेले। अनुभवी ने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि यह पहली बार है जब कोहली आईसीसी टूर्नामेंट में ओपनिंग कर रहे हैं।

यदि वेस्ट इंडीज की पिचें टर्न लेती हैं तो कुलदीप विकेट निकाल सकते हैं : फ्लेमिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विकेट लेने वाला गेंदबाज बताते हुए कहा है कि वह वेस्ट इंडीज की टर्न लेती पिचों पर सुपर आठ में कहर बरपा सकते हैं। भारत ने ग्रुप चरण मैचों में आलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को स्पिनर के रूप में रखा है। अक्षर ने तीन विकेट लिए हैं जबकि जडेजा न्यूयॉर्क चरण में विकेट रहित रहे हैं और फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ मैच बारिश के कारण धुल गया था। फ्लेमिंग ने ईएसपीएन क्रिकइंफो टाइमआउट शो में कहा, हाँ, मुझे ऐसा लगता है, लेकिन उनके पास अभी भी वह अवसर है कि वे दोनों काम कर सकें। आप खेलने के एक तरीके में इतने सेट नहीं हो सकते हैं कि आप परिस्थितियों का लाभ उठाने के अवसर चूक जाएं लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि अगर विकेट टर्न प्रदान करते हैं तो शायद कुलदीप विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता प्रदान करने के लिए आएंगे क्योंकि उनका थोड़ा अधिक उपयोग हो जाता है और आप टूर्नामेंट के अंत के करीब पहुँच जाते

हैं।भारत के टीम संयोजन पर टिप्पणी करते हुए, अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि भारत के पास किसी भी स्थिति में खेलने के लिए सभी आधारों के साथ एक संतुलित टीम है।

उन्होंने कहा, जायसवाल एक अच्छे खिलाड़ी हैं, जबकि उन्हें कुछ कठिन निर्णय लेने पड़े, जिससे शीर्ष गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों को छोड़ना हमेशा मुश्किल होता है और जब आपके पास अच्छे खिलाड़ी बैठे हों तो एक योजना बनाना और उस पर टिके रहना हमेशा बहुत मुश्किल होता है, लेकिन उन्होंने जो काम किया है, वह मुझे पसंद है। उन्होंने इसमें सफलता हासिल की है। मेरे विचार से यह एक ऐसी टीम है जिसे कुछ मायनों में फाइनल के लिए चुना गया है, यह एक ऐसी टीम है जिसके पास स्पिनर हैं जो हावी हो सकते हैं। इसमें ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिन पर हावी हो सकते हैं और हमने देखा है कि वेस्ट इंडीज में स्पिन काफी बड़ी भूमिका निभाती है, न्यूयॉर्क में इतनी बड़ी भूमिका नहीं निभाती। फ्लेमिंग ने कहा, तो, मुझे लगता है कि उन्होंने अपना काम पूरा कर लिया है और उनके दिमाग में काफी चतुराई भरी सोच है। ऐसा लगता है कि राहुल और लड़कों ने कुछ ऐसा ही किया है, उन्होंने एक ऐसी टीम चुनी है जिसके बारे में उन्हें लगता है कि यह एक टर्निंग ट्रैक पर खेल सकती है, इससे हमें शीर्ष पर अपना सर्वश्रेष्ठ मौका मिलेगा और इसमें अच्छा संतुलन होगा। भारत आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ लगातार तीन जीत सहित सात अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम गुरुवार, 20 जून को बारबाडोस में अपने पहले सुपर आठ मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगी।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज ने जीता गोल्ड, सीएम नायब सैनी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। जैवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स 2024 में यह सफलता हासिल की है। हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी है। टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में आयोजित पावो नूरमी गेम्स में जेवलिन में यह जीत हासिल की। उन्होंने 85.97 थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया। नीरज ने इस जीत के साथ पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी फॉर्म को लेकर अच्छे संकेत दे दिए हैं। इस खास मौके पर सीएम नायब सैनी ने उन्हें बधाई दी है। सीएम ने कहा, नीरज चोपड़ा को बधाई, वो देश का

सम्मान लगातार बढ़ा रहे हैं। उन्हें गोल्ड मेडल जीतने के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उनकी इस जीत से पूरा देश खुश है, वो आगे भी इसी तरह देश के लिए मेडल जीतते रहें। चोट के बाद वापसी कर रहे नीरज का इस इवेंट में बेस्ट थ्रो 85.97 मीटर का रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने यह दूरी हासिल की। पहले प्रयास में 83.62 का बेस्ट थ्रो नीरज ने ही मारा था। लेकिन दूसरे प्रयास में फिनलैंड के ओलिवर हेलैंडर ने जेवलिन को 83.96 मीटर दूर फेंक दिया। तीसरे प्रयास में नीरज ने जो बढ़त बनाई वो अंत तक कायम रही। अगले महीने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस ओलिंपिक गेम्स का आयोजन होगा, जिससे पहले नीरज की शानदार वापसी ने आगामी पेरिस ओलंपिक को लेकर उनकी मजबूत तैयारियों की गवाही दी है।

नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस, सूर्यकुमार बल्लेबाजों में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी। स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 विश्व कप 2024 के बीच आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए। मौजूदा संस्करण में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की।

शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय – स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। नबी चौथे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा छठे और भारत के हार्दिक पांड्या सातवें स्थान पर हैं। पांड्या को तीन मैचों में शानदार गेंदबाजी की वजह से एक स्थान का फायदा हुआ। शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजों में रशीद शीर्ष पर बरकरार – वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद शीर्ष पर बने हुए हैं। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ भी छह स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी गुडाकेश मोती 16 स्थान की लंबी छलांग के साथ 13वें स्थान पर हैं।

अक्षर शीर्ष 10 टी20 गेंदबाजों में एकमात्र भारतीय – गेंदबाजों में हसरंगा तीसरे, राशिद चौथे, नॉर्त्जे पांचवें और अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी छठे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड सातवें, एडम जैम्पा आठवें और भारत के अक्षर पटेल नौवें स्थान पर हैं। अक्षर को दो स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के महीश तीक्ष्णा 10वें स्थान पर हैं। अक्षर शीर्ष 10 टी20 गेंदबाजों में भारत के एकमात्र खिलाड़ी हैं।

बल्लेबाजों में सूर्यकुमार शीर्ष पर – भारत के सूर्यकुमार यादव खेल के सबसे छोटे प्रारूप में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। फिल

सॉल्ट, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान क्रमश दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड पांच स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन 11वें पायदान पर हैं। पूरन को आठ स्थान का फायदा हुआ है। वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड 43 पायदान की लंबी छलांग के साथ 42वें स्थान पर हैं।नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस, सूर्यकुमार बल्लेबाजों में शीर्ष पर बरकरार

स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 विश्व कप 2024 के बीच आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए। मौजूदा संस्करण में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की।

शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय – स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। नबी चौथे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा छठे और भारत के हार्दिक पांड्या सातवें स्थान पर हैं। पांड्या को तीन मैचों में शानदार गेंदबाजी की वजह से एक स्थान का फायदा हुआ। शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजों में रशीद शीर्ष पर बरकरार – वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद शीर्ष पर बने हुए हैं। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ भी छह स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी गुडाकेश मोती 16 स्थान की लंबी छलांग के साथ 13वें स्थान पर हैं।

बांग्लादेशी स्टार साकिब को ICC ने दी कड़ी सज़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 37वां मैच 17 जून को खेला गया. यह मैच बांग्लादेश और नेपाल के बीच खेला गया. जिसे बांग्लादेश ने 21 रन से जीत लिया. लेकिन इस मैच में एक घटना ने सबका ध्यान खींचा. जिस पर अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सख्त कार्रवाई की है. यह सख्त कार्रवाई बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब के खिलाफ की गई है ।

साकिब पर लगा मैच फिस का 15त्न जुर्माना – तंजीम हसन साकिब को नेपाल के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के दौरान अनुचित आचरण के लिए आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते हुए पाया गया. जिसके बाद उन पर 15त्न मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है.

क्यों लगाया गया साकिब पर जुर्माना? – यह घटना टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच के दौरान की है. नेपाल की पारी के तीसरे ओवर में तंजीम ने एक गेंद फेंकने के बाद आक्रामक तरीके से नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल की ओर बढ़े और उनसे शारीरिक संपर्क किया. दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस और हाथ से इशारे हुए, जिसके बाद मैदानी अंपायर सैम नोगाज्स्की को हस्तक्षेप करना पड़ा.

क्या है आईसीसी का आर्टिकल 2.12 – तंजीम को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया. जो ÷किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहयोगी कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक सहित) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क÷ से संबंधित है. यह तंजीम का 24 महीने में पहला अपराध था, जिसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है. गौरतलब है कि, 24 महीने के अंदर चार या अधिक डिमेरिट पॉइंट पर खिलाड़ियों को प्रतिबंधित किया जाता है. तंजीम ने औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं समझी और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली ।

केन विलियमसन ने शर्मनाक प्रदर्शन के बाद छोड़ी कप्तानी, इस खिलाड़ी ने भी की बगावत!

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। टी20 विश्व कप से न्यूजीलैंड के अप्रत्याशित रूप से जल्दी बाहर होने के बाद कप्तान केन विलियमसन ने 2024 . 25 के लिए राष्ट्रीय अनुबंध ठुकरा दिया है और अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर को विस्तार देने के लिए सीमित ओवरों की कप्तानी भी छोड़ दी है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'सभी प्रारूपों में टीम को आगे ले जाना मेरा जुनून रहा है और मैं आगे भी योगदान देते रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इस सत्र में विदेश में खेलने के मौकों के कारण मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध नहीं ले सकूंगा।'

न्यूजीलैंड को जनवरी में बहुत कम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है। दिसंबर 2022 में टेस्ट कप्तानी छोड़ने वाले विलियमसन इस दौरान तीनों प्रारूप खेलने के लिए उपलब्ध

होंगे। 33 वर्ष के इस धुरंधर ने कहा, 'न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरे लिए खास है और टीम के लिए योगदान देने की मेरी ख्वाहिश जस की तस है। क्रिकेट के बाहर मेरी जिंदगी हालांकि बदल गई है। परिवार के साथ अधिक समय बिताना , उनके साथ देश विदेश में अनुभव का लुत्फ उठाना मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण है।'न्यूजीलैंड टीम को क्रिसमस से पहले आठ टेस्ट खेलने हैं जिनमें भारत दौरा और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला शामिल है। जनवरी में यूएई आईएलटी20, दक्षिण अफ्रीका की एसए20, ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग, बांग्लादेश की बीपीएल होने वाली है। इसके बाद फरवरी मार्च में पाकिस्तान में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी होगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध लेने वाले खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए उपलब्ध रहना होगा।

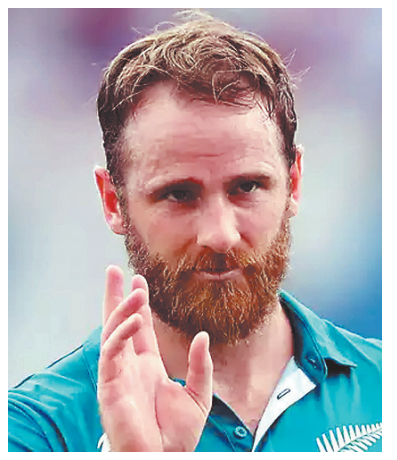

संक्षिप्त समाचार

चीन में सगाई होने लगी तो युवती ने दे दी जान, मंगेतर ने लाउडस्पीकर लगाकर लड़की की मां से मांगे पैसे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक 19 वर्षीय युवती ने नदी में कूदकर अपनी जान दे दी, क्योंकि उसके परिवार ने उसे एक ऐसे व्यक्ति से सगाई करने के लिए मजबूर किया, जिससे वह ब्लाइंड डेट के दौरान मिली थी।रिपोर्ट के अनुसार, उसे उस व्यक्ति से सगाई करने के लिए मजबूर किया गया, जिससे वह सिर्फ पांच दिन पहले मिली थी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मध्य चीन के हेनान प्रांत की टोंगटोंग पर एक ऐसे व्यक्ति से सगाई करने का दबाव बनाया गया, जिससे वह सिर्फ पांच दिन पहले मिली थी, क्योंकि उसकी मां को लगा कि उसकी बेहतर आर्थिक स्थिति उसकी जिंदगी आसान बना देगी। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति के परिवार ने सगाई समारोह में टोंगटोंग की मां को 270,000 युआन (40,000 अमेरिकी डॉलर) दुल्हन की कीमत लगाई।अखबार के अनुसार, मैचमेकर को 4,800 युआन (700 अमेरिकी डॉलर) की फीस मिली। मां ने एक स्थानीय दैनिक को बताया कि उसकी बेटी टोंगटोंग सगाई खत्म करना चाहती थी, लेकिन मैचमेकर ने उसे समझाया कि उसकी मां, जो छह बच्चों की अकेली मां है, को पैसे की जरूरत है। पीड़िता की मौत के बाद, उस व्यक्ति ने उसकी मां से दुल्हन की कीमत वापस करने की मांग की। उसने उसे 180,000 युआन दिए, लेकिन बाकी पैसे वापस करने से इनकार कर दिया क्योंकि उस व्यक्ति ने अपनी उम्र के बारे में झूठ बोला था। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार उसने कहा कि वह टोंगटोंग से चार साल बड़ा है, लेकिन वास्तव में वह उससे आठ साल बड़ा था। । उस व्यक्ति के परिवार ने पैसे की मांग करते हुए उसकी दुकान के सामने कार खड़ी कर दी और लाउडस्पीकर पर लगातार संदेश चलाकर पैसे मांगे।अखबार ने बताया कि उन्होंने एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन से भी इस कहानी को रिपोर्ट करने के लिए कहा।

ईरान के अस्पताल में आग लगने से जिंदा जलकर मर गए 9 मरीज

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उत्तरी हिस्से में स्थित एक अस्पताल में आग लग गई, जिससे 9 मरीजों की जिंदा जलने से मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।सरकारी टेलीविजन ने बताया कि राजधानी तेहरान से उत्तर-पश्चिम में लगभग 330 किलोमीटर (लगभग 205 मील) दूर रश्त शहर के कायम अस्पताल में स्थानीय समयानुसार कल देर रात एक बज कर करीब तीस मिनट पर आग लग गई, जिसमें छह महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई। शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख शाहराम मोमेनी ने सरकारी टीवी पर कहा कि बेसमेंट में बिजली का शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे आग लग गई। वहीं पर गहन चिकित्सा इकाई स्थित है। मोमेनी ने कहा कि आपातकालीन कर्मचारियों ने वहां फंसे 140 से ज़्यादा लोगों, मरीज़ों और अस्पताल के कर्मचारियों को निकाला और उनमें से 120 को अन्य चिकित्सा सुविधाओं में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक वीडियो में आधी रात को अस्पताल से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया।

वर्जीनिया प्राइमरी चुनाव में जीते भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम, बंगलूरू से है नाता

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया राज्य में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की है। सुहास सुब्रमण्यम ने 11 अन्य उम्मीदवारों को पछाड़कर वर्जीनिया सीट से दावेदारी जीती है। जिन 11 उम्मीदवारों को सुहास ने पछाड़ा है, उनमें भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल भी शामिल हैं। सुहास सुब्रमण्यम पहले भारतीय मूल के, दक्षिण एशियाई मूल के और पहले हिंदू नेता हैं, जो साल 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली के चुनाव में चुने गए थे। पहले भी राजनीति में सक्रिय रहे हैं सुहास सुहास सुब्रमण्यम वर्जीनिया स्टेट सीनेट के लिए भी साल 2023 में निर्वाचित हो चुके हैं। अब सुब्रमण्यम वर्जीनिया सीट से यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के लिए चुनाव लड़ेंगे।गौरतलब है कि वर्जीनिया सीट पर बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, ऐसे में सुहास सुब्रमण्यम की दावेदारी खासी मजबूत मानी जा रही है। वर्जीनिया सीट से मौजूदा सांसद जेनिफर वैक्सटन हैं, लेकिन बीते साल उन्होंने एलान किया था कि वह 2024 का चुनाव नहीं लड़ेंगी। वैक्सटन ने भी सुब्रमण्यम की दावेदारी का समर्थन किया था।अब सुहास का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लेंसी से होगा। बंगलूरू से है नाता सुहास सुब्रमण्यम (37 वर्षीय) का जन्म ह्यूस्टन में हुआ था। सुहास के माता-पिता बंगलूरू से अमेरिका शिफ्ट हुए थे।साल 2015 में सुहास को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में टेक्नोलॉजी पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया था।मीडिया के साथ बातचीत में सुहास ने हा कि वह अमेरिका के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस समस्याएं सुलझाने और भविष्य के प्रति सचेत होने के लिए है।हम सिर्फ अगले दो या तीन वर्षों के लिए कानून नहीं बनाएंगे बल्कि ये अगले 20-30 साल रहेंगे।मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे एक बेहतर समाज और एक बेहतर दुनिया में रहें।

कनाडाई संसद में आतंकी निज्जर के लिए मौन रखा गया

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की संसद में मंगलवार (18 जून) को खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के एक साल पूरे होने पर एक मिनट का मौन रखा गया। कनाडाई संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में पहले स्पीकर ग्रेग फर्गस ने शोक संदेश पढ़ा और उसके बाद सभी सांसदों से निज्जर के लिए मौन रखने को कहा गया।

दरअसल, 18 जून 2023 की शाम को कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था। मामले में एक्शन लेते हुए कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत के एक सीनियर डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। हालांकि बाद में ट्रूडो ने कई बार भारत से रिश्ते बनाए रखने की बात कही थी।

ट्रूडो बोले- हमारे भारत के साथ गहरे संबंध : ट्रूडो ने मंगलवार को अमेरिकी न्यूज चैनल छ्ब्रह्ल से बातचीत के दौरान कहा कि त्7 समिट में मुझे कई सारे देशों से बातचीत करने का मौका मिला। उनमें से एक भारत भी था। हमारे भारत के साथ गहरे और महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में मोदी तीसरी बार चुनाव जीत चुके हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे लिए बातचीत के रास्ते खुले हैं। हम दोनों देशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, कनाडाई नागरिकों की सुरक्षा और कानून के शासन जैसे अहम मुद्दे पर बातचीत करेंगे।

इससे पहले जी 7 समिट के दौरान पीएम मोदी ने कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो से मुलाकात की। यह खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या से भारत-कनाडा के बीच शुरू हुए विवाद के बाद पहला मौका था, जब दोनों नेता मिले थे।

निज्जर हत्याकांड में अब तक 4 आरोपी गिरफ्तार : कनाडा ने पिछले महीने ही निज्जर हत्याकांड मामले में 4 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था। एडमॉन्टन में रहने वाले 22 साल के करण ब्रार, 22 साल के कमलप्रीत सिंह और 28 साल के करणप्रीत सिंह पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप में लगे थे। इसके बाद एक और भारतीय अमनदीप सिंह को कनाडाई अधिकारियों ने कुछ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया था।

कनाडा उन लोगों को वीजा देता है जो भारत में वॉन्टेड निज्जर मामले में गिरफ्तारियों के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आरोप लगाया था कि कनाडा उन लोगों को वीजा देता है जो भारत में वॉन्टेड हैं। उन्होंने कहा था कि पंजाब में संगठित अपराधों से जुड़े लोगों का कनाडा में स्वागत किया जाता है। भारत पर आरोप लगाने के बाद कनाडा ने कहा था कि वह इससे जुड़े सबूत भी देगा, जो उसने अब तक नहीं दिए हैं। जयशंकर अलग-अलग मंचों से कई बार ट्रूडो सरकार पर खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाते रहे हैं। हालांकि, एक महीने पहले कनाडा की विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत निज्जर की हत्या की जांच में सहयोग कर रहा है। 90 सेकेंड में दिया था वारदात को अंजाम द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीनों पहले इस हत्याकांड से जुड़ा 90 सेकेंड का एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया था। इसमें निज्जर ग्रे पिकअप ट्रक को पार्किंग से बाहर निकलता दिखाई दिया था। इसके बाद हमलावर सिख गेटअप में आते हैं। उन्होंने 2 कारों से निज्जर के पिकअप ट्रक का काफी समय तक पीछा किया था। कुछ देर में हत्यारों की कार ट्रक के सामने आ गई। इस पर निज्जर ने ट्रक रोक दिया। इसके बाद कार से 2 लोग काली स्वेटशर्ट पहनकर बाहर निकले। उन्होंने निज्जर पर काफी देर तक गोलियां चलाईं और फिर कार में बैठकर फरार हो गए। पुलिस को दो युवकों ने बयान भी दिए थे, जो घटना के वक्त पास ही एक ग्राउंड में खेल रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के मुंह ढंके हुए थे। उन्होंने निज्जर पर ऑटोमेटिक वेपन से करीब 50 राउंड फायर किए और फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, निज्जर के शरीर पर करीब 34 गोलियां लगी थीं।

एक सप्ताह पहले जिस ब्रिटिश जहाज को हूतियों ने बनाया था निशाना, वह अब लाल सागर में डूबा

लंदन, एजेंसी। इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। हाल ही में विद्रोहियों ने एक ब्रिटिश मालवाहक जहाज ट्यूटर को निशाना बनाया था, जो अब डूब गया है। माना जाता है कि हमले में जहाज पर एक नाविक की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे हमले में यह दूसरा ऐसा जहाज है, जो पानी में डूब गया।

लाल सागर में डूबा ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने क्षेत्र में नाविकों को चेतावनी देते हुए कहा कि ट्यूटर लाल सागर में डूब गया। यूकेएमटीओ ने आगे कहा कि सैन्य अधिकारियों ने अंतिम रिपोर्ट किए गए स्थान पर समुद्री मलबे और तेल देखे जाने की सूचना दी है। ऐसा माना जा रहा कि जहाज डूब गया है।

चालक दल का एक सदस्य मारा गया हूतियों ने फिलहाल इस घटना को स्वीकार नहीं किया है। बता दें, ट्यूटर पर एक सप्ताह पहले लाल सागर में बम ले जाने वाली हूती ड्रोन नाव ने हमला किया था। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि हमले में चालक दल का एक सदस्य मारा गया, जो फिलीपीन का रहने वाला था। इसलिए कर रहे हमले बता दें, गाजा में हो रहे इस्राइल हमलों से मध्यपूर्व बौखलाया हुआ है। मध्यपूर्व गाजा में हो रहे हमलों का कारण अमेरिका को मानता है। इसी वजह से हूती विद्रोही पिछले साल नवंबर से अदन की खाड़ी और लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। साथ ही कभी ईरान तो कभी जॉर्डन को कभी सीरिया में अमेरिकी सेना और अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर हमले हो रहे हैं। हालांकि, इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में मुश्किलें पैदा हुई हैं।

अमेरिका ने चीन में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तार पर की आलोचना, तत्काल रिहाई की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने स्वतंत्र पत्रकार और महिला अधिकार कार्यकर्ता हुआंग जुएकिन (सोफिया हुआंग) के साथ ही श्रम अधिकार कार्यकर्ता वांग जियानबिंग को गलत तरीके से सजा देने पर चीन आलोचना की है। साथ ही चीन से दोनों ही कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करने की अपील की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा, हम पीआरसी से हुआंग और वांग के साथ-साथ उनकी मौलिक स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए अन्यायपूर्ण तरीके से हिरासत में लिए गए अन्य व्यक्तियों को तुरंत रिहा करने का आग्रह करते हैं। मैथ्यू ने आगे कहा कि चीन की इस तरह की बातें नागरिकों को डराने और चुप कराने के लगातार प्रयासों को दिखाता है। इसके साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने चीन से अभिव्यक्ति और निष्पक्ष न्याय जैसी स्वतंत्रता सहित मानवाधिकारों का सम्मान करने के अपने वादों को कायम रखने का आग्रह किया।

हुआंग ने चीन में मी टू आंदोलन के दौरान यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट करने के लिए पीड़ितों का एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाया था। वॉयस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, हुआंग ने उन सर्वेक्षणों को साझा किया जिनमें कहा गया था कि विश्वविद्यालयों और कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न एक चिंता का विषय था।

मंगफ अग्निकांड पीड़ितों के परिजनों को 12.5 लाख रुपये का मुआवजा देगी कुवैत सरकार, दूतावास से मिलेगी रकम

कुवैत सिटी , एजेंसी। कुवैती सरकार दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में लगी आग के पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा देगी। इस आग में 50 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 46 भारतीय भी शामिल थे। कुवैती मीडिया की रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, मंगफ शहर में बीती 12 जून को सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर गार्ड के कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

अग्निकांड में 46 भारतीयों की हुई थी मौत : इस इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। अरब टाइम्स अखबार ने मंगलवार को बताया कि कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर, पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा मिलेगा। सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है।

संबंधित पीड़ितों के दूतावासों को वितरित की जाएगी धनराशि

रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित दूतावास यह सुनिश्चित करेंगे कि आग से प्रभावित लोगों के

परिवारों को धनराशि वितरित की जाए, प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ितों के परिवारों तक सहायता तुरंत पहुंचे। अखबार ने कहा, इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों की सहायता करना है। भारत सरकार ने भीषण आग में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। केरल सरकार ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह आग त्रासदी में मरने वाले राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

त्रासदी में मरने वाले भारतीयों में 24 केरल के निवासी थे। कुवैत की सरकार ने घटना की जांच शुरू कर दी है। कुवैत के सरकारी वकील ने एक्स पर कहा कि जांच का उद्देश्य घटना के पीछे की परिस्थितियों को उजागर करना है, और यह पता लगाना है कि किस वजह से घातक आग लगी। आग की घटना के बाद सुरक्षा और बचाव उपायों में लापरवाही के कारण हत्या और चोट पहुंचाने के आरोप में एक कुवैती नागरिक और कई विदेशियों को गिरफ्तार किया गया है।

चीन में शादी से कुछ दिन पहले लड़का-लड़की की दर्दनाक मौत, याद में घरवालों ने कराया भूत विवाह

बीजिंग, एजेंसी। कार हादसे में मारे गए लड़का-लड़की की दर्दनाक मौत हो गई। जोड़ा तीन साल से एक-दूसरे को डेट कर रहा था और जल्द ही शादी करने वाला था। लेकिन, इससे पहले ही अनहोनी हो गई। हालांकि दोनों के घरवालों ने उनकी याद में भूतिया शादी का आयोजन किया। शादी के मंडप पर उनकी साथ वाली तस्वीरें रखी गई। परिवारवालों का कहना है कि वे चाहते थे कि वे अपने एक-दूसरे के बने रहें और हमने उनकी आखिरी इच्छा को पूरा किया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपि खबर के मुताबिक, मलेशियाई जोड़े यांग जिंगशान और ली जुएयिंग तीन साल से अधिक समय से डेटिंग कर रहे थे और शादी करने की योजना बना रहे थे। यांग जिंगशान ने 2 जून 2024 को बैंकॉक में अपना जन्मदिन मनाने की योजना बनाई थी। यह जन्मदिन इसलिए भी खास था क्योंकि उसने अपनी प्रेमिका को शादी का प्रस्ताव देने की योजना बनाई थी। हालांकि, चीजें अचानक से तब बदल गई जब 24 मई को दोनों की एक कार हादसे में मौत हो गई। हादसा उत्तर-पश्चिमी मलेशिया के पेराक शहर में हुआ। दोनों की कार पलट गई और कोई भी

जीवित नहीं बचा।

दोनों की याद में भूतिया शादी : रिपोर्ट में कहा गया है कि जोड़े की अचानक मौत उनके परिवारों के लिए दुखद था लेकिन उन्होंने अपने प्यार का जश्न भूतिया विवाह के साथ मनाने का फैसला किया। मंडप में अनोखी शादी का आयोजन किया गया। परिवारों द्वारा जोड़े की एक साथ तस्वीर रखी गई। सिन च्यू डेली के अनुसार, उन्होंने जोड़े के लिए शादी की तस्वीरें भी बनाई।

क्या है भूतिया विवाह : चीन में, भूत विवाह आमतौर पर मृत व्यक्तियों के लिए एक साथी ढूंढना होता है। पारंपरिक चीनी मान्यता के अनुसार, यदि लोग अपनी इच्छाएं पूरी किए बिना मर जाते हैं, जैसे कि विवाह करना, तो लोगों का ऐसा मानना है कि उन्हें परलोक में शांति नहीं मिलेगी और वे जीवित लोगों को परेशान करने के लिए वापस आ सकते हैं। इसलिए इस तरह के आयोजन करने की मान्यताएं हैं।

अमेरिका ने ताइवान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए हथियार बेचने को मंजूरी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया में बीते कई महीनों से दो युद्ध जारी हैं। एक तरफ इजरायल और हमास के बीच बीते साल अक्टूबर से संघर्ष चल रहा है तो वही फरवरी 2022 से ही रूस और यूक्रेन मैदान-ए-जंग में खड़े हैं। इस बीच अमेरिका ने चीन को उकसाने वाला बड़ा कदम उठा लिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ताइवान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए हथियार बेचने को मंजूरी दी है। इसके साथ वह ताइवान को सैकड़ों सशस्त्र ड्रोन, मिसाइल उपकरण और संबंधित साजो सामान बेचेगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

मंगलवार को की गई यह घोषणा अप्रत्याशित नहीं है, लेकिन ताइवान को हथियार बेचे जाने को मंजूरी देने की बात ऐसे वक्त में कही गई है जब अमेरिका और चीन के बीच तनाव चरम पर है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसका कहना है कि ताइवान पर नियंत्रण के लिए यदि बल प्रयोग करना पड़ा तो भी वह इससे पीछे नहीं हटेगा। ऐसे में ताइवान को हथियारों से लैस करने का अमेरिकी फैसला युद्ध के उन्माद को बढ़ा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जिन हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी है, उनमें 291 अल्टियस-600एम प्रणाली शामिल हैं। इन हथियारों में 720 स्विचब्लेड ड्रोन भी शामिल हैं। अमेरिकी

विदेश मंत्रालय ने इस मंजूरी की जानकारी देते हुए कहा कि इससे ताइवान खुद की सेना को मजबूत करेगा। इससे उसकी सुरक्षा पुख्ता होगी और वह अमेरिकी हितों की भी पूर्ति कर सकेगा। बयान के अनुसार इससे ताइवान की सुरक्षा को बेहतर बनाने और क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, सैन्य संतुलन और आर्थिक प्रगति को बनाए रखने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका ने चीन से आने वाले कई उत्पादों के आयात शुल्क में बड़ा इजाफा कर दिया था। इसे अमेरिका की ओर से चीन के खिलाफ ट्रेड स्ट्राइक के तौर पर देखा गया था। इस पर चीन ने कहा था कि हम भी इसके जवाब में जरूरी कदम उठाएंगे।

गर्मी से एक हफ्ते में 577 हज यात्रियों की मौत, इनमें सबसे ज्यादा 323 मिस्र के, सऊदी के मक्का में तापमान 52डिग्री सेल्सियस पहुंचा

मक्का, एजेंसी। सऊदी अरब के मक्का में हज के लिए पहुंचे 550 यात्रियों की मौत हो गई है। 12 जून से 19 जून तक चलने वाली हज यात्रा में अब तक कुल 577 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इसकी वजह सऊदी अरब में पड़ रही भीषण गर्मी बताई गई है। पिछले साल 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, मरने वालों में 323 नागरिक मिस्र के और 60 जॉर्डन के हैं। इसके अलावा ईरान, इंडोनेशिया और सेनेगल के तीर्थयात्रियों की भी मौत हुई है। इनमें कोई भारतीय है या नहीं यह साफ नहीं हो पाया है। सऊदी के 2 डिप्लोमैट्स ने एएफपी को बताया कि ज्यादातर मौतें गर्मी की वजह से बीमार पड़ने के चलते हुई हैं।

सऊदी में 2 हजार तीर्थयात्रियों का इलाज जारी : मिस्र के विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा कि वे सऊदी के अधिकारियों के साथ मिलकर लापता लोगों को खोजने के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। सऊदी अरब ने बताया कि गर्मी की वजह से बीमार हुए करीब 2 हजार तीर्थयात्रियों का इलाज किया जा रहा है।

17 जून को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का में जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है। यहां हर 10 साल में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है।

पिछले साल 240 लोगों ने दम तोड़ा था इससे पहले पिछले साल हज पर गए 240 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। सऊदी ने सभी यात्रियों को छाते इस्तेमाल करने की सलाह दी है। इसके अलावा उन्हें लगातार पानी पीने और धूप से बचने के लिए

कहा जा रहा है। हालांकि, माउंट अराफात की इबादत के साथ हज के ज्यादातर रिवाज दिन में किए जाते हैं। इसके लिए तीर्थयात्रियों को लंबे समय तक बाहर धूप में रहना पड़ता है। तीर्थयात्रियों ने बताया कि हज के दौरान अक्सर उन्हें सड़क के किनारे बीमार यात्री नजर आते हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी होती है। हज के रास्ते पर लगातार एंबुलेंस का जमावड़ा लगा रहता है। बिना वीजा भी हज करने पहुंचते हैं तीर्थयात्री इस साल करीब 18 लाख तीर्थयात्री हज के लिए पहुंचे हैं। इनमें से 16 लाख लोग दूसरे देशों के हैं। हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं। सऊदी डिप्लोमैट्स ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि मरने वालों में मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा है, क्योंकि इनमें कई ऐसे हैं जिन्होंने हज के लिए रजिस्टर नहीं कराया था। इस महीने की शुरुआत में सऊदी ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले हजारों तीर्थयात्रियों को मक्का से हटाया था। हज को होस्ट करना सऊदी अरब के शाही परिवार के लिए सम्मान की बात है। सऊदी किंग को 2 पवित्र मस्जिदों का संरक्षक भी कहा जाता है। इन दिनों अक्सर मक्का के बाहर मीना में तीर्थयात्रियों को अपने सिर पर पानी की बोतलें उड़ेलते हुए देखा जाता है। तीर्थयात्रियों की सेवा में जुटे स्वयंसेवक उन्हें ठंडा रखने के लिए कोल्ड ड्रिंक और तेजी से पिघलने वाली चॉकलेट आइसक्रीम देते हैं। सऊदी अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को छाते का उपयोग करने, खूब पानी पीने और दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस साल लगभग 18 लाख तीर्थयात्रियों ने हज में भाग लिया। इनमें से 16 लाख दूसरे देश से पहुंचे थे। हज मिशन की निगरानी करने वाले एक अधिकारी ने कहा, अनियमित तीर्थयात्रियों ने मिस्र के तीर्थयात्रियों के शिविरों में बहुत अराजकता पैदा की, जिससे वहां सेवाएं ठप हो गईं।

संक्षिप्त समाचार

सुकमा में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, मौके से भाग निकले मआवादी, हथियार और समान बरामद

सुकमा , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत करकनगुड़ा के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ के दौरान नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। वहीं जवानों ने मौके से हथियार और समान बरामद किए हैं। जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा लगा था, जवान सर्चिंग के लिए निकले हुए थे। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने की बात कही जा रही है। सुकमा एसपी किरण चौहान के मुताबिक मुखबिरी से करकनगुड़ा के जंगलों में नक्सलियों ठहरने कि सूचना मिली थी। इस दौरान सुरक्षाबलों की जंगल में सर्चिंग अभियान चला। सुरक्षाबलों को आते देख नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान जवानों ने भी फायरिंग शुरू की। काफी देर तक मुठभेड़ चला। इसके बाद जवानों की जवाबी कार्रवाई देखकर नक्सली भाग निकले। मुठभेड़ के बाद भी जंगल में सर्चिंग अभियान चलाया गया। सर्चिंग अभियान के दौरान जवानों को एक हथियार और नक्सलियों के दैनिक उपयोगी समान बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के दौरान कई नक्सलियों को गोली लगने की आशंका है। जवान सर्चिंग अभियान खत्म कर सभी सुरक्षित कैंप पर लौट गए हैं।

स्पाइस जेट ने अयोध्या से कई शहरों के लिए अपनी कई फ्लाइट सेवा बंद कीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अयोध्या से स्पाइस जेट की हैदराबाद की सीधी उड़ान की बुकिंग नहीं हो रही है। एयरलाइंस ने यह सीधी उड़ान सेवा बंद कर दी है। इसके पूर्व चेन्नई, बेंगलुरु, जयपुर, पटना और दरभंगा की भी उड़ानें बंद कर दी हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइटों के अनुसार कुल सात शहरों की उड़ानें स्पाइस जेट ने बंद की हैं। अभी अयोध्या से केवल अहमदाबाद और दिल्ली के लिए ही इस एयरलाइंस की उड़ानें हैं। स्पाइस जेट ने फरवरी माह के अंत में अयोध्या से सात नई उड़ानें शुरू करने का ऐलान किया था। दो अप्रैल को अयोध्या से हैदराबाद के लिए फ्लाइट शुरू हुई थी। एयरलाइंस सूत्रों के अनुसार गर्मी के कारण यात्री बेहद कम हैं। टिकटों की बिक्री कम होने के कारण उड़ानें बंद कर दी गई हैं। इंडिगो की उड़ानों का फिलहाल नियमित रूप से संचालन हो रहा है। स्पाइस जेट ने लॉन्च के दो महीने के भीतर हैदराबाद से अयोध्या के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा बंद कर दी है। एयरलाइन ने इस साल अप्रैल की शुरुआत से हैदराबाद-अयोध्या मार्ग पर हफ्ते में तीन बार नॉन-स्टॉप उड़ान सेवाएं शुरू की थीं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उड़ान कार्यक्रम पूरी तरह से व्यावसायिक विचारों और मांग से संचालित होता है। हम अभी भी अयोध्या से चेन्नई के लिए सेवाएं संचालित कर रहे हैं। बता दें कि अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। गौरतलब है कि स्पाइसजेट ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले लोगों के लिए 21 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी से अयोध्या के लिए एक विशेष उड़ान संचालित की थी। 31 जनवरी को कंपनी ने 1 फरवरी से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, जयपुर, बेंगलुरु, पटना और दरभंगा सहित आठ शहरों से अयोध्या के लिए अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की घोषणा की थी।

रेलवे में बंपर वैकेंसी, 18799 रेल ड्राइवरों की तुंरत होगी भर्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सोमवार को कंचनजंघा ट्रेन हादसे के अगले दिन रेलवे बोर्ड ने 18,799 सहायक लोको पॉयलेट (ड्राइवरों) के तत्काल प्रभाव से भर्ती के आदेश जारी किए हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि ड्राइवर भर्ती प्रक्रिया को एक हफ्ते में पूरा किया जाए। रेलवे के इस फैसले से ओवर ड्यूटी कर रहे ड्राइवरों का बोझ कम होगा और मानवीय चूक (ड्राइवर) से होने वाले हादसों में कमी आएगी। रेलवे बोर्ड के निदेशक-स्थापना (रेलवे भर्ती बोर्ड) विद्याधर शर्मा ने उपरोक्त आदेश मंगलवार को देर शाम जारी किए हैं। इसकी कॉपी हिंदुस्तान के पास है। इस आदेश में उल्लेख है कि 15 दिसंबर 2023 को 5696 सहायक लोको पॉयलेट (एएलपी) के पदों पर भर्ती करने की मंजूरी पहले दी जा चुकी है। लेकिन 16 जोनल रेलवे से एएलपी की अतिरिक्त भर्ती करने की मांग की जा रही थी। रेलवे बोर्ड ने इसकी समीक्षा करने के बाद अब 18,799 एएलपी की भर्ती करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि इंडियन रेलवे भर्ती प्रबंधन व्यवस्था (ओआईआरएमएस) रेलवे भर्ती बोर्ड, बंगलुरू की सहायता से एएलपी की भर्ती प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करेगा। विदित हो कि रेलवे में लंबे समय से ड्राइवरों के पद रिक्त चल रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने ड्राइवरों की ट्रेन चलाने की ड्यूटी नौ घंटे निर्धारित की है। लेकिन कमी के चलते 31 फीसदी से अधिक ड्राइवरों को 10-12 घंटे तक ट्रेनें चलानी पड़ रही हैं।

देवेंद्र फडणवीस नहीं देंगे इस्तीफा, भाजपा ने थमाया महाराष्ट्र विस चुनाव का भी टास्क

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस से अपने पद पर बने रहने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संगठन के लिए काम करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उनके इस्तीफे की पेशकश पर अटकलों का अंत हो गया है। मंगलवार को दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। भाजपा सूत्र का कहना है कि, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने एक बार फिर फडणवीस को सरकार में बने रहने के लिए कहा है। अपने सरकारी कर्तव्यों के साथ-साथ उन्हें पार्टी के लिए संगठनात्मक कार्य करने के लिए कहा गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा की गई। भाजपा ने विफलता के पीछे स्थानीय कारणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान यह मुद्दा भी सामने आया कि पार्टी को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ अपने गठबंधन से चुनावी लाभ नहीं हुआ। भाजपा नेताओं ने कहा कि गठबंधन का वोट शेयर भाजपा उम्मीदवारों को ट्रांसफर नहीं हुए। हालांकि, भाजपा के वोट शेयर ने शिंदे और पवार दोनों की मदद की है। महाराष्ट्र में सत्ता में होने के बावजूद भाजपा का और गठबंधन का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा है। ऐसे में चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। पार्टी ने राज्य में अपने पुराने गढ़ विदर्भ को फिर से मजबूत करने और अन्य क्षेत्रों में भी कमजोरी को दूर करने पर विचार किया है। साथ ही गठबंधन को लेकर पुनर्विचार की जरूरत भी बताई गई है। हाल के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी है। जिन राज्यों में पार्टी को बड़ा झटका लगा है, उन में महाराष्ट्र भी शामिल है। यहां की 48 सीटों में से भाजपा को मात्र नौ सीटें ही मिली हैं, जबकि उसके सहयोगी दलों को आठ सीटें मिली हैं। भाजपा पर विपक्षी गठबंधन बहुत भारी पड़ा है और विधानसभा चुनाव को लेकर भी स्थितियां बहुत अनुकूल नहीं दिख रही हैं। बैठक के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की कोर टीम ने केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक की। परिणाम पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई बदलाव नहीं होगा। भाजपा में महाराष्ट्र को लेकर सबसे ज्यादा चिंता इसलिए है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में मोदी फैक्टर के साथ उसके नए बने गठबंधन ने भी पूरी तरह काम नहीं किया है। पार्टी को लोकसभा चुनाव में भारी नुकसान हुआ है। पिछले चुनाव में जहां उसने 23 सीटें जीती थी, वहां पर उसे इस बार केवल 9 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। उसका गठबंधन भी कमजोर पड़ा है और शिवसेना (शिंदे) को सात एवं राकांपा (अजित पवार) को एक सीट मिली है। यानी राज्य की 48 सीटों में केवल 17 सीटें ही राजग के खाते में आई हैं। ऐसे में विपक्षी खेमे के हौसले बुलंद हैं। वह विधानसभा चुनाव के लिए मजबूती से ताल ठोक रहा है।

सूत्रों के अनुसार भाजपा नेतृत्व ने बैठक में पार्टी और गठबंधन दोनों की हार को लेकर राज्य के नेताओं से विस्तृत जानकारी ली और जिन सीटों पर कम अंतर से पार्टी की हार हुई, उसकी वजह भी जानी। इसके अलावा, विपक्षी गठबंधन को लाभ मिलने के कारणों की चर्चा की गई। गौरतलब है कि भाजपा ने राज्य में अपनी सरकार का गठन शिवसेना के विभाजन से किया था और बाद में राकांपा का भी विभाजन कर सरकार को मजबूत किया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव में यह गठबंधन अपना असर नहीं दिखा सका। ऐसे में भाजपा नेतृत्व गठबंधन को मजबूत करने के लिए नए सिरे से भी विचार कर रहा है। भाजपा को डर भी है कि अजित पवार वाला धड़ा वापस शरद पवार के साथ भी जा सकता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनने के मुद्दे पर भी उसके साथ टकराव रहा है। अजित पवार ने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उधर, अजित पवार के समर्थक विधायकों में भी खलबली मची हुई है। ऐसे में भाजपा बेहद संभलकर आगे की रणनीति बना रही है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, संगठन महासचिव बीएल संतोष, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, अशोक चव्हाण, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव आदि नेता मौजूद थे।

महाराष्ट्र चुनाव के लिए महा विकास अघाड़ी जारी कर सकता है संयुक्त घोषणापत्र, किसानों के मुद्दे होंगे अहम

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को चौंकाने के बाद महा विकास अघाड़ी विधानसभा चुनाव में भी झटका देने की तैयारी कर रही है। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और शरद पवार साथ लड़ने का फैसला कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि ये तीनों पार्टियां सीट फॉर्मूला तय करने से पहले संयुक्त घोषणापत्र जारी कर सकती है। यह जानकारी भी सामने आई है कि घोषणापत्र में किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता दी जा सकती है। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों में महा विकास अघाड़ी ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन से बेहतर प्रदर्शन किया। एमवीए ने 48 में से 30 सीटें हासिल कीं। ऐसे में उद्धव, शरद पवार और कांग्रेस तीनों को विधानसभा चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इसलिए तीनों दलों ने चुनावी तैयारियों में तेजी लाने का फैसला लिया है। संयुक्त घोषणापत्र महा विकास अघाटी से जुड़े एक सूत्र ने कहा, गठबंधन के सहयोगियों को लगता है कि लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए घोषणापत्र तैयार करते समय, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि समुदायों के सभी लोगों को समान और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व मिले। सूत्रों ने आगे बताया कि एमवीए गठबंधन के लिए संयुक्त घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन करेगा। इस समिति में गठबंधन में शामिल सभी दलों को बराबर तवज्जो मिलेगी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समिति का नेतृत्व कौन करेगा और इसमें कितने सदस्य होंगे लेकिन, सूत्र ने बताया कि घोषणापत्र में किसानों के मुद्दे अहम हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि एमवीए के शीर्ष नेताओं ने एक बैठक भी है।

भजनलाल सरकार का बड़ा निर्णय- राजस्थान पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने शिक्षक भर्ती के बाद अब पुलिस भर्ती में महिलाओं को बड़ी राहत दी है। पुलिस भर्ती में अब महिला आरक्षण 30 फीसदी से बढ़ाकर 33 फीसदी कर दिया गया है। इससे पहले सरकार ने शिक्षक भर्ती में महिला आरक्षण 30 फीसदी से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था। इसके साथ ही सरकार बेरोजगार युवाओं के के लिए नौकरी का पिटारा खोलने जा रही है। दूसरी तरफ राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड 1963 पटवारियों की सीधी भर्ती करने जा रहा है। इन पदों की भर्ती करेगा राजस्थान सरकार से वित्तीय मंजूरी मिल गई है। इनमें 1680 पद नॉन गैर अनुसूचित क्षेत्र तथा 283 अनुसूचित क्षेत्र के लिए रिजर्व हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय अपने संकल्प पत्र में घोषणा की थी कि अगर हमारी पार्टी सत्ता में आई तो राजस्थान की महिलाओं को कई सौगात देगी। इसके बाद राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही वित्त मंत्री ने महिला आरक्षण बढ़ाने के लिए मंजूरी जारी की थी। अब सरकारी स्तर पर इसे मंजूरी दे दी गई है। बता दें कि इससे पहले महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण में 8 फीसदी विधवा व 2 फीसदी परित्यागता का कोटा था। अभी पुलिस विभाग में 10 फीसदी महिलाएं कार्यरत है।

यदि हमें टारगेट किया जाता रहा तो फिर हम गठबंधन पर अलग स्टैंड भी ले सकते हैं: एनसीपी नेता अमोल मितकारी

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में भाजपा समेत एनडीए को महाराष्ट्र में झटका लगा है। इसे लेकर भाजपा और संघ के कई लोगों ने अजित पवार की एनसीपी के साथ गठजोड़ को जिम्मेदार ठहराया था। अब इस पर एनसीपी ने भी खुलकर पलटवार किया है। इसके साथ ही एनसीपी ने चेतावनी भी दी है कि यदि हमें इसी तरह टारगेट किया जाता रहा तो फिर हम गठबंधन पर अलग स्टैंड भी ले सकते हैं। एनसीपी नेता अमोल मितकारी ने कहा, हमें पता चला है कि भाजपा के विधायक हार के लिए अजित पवार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। मैं ऐसे लोगों को बता देना चाहता हूं कि यदि इसी तरह लगातार अजित पवार का निशाना बनाया जाता रहा तो फिर हमें अलग स्टैंड लेने पर विचार करना पड़ सकता है।

दरअसल खबरें थीं कि भाजपा विधायकों ने नतीजों की समीक्षा के लिए बुलाई मीटिंग में अजित पवार गुट के साथ गठजोड़ को खराब नतीजों के लिए जिम्मेदार बताया था। इसी को लेकर अब एनसीपी के नेता भड़के हुए हैं। एनसीपी के कुछ नेताओं ने तो हार के लिए भाजपा को ही निशाने पर लिया है। एक नेता ने कहा कि संघ के साथ क्या हुआ, यह उनका अपना मसला है। अजित पवार की वजह से भाजपा को कोई नुकसान नहीं हुआ। ऐसा हो सकता है कि भाजपा के खिलाफ लोगों के गुस्से ने हमें नुकसान पहुंचाया हो। भाजपा के नेता लगातार 400 पार और संविधान बदलने की बात कर रहे थे। शायद इसी का नुकसान हुआ है। एनसीपी नेता ने कहा कि अजित

पवार की ओबीसी समुदाय के बीच बड़ी पैठ है। ऐसे में एनसीपी ने बड़ी कोशिश की थी कि डैमेज कंट्रोल कर लिया जाए, लेकिन भाजपा के कुछ नेता ऐसे हैं, जो मन में आता है वही बोलते हैं। ऐसे नेताों के चलते भी नुकसान हुआ है। एनसीपी ने कहा कि हम ही नहीं बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी मानती है कि भाजपा नेताओं के बड़बोलेपन और 400 पार के नारे की वजह से ऐसे नतीजे आए हैं। वहीं एनसीपी के नेता सुनील तटकरे ने कहा कि गठबंधन में सब सही है। हमने भाजपा के सीनियर नेताओं से बात की है, जिन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही।

आरएसएस की पत्रिका में लेख छपने से बढ़ा मामला बता दें कि यह मसला आरएसएस से जुड़ी ऑर्गनाइजर पत्रिका में छपे एक लेख से उठा था। रतन शारदा की ओर से लिखे इस आर्टिकल में महाराष्ट्र में एनसीपी के साथ गठजोड़ को हार की वजह बताया गया था। इसके बाद फिर भाजपा की समीक्षा बैठक में विधायकों की ओर से भी ऐसी ही राय रखी गई। हालांकि अब तक महाराष्ट्र भाजपा के किसी सीनियर नेता या फिर केंद्र में किसी लीडर ने इस पर कुछ नहीं कहा है।

कोटक लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया कोटक जेन 2 जेन प्रोटेक्ट।

नईदिल्ली, 19 जून, 2024 कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (÷कोटक लाइफ÷) ने आज अपनी नई सुरक्षा योजना कोटक जेन2जेन (GenwGen) प्रोटेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह उत्पाद एक योजना के साथ दो पीढ़ियों को कवर करने के विकल्प के साथ इंडस्ट्री की ऐसी पहली सुविधा प्रदान करता है, जो इस सुरक्षा की विरासत को आगे बढ़ाता है। सर्वाइवल (उत्तरजीविता) पर प्रीमियम लाभ की 100 फीसदी गारंटीकृत वापसी के साथ आने वाला, कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट बच्चे को कम्पलीट रिस्क कवर (पूर्ण जोखिम कवर) ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करता है, जब माता-पिता (प्राथमिक बीमाधारक) 60 या 65 साल के हो जाते हैं। इसके अलावा, यह रिस्क कवर बच्चे के साथ 60 साल की उम्र तक बना रहता है। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के एमडी, महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि ÷एक संगठन के रूप में, हमारा समर्पण उन उत्पादों को नया और क्यूरेट करने पर है, जो हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट एक ऐसा उत्पाद है, जिसके माध्यम से हमारे ग्राहक एक ही टर्म प्लान के साथ दो पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस उत्पाद की सोच हम भारतीयों द्वारा परिवार, परंपरा और विरासत को दिए जाने वाले महत्व से आती है।

पियाजियो इंडिया ने दिल्ली में खोला शोरूम (भवानी ऑटो)

दिल्ली, 19 जून 2024 इटली की ऑटो दिग्गज पियाजियो ग्रुप की 100त्न सब्सिडिएरी, पियाजियो व्हीकल्स प्रा. लि. ने दिल्ली के पहले मोटोप्लेक्स शोरूम भवानी ऑटो का शुभारंभ किया है। कंपनी ने उच्च-प्रदर्शन वाले और लक्ज़री 2-व्हीलर्स की तेजी से बढ़ रही मांग को पूरा करने के लिए उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाई है। इस प्रीमियम शोरूम में एप्रिलिया पोर्टफोलियो की पूरी रेंज, मोटो गुज़्ज़ी पोर्टफोलियो का चुनिंदा हिस्सा और स्टाइलिश वेस्पा स्कूटर्स मिलेंगे। नये मोटोप्लेक्स शोरूम की घोषणा पियाजियो व्हीकल्स प्रा. लि. में 2-व्हीलर डॉमेस्टिक बिजनेस (आईसीई) के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट श्री अजय रघुवंशी और 2-व्हीलर मार्केटिंग एण्ड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट श्री अपूर्व सैगल की मौजूदगी में हुई है। इस आयोजन में 51 ग्राहकों ने नई लॉन्च की गई एप्रिलिया आरएस 457 की डिलीवर भी ली। यह पियाजियो इंडिया के 2-व्हीलर नेटवर्क को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उत्तर भारत में ग्राहकों को सेल्स एवं आफ्टरसेल्स का बेहतरीन अनुभव मिलेगा।

कोटक लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया कोटक जेन 2 जेन प्रोटेक्ट।

नईदिल्ली, 19 जून, 2024- कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने आज अपनी नई सुरक्षा योजना कोटक जेन2जेन (GenwGen) प्रोटेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह उत्पाद एक योजना के साथ दो पीढ़ियों को कवर करने के विकल्प के साथ इंडस्ट्री की ऐसी पहली सुविधा प्रदान करता है, जो इस सुरक्षा की विरासत को आगे बढ़ाता है। सर्वाइवल (उत्तरजीविता) पर प्रीमियम लाभ की 100 फीसदी गारंटीकृत वापसी के साथ आने वाला, कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट बच्चे को कम्पलीट रिस्क कवर (पूर्ण जोखिम कवर) ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करता है, जब माता-पिता (प्राथमिक बीमाधारक) 60 या 65 साल के हो जाते हैं। इसके अलावा, यह रिस्क कवर बच्चे के साथ 60 साल की उम्र तक बना रहता है। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के एमडी, महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि एक संगठन के रूप में, हमारा समर्पण उन उत्पादों को नया और क्यूरेट करने पर है, जो हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट एक ऐसा उत्पाद है, जिसके माध्यम से हमारे ग्राहक एक ही टर्म प्लान के साथ दो पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस

बंगाल भाजपा में कलह पर हाईकमान का पहला ऐक्शन, कैंडिडेट को ही पार्टी से निकाला

कोलकाता, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में उम्मीद से कमतर प्रदर्शन के बाद बंगाल भाजपा में कलह मची हुई है। इस बीच भाजपा ने पहला बड़ा ऐक्शन लेते हुए लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे अभिजीत दास बॉबी को पार्टी से बाहर कर दिया है। वह डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ उतरे थे। पार्टी ने लोकसभा चुनाव नतीजों के 15 दिनों के अंदर ही यह बड़ा फैसला लिया है। अभिजीत दास पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था। इसे लेकर राज्य इकाई ने अभिजीत दास को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस पर उन्हें 7 दिन के अंदर ही जवाब देना था, लेकिन उनकी ओर से कोई उत्तर नहीं दिया गया। इसके बाद पार्टी ने यह ऐक्शन लिया है। अभिजीत दास का कारण बताओ नोटिस पर कहना था कि मुझे ऐसा कोई लेटर नहीं मिला है। भाजपा की अनुशासन समिति के सदस्य प्रताप बनर्जी ने मंगलवार को इस ऐक्शन की जानकारी अभिजीत दास बॉबी को दी और बताया कि उन्हें पार्टी से बाहर किया जाता है। ऐसा पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते किया जा रहा है। लेटर के अनुसार अभिजीत दास भाजपा की मंगलवार को हुई उस मीटिंग में भी नहीं पहुंचे, जो चुनाव बाद हिंसा को लेकर बुलाई गई थी। अनुशासन समिति की सिफारिश पर प्रदेश अध्यक्ष ने किया बाहर बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत

मजूमदार ने अनुशासन समिति की सिफारिश पर अभिजीत दास को बाहर कर दिया। बता दें कि मंगलवार को ही भाजपा की केंद्रीय टीम भी डायमंड हार्बर समेत बंगाल के कई इलाकों में पहुंची थी। यह टीम चुनाव बाद हुई हिंसा की घटनाओं का जायजा लेने आई थी। इस दौरान जब टीम डायमंड हार्बर पहुंची तो अभिजीत दास के घर के बाहर उसे कार्यकर्ताओं ने घेर लिया। दोपहर में विरोध प्रदर्शन और शाम को हाईकमान का ऐक्शन इन लोगों का आरोप था कि जिला अध्यक्ष सहयोग नहीं कर रहे हैं। ऐसे में हिंसा के बाद उन्हें अभिजीत दास के घर में ही शरण लेनी पड़ी। दोपहर में यह विरोध हुआ था और शाम तक अभिजीत दास को बाहर कर दिया गया।

असदुद्दीन ओवैसी ने की नीट-यूजी 2024 की दोबारा परीक्षा कराने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार (एनडीए) पर निशाना साधा और उच्चतम न्यायालय की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। दारुस्सलाम में स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ''नीट परीक्षा मजाक बन कर रह गई है।'' देशभर के 12वीं के छात्रों की बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनसे की गई बातचीत पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है और उनके माता-पिता के सपने चकनाचूर कर दिए हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पांच मई को देशभर के 4,750 केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक स्तर) अथवा नीट-यूजी आयोजित की थी, जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। चार जून को परिणाम जारी किए गए थे। बिहार जैसे राज्यों में नीट-यूजी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा में धांधली के आरोप लगे थे। जिसके

बाद कई शहरों में प्रदर्शन भी हुआ था। साथ ही छात्रों ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए कई उच्च न्यायालयों के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दायर की थीं।

ओवैसी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वालों कुछ शर्म करो। 24 लाख बच्चे परीक्षा में बैठे थे। आप कह रहे हैं कि हम सिर्फ 1500 के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित करेंगे और कृपांक हटाएंगे। परीक्षा दोबारा से कराई जानी चाहिए। एनटीए बकवास है। इसका प्रमुख मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का एक आदमी है।

उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम मांग करती है कि मोदी सरकार दोबारा से नीट की परीक्षा आयोजित कराए और उच्चतम न्यायालय को इसकी निगरानी करनी चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एनटीए ये नहीं कर सकता। एनटीए बेकार हो गया। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने दावा किया कि नीट अमीर लोगों के बच्चों के लिए फायदेमंद है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शिक्षा विरोधी सरकार है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने मन की बात कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय की निगरानी में नीट परीक्षा को फिर से आयोजित करने के बारे में बोलना चाहिए।

ऐसा पहली बार हुआ था कि नीट-यूजी में 67 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिले, जिसमें हरियाणा के फरीदाबाद के एक केंद्र से छह छात्र शामिल हैं। जिससे परीक्षा में धांधलेबाजी होने के आरोप लगे। यह भी आरोप लगाया गया कि कृपांक की वजह से 67 बच्चों को पहली रैंक मिली।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।